डालटनगंज (मेदिनीनगर), बुधवार । 01 जुलाई 2026 । वर्ष-32, अंक-255, पृष्ठ-12

आषाढ़ कृष्ण पक्ष 01, संवत 2083 । डालटनगंज (मेदिनीनगर) एवं रांची से एक साथ प्रकाशित । रजिस्ट्रेशन नं: 61316/94

मूल्य 2 रु.

ईश्वर में हमारा विश्वास

राष्ट्रीय नवीन मेल

सत्यमेव जयते

पेज 12

www.rastriyanaveenmail.com

हर पक्ष की खबर | हर पक्ष पर नजर

विशेष गहन पुनरीक्षण का गणना चरण शुरू

29 जुलाई तक घर-घर पहुंचेंगे बीएलओ

- मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार बोले-एक भी पात्र मतदाता नहीं छूटना चाहिए

नवीन मेल संवाददाता

रांची। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश पर झारखंड में गहन विशेष पुनरीक्षण (एसआईआर) 2026 के तहत मंगलवार से गणना चरण (एन्यूमरेशन फेज) की शुरुआत हो गई। इसके तहत 30 जून से 29 जुलाई 2026 तक बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) घर-घर जाकर एन्यूमरेशन फॉर्म का वितरण और संग्रहण करेंगे।

रांची स्थित निर्वाचन सदन में मंगलवार को आयोजित प्रेसवार्ता में विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के सबसे महत्वपूर्ण चरण 'इन्यूमरेशन फेज' के शुभारंभ की जानकारी देते हुए राज्य के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के रवि कुमार ने कहा कि मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पूरी तरह सहभागी, पारदर्शी और विधिसम्मत प्रक्रिया है। इसके प्रत्येक चरण का अंकेक्षण किया जाता है तथा किसी भी स्तर पर आपत्ति या त्रुटि की स्थिति में अपील का भी प्रावधान है। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस प्रक्रिया का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि एक भी पात्र भारतीय नागरिक मतदाता सूची से वंचित न रहे और कोई भी अपात्र व्यक्ति मतदाता सूची में शामिल न हो। उन्होंने कहा कि राज्यभर में बीएलओ (बूथ लेवल ऑफिसर) और बीएलए-2 (बूथ लेवल एजेंट) की बैठकें आयोजित की गई हैं। साथ ही, सभी मतदान केंद्रों के लिए बीएलओ को आंशिक रूप से भरे हुए इन्यूमरेशन फॉर्म उपलब्ध करा दिए गए हैं। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी (सीईओ) के रवि कुमार ने बताया कि इन्यूमरेशन फेज के शुभारंभ के अवसर पर व्यापक जनजागरूकता अभियान भी चलाया गया। दो दिवसीय सोशल मीडिया अभियान के पहले दिन मतदाता साक्षरता क्लब (ईएलसी) के माध्यम से राज्यभर में मतदाताओं और भावी मतदाताओं को एसआईआर से संबंधित पोस्टर एवं वीडियो दिखाकर जानकारी दी गई।

शेष पेज 11 पर...

राज्य से बाहर के मतदाता ऑनलाइन फॉर्म जमा कर सकेंगे

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि 30 जून से 29 जुलाई 2026 तक बीएलओ घर-घर जाकर मतदाताओं को आंशिक रूप से भरा हुआ इन्यूमरेशन फॉर्म उपलब्ध कराएंगे। मतदाताओं को उसमें आवश्यक विवरण सत्यापित कर शेष जानकारी भरकर संबंधित बीएलओ को जमा करनी होगी। उन्होंने कहा कि जो मतदाता राज्य से बाहर रह रहे हैं, वे ऑनलाइन माध्यम से अपने बीएलओ से संपर्क कर फॉर्म जमा कर सकते हैं। यदि कोई मतदाता घर पर उपलब्ध नहीं है, तो उसके पात्र परिजन भी उसकी ओर से फॉर्म भरकर जमा कर सकते हैं।

रोजगार सृजन व राष्ट्र निर्माण की ताकत हैं उद्यमी : लक्ष्मी गोयल

- एफजेसीसीआई की बैठक में झारखंड के विकास पर मंथन
- व्यापारियों के सम्मान और उत्पीड़न रोकने की उठी मांग

नवीन मेल संवाददाता

रांची। फेडरेशन ऑफ झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज (एफजेसीसीआई) की बैठक मंगलवार को रांची स्थित चैंबर भवन में सनसिटी प्रोजेक्ट्स के चेयरमैन एवं ऋषिहुड यूनिवर्सिटी के संस्थापक लक्ष्मी नारायण गोयल के साथ हुई। बैठक में प्रसिद्ध उद्यमी एसके जिंदल, विनीत कुमार गुप्ता, लोहिया, संजीव गोयल एवं रमेश कनोडिया सहित चैंबर के पदाधिकारी उपस्थित थे। बैठक में उद्योग, उद्यमिता, शिक्षा, सामाजिक उत्तरदायित्व तथा झारखंड के समग्र विकास से जुड़े विषयों पर व्यापक विमर्श हुआ।

बैठक के दौरान लक्ष्मी नारायण गोयल ने कहा कि किसी भी देश में रोजगार सृजन का सबसे बड़ा माध्यम उद्यमी और व्यापारी होते हैं। देश की अर्थव्यवस्था, कर संग्रह और राष्ट्र निर्माण में व्यापारी वर्ग की महत्वपूर्ण भूमिका है।

शेष पेज 11 पर...

मेदिनीनगर	गढ़वा
अधिक. 37.0°	अधिक. 35.8°
न्यून. 26.0°	न्यून. 25.3°

दृष्टिपात

3 जुलाई को होगी करीमनडीह की 10 शत्रु संपत्तियों की ई-नीलामी

एमएसटीसी पोर्टल के माध्यम से होगी ऑनलाइन बोली, 2 जुलाई तक करा सकते हैं पंजीकरण

हैदरनगर। पलामू जिले के हैदरनगर प्रखंड अंतर्गत मोकहर कला पंचायत के मौजा करीमनडीह एवं मोकहर कला स्थित 10 शत्रु संपत्तियों की ई-नीलामी 3 जुलाई को कराई जाएगी। भारत सरकार के गृह मंत्रालय के अधीन शत्रु संपत्ति अभिरक्षक द्वारा देशभर की 27 अचल शत्रु संपत्तियों की ऑनलाइन नीलामी एमएसटीसी पोर्टल के माध्यम से कराने का निर्णय लिया गया है, जिसमें पलामू की 10 संपत्तियां भी शामिल हैं। अंचल अधिकारी संतोष कुमार ने बताया कि शत्रु संपत्ति अधिनियम, 1968 की धारा 8ए (संशोधित) के तहत केंद्र सरकार की स्वीकृति से शत्रु संपत्ति अभिरक्षक को इन संपत्तियों के विक्रय का अधिकार प्राप्त है। इसके लिए 3 जून से 2 जुलाई तक 30 दिनों की अधिसूचना अवधि निर्धारित की गई है, जबकि 3 जुलाई को ई-नीलामी आयोजित होगी। नीलामी में शामिल भूखंडों में प्लॉट संख्या 476, 598, 629, 676, 1340, 1616, 1617 एवं 1734 शामिल हैं। इनका क्षेत्रफल 4 डिसमिल से 1.25 एकड़ तक है। संपत्तियों का आरंभिक मूल्य 56,872 रुपये से लेकर 25.06 लाख रुपये तक निर्धारित किया गया है।

शेष पेज 11 पर...

हूल दिवस पर मुख्यमंत्री व विधायक कल्पना सोरेन ने सिदो-कान्हू को दी श्रद्धांजलि

अन्याय के खिलाफ संघर्ष की प्रेरणा है हूल : हेमंत

सीएम ने कहा-

- हूल शोषण और अन्याय के विरुद्ध देश के सबसे बड़े जनआंदोलनों में से एक है
- अन्याय के खिलाफ संघर्ष की चिंगारी कभी बुझती नहीं, समाज को हमेशा प्रेरित करती रहती है
- झारखंड वीरों और बलिदानियों की धरती, नई पीढ़ी को वीरों के आदर्शों को अपनाएं

अमर शहीदों के आदर्शों को अपने जीवन में आत्मसात करें : सीएम

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि हूल विद्रोह के महानायकों का इतिहास स्वर्ण अक्षरों में अंकित है और आने वाली पीढ़ियां भी उनके साहस, त्याग और बलिदान से प्रेरणा लेती रहेंगी। उन्होंने सभी लोगों से आह्वान किया कि वे अमर शहीदों के आदर्शों को अपने जीवन में आत्मसात करें और सामाजिक न्याय, समानता तथा मानवता के मूल्यों को मजबूत बनाने में योगदान दें।

नवीन मेल संवाददाता

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और उनकी धर्मपत्नी विधायक कल्पना सोरेन ने मंगलवार को हूल दिवस के अवसर पर रांची के मोरहाबादी स्थित सिदो-कान्हू उद्यान पहुंचकर हूल विद्रोह के महानायक अमर शहीद सिदो-कान्हू की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने हूल विद्रोह को देश के इतिहास में शोषण और अन्याय के विरुद्ध छेड़े गए सबसे बड़े जनआंदोलनों में से एक बताते हुए कहा कि इसकी प्रेरणा आज भी समाज को अन्याय के खिलाफ संघर्ष करने का साहस देती है। विधायक कल्पना सोरेन ने भी अमर बलिदानी सिदो-कान्हू को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके संघर्ष और बलिदान को नमन किया। मौके पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि हूल दिवस केवल एक स्मृति दिवस नहीं, बल्कि उस ऐतिहासिक संघर्ष का प्रतीक है, जब आदिवासी समाज के वीरों ने अंग्रेजी शासन और शोषणकारी व्यवस्था के खिलाफ निर्णायक आवाज बुलंद की थी।

शेष पेज 11 पर...

'हूल जोहार', बलिदानियों को किया नमन

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने मंगलवार को हूल दिवस के अवसर पर हूल क्रांति के वीर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने अमर शहीद सिदो-कान्हू, चांद-भैरव, वीरांगना फूलो-झानो, चुन्नी मांझी और सुबी हांसदा को नमन करते हुए 'हूल जोहार' कहा। मुख्यमंत्री सोरेन ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर जारी संदेश में कहा कि 30 जून 1855 को भोगनाडीह से शुरू हुई हूल क्रांति शोषण और अन्याय के विरुद्ध संघर्ष का ऐतिहासिक प्रतीक है। वीर पुरखों ने जल, जंगल, जमीन, भाषा, संस्कृति और पहचान की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया, लेकिन अन्याय के सामने कभी झुके नहीं। उन्होंने कहा कि झारखंड की पहचान अपने वीर पुरखों के संघर्ष और बलिदान से है तथा उनका त्याग आने वाली पीढ़ियों के लिए सदैव प्रेरणास्रोत रहेगा। राज्य गठन के 25 वर्ष पूरे होने के बाद झारखंड नई ऊर्जा और नए संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा है। राज्य सरकार वीर पुरखों के सपनों को साकार करने तथा जल, जंगल और जमीन की रक्षा के लिए निरंतर कार्य करती रहेगी। मुख्यमंत्री ने अपने संदेश के अंत में 'हूल जोहार', 'जोहार झारखंड' और 'जय झारखंड' का उद्घोष किया।

जमीन विवाद में गिरिडीह के सब रजिस्ट्रार की हत्या

नवीन मेल संवाददाता

रामगढ़ के मांडू स्थित पैतृक गांव में हुआ जानलेवा हमला

रामगढ़। गिरिडीह के सब रजिस्ट्रार बालेश्वर पटेल की रामगढ़ में मंगलवार को हत्या कर दी गई। मांडू थाना क्षेत्र अंतर्गत उनके पैतृक गांव रबोध में ही यह वारदात हुई। मंगलवार की सुबह जमीन विवाद को लेकर उनका झगड़ा गांव के ही कुछ लोगों के साथ हुआ। इस दौरान मारपीट करने आए लगभग एक दर्जन महिला और पुरुष सभी ने मिलकर उन पर जानलेवा हमला किया। इस दौरान उनके सिर पर ईंट-डंडों से वार किया गया। इस घटना में सब रजिस्ट्रार बालेश्वर पटेल की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। उनके परिजनों और गांव वालों ने आनन-फानन में बालेश्वर पटेल को होप हॉस्पिटल में भर्ती कराया। लेकिन, चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

इस बीच, घटना का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में आधा दर्जन से अधिक लोग बालेश्वर पटेल पर हमला करते दिखाई दे रहे हैं। वीडियो में कुछ लोग ईंट और डंडों से उनकी पिटाई करते नजर आते हैं, जबकि घटनास्थल पर कुछ महिलाओं की मौजूदगी भी दिखाई देती है। हालांकि, वायरल वीडियो की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं की गई है। पुलिस ने वायरल वीडियो के आधार पर कुछ संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है, जबकि अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है। रामगढ़ के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (एसडीपीओ) आलोक रंजन ने कहा कि वायरल वीडियो में दिखाई दे रहे कुछ लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

शेष पेज 11 पर...

जेएसएससी को निर्देश

प्रतिवादियों को सौंपी जाए याचिका की कॉपी : हाईकोर्ट

नवीन मेल डेस्क

- स्नातक प्रशिक्षित शिक्षक संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा 2016 का मामला

रांची। स्नातक प्रशिक्षित शिक्षक संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा 2016 नियुक्ति से जुड़े मीना कुमारी के मामले में राज्य सरकार और जेएसएससी की अपील (एलपीए) पर झारखंड हाईकोर्ट में मंगलवार को सुनवाई हुई। मामले में हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति एमएस सोनक एवं न्यायमूर्ति राजेश शंकर की खंडपीठ ने राज्य सरकार एवं जेएसएससी को प्रतिवादियों को याचिका की कॉपी उपलब्ध कराने का निर्देश देते हुए मामले की अगली सुनवाई 14 जुलाई निर्धारित की।कोर्ट ने राज्य सरकार एवं जेएसएससी (झारखंड कर्मचारी चयन आयोग) को निर्देश दिया कि वे अपने संशोधन पिटीशन में अगर कोई त्रुटि को दूर करना चाहते हैं, तो उसे 7 जुलाई 2026 तक दूर कर ले। प्रतिवादी की ओर से अधिवक्ता शेखर गुप्ता, अधिवक्ता अमृतांश वत्स,अधिवक्ता राजेश कुमार और अधिवक्ता शुभम मिश्रा ने पक्ष रखा। जेएसएससी की ओर से अधिवक्ता संजय पिपरावाल ने पक्ष रखा। सरकार ने संशोधन पिटीशन दायर कर कहा है कि हाईकोर्ट की एकल पीठ ने अपने मूल आदेश में संशोधन किया है। यह संशोधन तब हुआ है, जब हाईकोर्ट में अपील पर सुनवाई लंबित है। एकल पीठ की ओर से अपने आदेश में संशोधन करते हुए फैक्ट फाइंडिंग कमीशन का नया चेयरमैन जस्टिस गौतम कुमार चौधरी को बनाया गया है। अब फैक्ट फाइंडिंग कमीशन ने मामले की सुनवाई शुरू कर दी है। हाईकोर्ट के ग्रीष्मावकाश में भी फैक्ट फाइंडिंग कमिशन ने सुनवाई की।

शेष पेज 11 पर...

आज कल

समीक्षा

मेराल थाने का डीआईजी ने किया निरीक्षण, दिए कई निर्देश

लंबित मामलों को तय समय में निपटाएं : डीआईजी

- फरियादियों की शिकायतों के त्वरित निस्तारण के दिए सख्त निर्देश

नवीन मेल संवाददाता

गढ़वा। पलामू प्रक्षेत्र के पुलिस उप-महानिरीक्षक (डीआईजी) किशोर कौशल ने मंगलवार को गढ़वा जिले के मेराल थाना का औचक निरीक्षण कर थाना की कार्यप्रणाली, विधि-व्यवस्था, अपराध नियंत्रण और अनुसंधान की प्रगति की गहन समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान उन्होंने थाना के विभिन्न अभिलेखों, लंबित कांडों, वारंट एवं कुर्की-जब्ती की कार्रवाई, मालखाना, थाना परिसर की साफ-सफाई तथा रिकॉर्ड संधारण का बारीकी से अवलोकन किया। समीक्षा के दौरान डीआईजी ने लंबित मामलों के शीघ्र निष्पादन पर विशेष जोर देते हुए पुलिस पदाधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया कि अनुसंधान में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि प्रत्येक कांड का निष्पक्ष, गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध अनुसंधान सुनिश्चित किया जाए, ताकि पीड़ितों को समय पर न्याय मिल सके। उन्होंने थाना आने वाले प्रत्येक फरियादी की शिकायत को गंभीरता से सुनने तथा उसका निष्पक्ष और त्वरित निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। डीआईजी ने कहा कि पुलिस की पहचान उसके व्यवहार और कार्यशैली से होती है। आम नागरिकों के साथ संवेदनशील, शालीन और सम्मानजनक व्यवहार पुलिस की प्राथमिक जिम्मेदारी है। निरीक्षण के दौरान डीआईजी ने अपराध नियंत्रण के लिए नियमित गश्ती बढ़ाने, वारंटियों की गिरफ्तारी में तेजी लाने तथा कुर्की-जब्ती की कार्रवाई को प्रभावी ढंग से संचालित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कानून-व्यवस्था बनाए रखने में किसी प्रकार की शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी और प्रत्येक पुलिस अधिकारी अपनी जिम्मेदारी पूरी ईमानदारी और जवाबदेही के साथ निभाए।थाना परिसर की साफ-सफाई, अभिलेखों के रखरखाव और कार्यालयीन व्यवस्था का जायजा लेते हुए उन्होंने आवश्यक सुधारात्मक निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि पुलिस व्यवस्था पारदर्शी, जवाबदेह और जनोन्मुखी होनी चाहिए, जिससे आम लोगों का पुलिस पर विश्वास और मजबूत हो।निरीक्षण के दौरान गढ़वा के एसडीपीओ दिलु लोहरा, पुलिस निरीक्षक संतोष कुमार, मेराल थाना प्रभारी विष्णुकांत कुमार सहित अन्य पुलिस पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

झारखंड में चार जुलाई तक तेज बारिश और आंधी की चेतावनी

रांची। राज्य में मानसून एक बार फिर सक्रिय हो गया है। इसे देखते हुए रांची स्थित भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने राज्य के अधिकांश हिस्सों में 01 जुलाई से 04 जुलाई तक तेज बारिश, तेज हवाओं और वज्रपात की आशंका जताई है। मौसम विभाग ने इस अवधि के लिए 'ऑरेंज अलर्ट' जारी करते हुए लोगों से सतर्क रहने और खराब मौसम के दौरान अनावश्यक रूप से घरों से बाहर नहीं निकलने की सलाह दी है। मौसम विभाग के अनुसार, राज्य के विभिन्न जिलों में इस दौरान 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं। इसके साथ ही कई इलाकों में गरज के साथ बारिश होने और आकाशीय बिजली गिरने की भी संभावना है।

शेष पेज 11 पर...

केल्हार जंगल से अज्ञात युवती का अधजला शव बरामद

● घटनास्थल से शराब की बोतल समेत कई सामान मिले

नवीन मेल संवाददाता

चैनपुर। थाना क्षेत्र के करसो पंचायत अंतर्गत केल्हार जंगल से मंगलवार सुबह एक अज्ञात युवती का अधजला शव बरामद होने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। सूचना मिलने पर चैनपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। ग्रामीणों के अनुसार मृतका की उम्र करीब 22 वर्ष प्रतीत हो रही है, लेकिन उसकी पहचान अब तक नहीं हो सकी है। प्रथम दृष्टया घटना सोमवार देर रात की मानी जा रही है। घटनास्थल से महुआ शराब की बोतल, चना तथा रॉकेट भी बरामद हुए हैं, जिससे पुलिस विभिन्न पहलुओं पर जांच कर रही है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। अधिकारियों का कहना है कि मृतका की पहचान और पोस्टमार्टम रिपोर्ट मिलने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा। फिलहाल पुलिस हत्या सहित सभी संभावित पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच में जुटी हुई है।

पुलिस के हत्थे चढ़ा अवैध हथियार के साथ युवक देशी कट्टा व जिंदा कारतूस बरामद

आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर भेजा गया न्यायिक हिरासत में

नवीन मेल संवाददाता

पांकी। पलामू जिले की पांकी थाना पुलिस ने अवैध हथियारों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत एक युवक को देशी कट्टा और एक जिंदा कारतूस के साथ गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी के विरुद्ध पांकी थाना कांड संख्या 107/2026 के तहत आर्म्स एक्ट की धारा 25(1-बी)(ए)/26 में प्राथमिकी दर्ज कर उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। पुलिस के अनुसार, 30 जून को वरीय पुलिस पदाधिकारी को क्षेत्र में अवैध हथियार होने की गुप्त सूचना मिली थी। सूचना के आधार पर गश्ती दल के पदाधिकारी सहायक अवर निरीक्षक श्याम लाल यादव के लिखित आवेदन पर मामला दर्ज किया गया। इसके बाद पुलिस अधीक्षक के निर्देश तथा लेस्लीगंज के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के नेतृत्व में विशेष छापेमारी दल का गठन किया गया। छापेमारी दल में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी प्रशांत कुमार-2, थाना प्रभारी दीपक कुमार सिंह, पुलिस अवर निरीक्षक रविंद्र राहुल साय, सहायक अवर निरीक्षक श्याम लाल यादव, सुरेंद्र राम तथा पांकी थाना के सशस्त्र बल के जवान शामिल थे।

पुलिस ने घेराबंदी कर आरोपी को किया गिरफ्तार

पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए घेराबंदी कर आरोपी रंजीत कुमार रवि (21 वर्ष), पिता रविंद्र राम, निवासी ग्राम भरी, थाना पांकी को गिरफ्तार कर लिया। तलाशी के दौरान उसके पास से एक देशी कट्टा और एक जिंदा कारतूस बरामद किया गया।

नया ट्रांसफार्मर लगने से 25 परिवारों के घर लौटी बिजली

हैदरनगर। प्रखंड के मोकहर कला पंचायत स्थित राजकीय उर्दू विद्यालय के समीप मंगलवार को 25 केवीए क्षमता का नया ट्रांसफार्मर स्थापित कर बिजली आपूर्ति बहाल कर दी गई। करीब पंद्रह दिन पहले ट्रांसफार्मर जल जाने से 25 परिवार अंधेरे में रहने को मजबूर थे। मुखिया नाजमा खातून ने बताया कि उनकी अनुशंसा पर विद्युत विभाग ने भीषण गर्मी को देखते हुए त्वरित कार्रवाई करते हुए नया ट्रांसफार्मर उपलब्ध कराया। उन्होंने जनहित में शीघ्र कार्रवाई के लिए विभागीय अधिकारियों का आभार जताया। बिजली बहाल होने से ग्रामीणों में खुशी का माहौल है। ट्रांसफार्मर स्थापना के दौरान साबित अली, सूरज कुमार, जावेद खान, परवेज आलम, मुशाहिद खान, रऊफ खान, इस्माइल अंसारी, शहनवाज खान, अजहर खान, आसिफ अंसारी, अल्तमस खान, आदिल अंसारी, गुलाम मुर्तजा, अरबाज खान सहित कई ग्रामीणों ने सहयोग किया।

पोलियो अभियान में जलसहियाओं ने निभाई अहम भूमिका

स्वास्थ्य विभाग की टीम के साथ घर-घर पहुंचकर बच्चों को पिलाई पोलियो की खुराक

नवीन मेल संवाददाता

मोहम्मदगंज। राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान के तहत रविवार से मंगलवार तक चले विशेष अभियान में जलसहियाओं ने भी स्वास्थ्य विभाग की टीम के साथ मिलकर महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। शून्य से पांच वर्ष तक के बच्चों को पोलियोरोधी दवा पिलाने के लिए बूथों के साथ-साथ घर-घर जाकर अभियान चलाया गया। ब्लॉक वाश कोऑर्डिनेटर प्रेमतोष पांडेय ने बताया कि कोल्हुआ और रसूलपुर पंचायत की जलसहिया कांति देवी एवं जुबैदा खातून ने स्वास्थ्य सहिया, आंगनबाड़ी सेविका और एएनएम के साथ मिलकर अभियान को सफल बनाने में सक्रिय योगदान दिया। दोनों जलसहियाओं ने बूथों के अलावा डोर-टू-डोर भ्रमण कर बच्चों को पोलियो की दो बूंद दवा पिलाने में सहयोग किया। उन्होंने कहा कि जलसहियाएं पेयजल एवं स्वच्छता कार्यक्रमों के साथ-साथ स्वास्थ्य संबंधी जनजागरूकता अभियानों में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। उनका यह सहयोग समाज के प्रति उनकी जिम्मेदारी और सेवा भावना का परिचायक है।

शहीद-ए-कर्बला की याद में आयोजित हुआ जलसा

हैदरनगर। मस्जिद मुहल्ला हैदरनगर में मंगलवार को शहीद-ए-कर्बला के तीजा फातेहा के अवसर पर धार्मिक जलसा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता इमामिया कमेटी के सदर मोहम्मद राजा कादरी ने की। जलसे की शुरुआत हाफिज मोहिउद्दीन ने कुरान-ए-पाक की तिलावत से की। अपने संबोधन में मौलाना एख्लाक साहब ने कहा कि कर्बला की जंग सत्य और असत्य के बीच संघर्ष का प्रतीक है। हजरत इमाम हुसैन और उनके साथियों ने हक की राह पर चलते हुए अपनी जान कुर्बान कर इंसानियत को अमर संदेश दिया। उन्होंने कहा कि समाज में बढ़ती बुराइयां इस बात का संकेत हैं कि लोग सही रास्ते से भटक रहे हैं। कुरान की पहली शिक्षा 'पढ़ो' है, इसलिए शिक्षा हासिल करना हर मुसलमान की जिम्मेदारी है।

विशेष गहन मतदाता पुनरीक्षण में शुद्ध एवं त्रुटिरहित मतदाता सूची पर जोर

नवीन मेल संवाददाता

हैदरनगर। प्रखंड क्षेत्र के गोल्हना स्थित प्राथमिक विद्यालय परिसर में मंगलवार को मतदान केंद्र संख्या-051 पर विशेष गहन मतदाता पुनरीक्षण अभियान के तहत पहली बैठक आयोजित की गई। बैठक में मतदाता सूची को शुद्ध, अद्यतन एवं त्रुटिरहित बनाने को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में उपस्थित बीएलओ, बीएलए, जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों से अपील की गई कि जिन मतदाताओं का नाम एक से अधिक स्थानों पर दर्ज है, जिनका स्थायी निवास बदल चुका है अथवा जिन मतदाताओं का निधन हो चुका है, उनकी सही जानकारी उपलब्ध कराएं, ताकि निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार सत्यापन कर मतदाता सूची को अद्यतन किया जा सके। इस दौरान नए पात्र मतदाताओं के नाम जोड़ने, त्रुटियों के सुधार तथा आवश्यक दस्तावेजों की जानकारी भी दी गई। सभी लोगों से निर्वाचन आयोग के विशेष पुनरीक्षण अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील की गई। बैठक में बीएलओ मरीचिका कुमारी, बीएलए उपेंद्र राम, प्रधानाध्यापक राकेश कुमार सिंह, भाजपा मंडल मंत्री राहुल सिंह, वार्ड सदस्य बच्चन सिंह, संजय कुमार सिंह, बिरेंद्र कुमार सिंह सहित कई ग्रामीण उपस्थित थे। निर्णय लिया गया कि अगली बैठक 4 जुलाई को आयोजित की जाएगी।

दृष्टिपात

अनियमित बारिश और बढ़ती लागत से किसानों की बढ़ी चिंता

हैदरनगर। खरीफ मौसम की शुरुआत के साथ ही क्षेत्र के किसान अनियमित बारिश, सिंचाई संकट और बढ़ती कृषि लागत से परेशान हैं। पर्याप्त वर्षा नहीं होने के कारण धान की रोपाई प्रभावित हो रही है, जबकि निजी साधनों से सिंचाई करने वाले किसानों की लागत लगातार बढ़ती जा रही है। किसान सह भाजपा नेता रविन्द्र कुमार सिंह, पूर्व उप प्रमुख यमुना सिंह, अनूप कुमार सिंह, विनय कुमार सिंह एवं प्रभात कुमार ने बताया कि खाद, बीज और उर्वरकों की समय पर उपलब्धता नहीं होने से खेती प्रभावित हो रही है। कई किसानों को बाजार से अधिक कीमत पर कृषि सामग्री खरीदनी पड़ रही है, जिससे आर्थिक बोझ बढ़ गया है।किसानों ने सरकार और कृषि विभाग से पर्याप्त मात्रा में प्रमाणित बीज एवं उर्वरक उपलब्ध कराने, सिंचाई सुविधाओं का विस्तार, कृषि फीडर के माध्यम से निर्बाध बिजली आपूर्ति तथा फसल बीमा सहित सरकारी योजनाओं का समय पर लाभ दिलाने की मांग की है। कृषि विशेषज्ञों का भी मानना है कि यदि मौसम की अनिश्चितता और संसाधनों की कमी का शीघ्र समाधान नहीं हुआ तो इसका असर इस वर्ष के कृषि उत्पादन पर पड़ सकता है।

वार्ड 15 के लोगों ने खुद की नाली साफ कर पेश की जनसहभागिता की मिसाल

हुसैनाबाद। नगर पंचायत के वार्ड संख्या-15 स्थित मोहम्मदाबाद कब्रिस्तान रोड की गली में मंगलवार को स्थानीय नागरिकों ने स्वप्रेरणा से नाली की सफाई कर जनसहभागिता का प्रेरणादायक उदाहरण प्रस्तुत किया। बिना किसी सरकारी सहायता का इंतजार किए लोगों ने सामूहिक श्रमदान कर स्वच्छता के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाई। नगर पंचायत अध्यक्ष अजय कुमार भारती ने नागरिकों की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि स्वच्छ, सुंदर और स्वस्थ नगर का निर्माण केवल नगर पंचायत की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का साझा दायित्व है। उन्होंने लोगों से अपने-अपने वार्ड एवं मोहल्ले को स्वच्छ रखने, कचरा निर्धारित स्थान पर डालने तथा सामूहिक स्वच्छता अभियानों में सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील की। उन्होंने कहा कि जनसहयोग से ही हुसैनाबाद को आदर्श एवं स्वच्छ नगर बनाया जा सकता है।

उपभोक्ताओं को आज से उपलब्ध कराए जाएंगे एलपीजी सिलेंडर

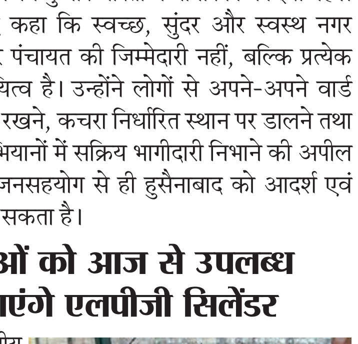

मोहम्मदगंज। स्थानीय चौहान इंडेन गैस एजेंसी की ओर से बुधवार सुबह 10 बजे से उपभोक्ताओं के बीच भरे हुए एलपीजी सिलेंडरों का वितरण शुरू किया जाएगा। एजेंसी प्रबंधन ने बताया कि प्लांट से सिलेंडरों की नई खेप लेकर ट्रक मंगलवार को रवाना हो चुका है। ट्रक के गोदाम पहुंचते ही उपभोक्ताओं को सिलेंडर उपलब्ध कराए जाएंगे, जिससे गैस आपूर्ति में निरंतरता बनी रहेगी और उपभोक्ताओं को किसी प्रकार की असुविधा का सामना नहीं करना पड़ेगा। एजेंसी के प्रबंधक अक्षय सिंह ने बताया कि उपभोक्ताओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए सिलेंडरों की उपलब्धता की सूचना नियमित रूप से सोशल मीडिया के माध्यम से साझा की जाती है। इससे उपभोक्ताओं को गैस की उपलब्धता की सही जानकारी समय पर मिल जाती है और अनावश्यक परेशानी से राहत मिलती है। उन्होंने बताया कि एजेंसी काउंटर से वितरण के साथ-साथ होम डिलीवरी की सुविधा भी नियमित रूप से उपलब्ध कराई जा रही है। प्रत्येक ट्रक में 342 भरे हुए सिलेंडरों की खेप आती है और गोदाम पहुंचते ही उसका वितरण शुरू कर दिया जाता है। कुछ ही दिनों में पूरी खेप उपभोक्ताओं तक पहुंचा दी जाती है, जिससे सिलेंडर उठाव को लेकर शिकायतें नहीं के बराबर रहती हैं। प्रबंधक ने बताया कि उपभोक्ता निर्धारित 45 दिनों की अवधि पूरी होने पर अपने पंजीकृत मोबाइल नंबर से 8454955555 पर कॉल कर गैस बुकिंग करा सकते हैं। कार्यालय अवधि में अवकाश के दिनों को छोड़कर नियमित रूप से ई-केवाईसी की सुविधा भी उपलब्ध कराई जा रही है। उन्होंने कहा कि एजेंसी ग्राहकों को समयबद्ध, पारदर्शी और बेहतर सेवा उपलब्ध कराने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है।

मेघ गर्जन के साथ हुई बारिश से गर्मी से राहत, वज्रपात से भैंस की मौत

नवीन मेल संवाददाता

मोहम्मदगंज। प्रखंड क्षेत्र में मंगलवार की दोपहर बाद मेघ गर्जन और आकाशीय बिजली की चमक के बीच हुई रिमझिम बारिश से लोगों को भीषण गर्मी से राहत मिली। हालांकि लटपौरी गांव में वज्रपात की चपेट में आने से एक भैंस की मौत हो गई, जिससे पशुपालक को आर्थिक क्षति उठानी पड़ी। जानकारी के अनुसार लटपौरी निवासी राजेंद्र राम की भैंस घर के समीप खूंटे से बंधी थी। इसी दौरान तेज गर्जना के साथ वज्रपात हुआ, जिसकी चपेट में आने से भैंस की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलने पर मुखिया उमेश राम पीड़ित परिवार से मिलने पहुंचे और संवेदना व्यक्त की। मुखिया ने बताया कि वर्तमान नियमों के तहत केवल टैग लगे एवं बीमित मवेशियों की मौत पर ही मुआवजा मिलने का प्रावधान है। ऐसे में प्रभावित परिवार को सरकारी सहायता मिलना मुश्किल है। उन्होंने प्रशासन से गांवों में विशेष शिविर लगाकर मवेशियों का बीमा कराने की मांग की, ताकि भविष्य में प्राकृतिक आपदाओं से होने वाले नुकसान की भरपाई हो सके।

'नन्हा सा दिल' अभियान शुरू, पहले दिन 252 बच्चों की हुई हृदय जांच

● जन्मजात हृदय रोग की समय पर पहचान और नि:शुल्क उपचार पर विशेष जोर

नवीन मेल संवाददाता

हुसैनाबाद। जन्मजात हृदय रोग से पीड़ित बच्चों की समय पर पहचान और निःशुल्क उपचार सुनिश्चित करने के उद्देश्य से राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत 'नन्हा सा दिल' अभियान की शुरुआत मंगलवार को हुसैनाबाद अनुमंडल अस्पताल से की गई। अभियान का शुभारंभ मुख्य चिकित्सक सह प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. एस.के. रवि ने किया। यह अभियान जिला प्रशासन, स्वास्थ्य विभाग, आईसीडीएस, शिक्षा विभाग एवं सीसीएल (सीएसआर) के संयुक्त सहयोग से संचालित किया जा रहा है। उद्घाटन अवसर पर अंचल अधिकारी पंकज कुमार, बीपीएम विभूति कुमार गुप्ता, आरबीएसके के चिकित्सक डॉ. पी.एन. सिंह, बीआरसी के अभय सिंह तथा श्री सत्य साई संजीवनी अस्पताल की विशेषज्ञ चिकित्सकीय टीम उपस्थित रही। पहले दिन कन्या मध्य विद्यालय हुसैनाबाद, देवरी कला और नहर कॉलोनी में आयोजित विशेष स्क्रीनिंग शिविर में 252 बच्चों की निःशुल्क हृदय जांच की गई। जांच के दौरान संदिग्ध पाए गए बच्चों को इकोकार्डियोग्राफी के लिए चिन्हित कर आगे की जांच हेतु स्वास्थ्य केंद्रों में भेजा गया। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार यह अभियान 25 जून से 9 जुलाई तक हुसैनाबाद, हैदरनगर और मोहम्मदगंज प्रखंडों में संचालित होगा। विभाग ने अभिभावकों से अधिक से अधिक बच्चों की जांच कराने की अपील की है।

ग्रामीणों की सतर्कता से बची हिरण की जान, वन विभाग को सौंपा गया

नवीन मेल संवाददाता

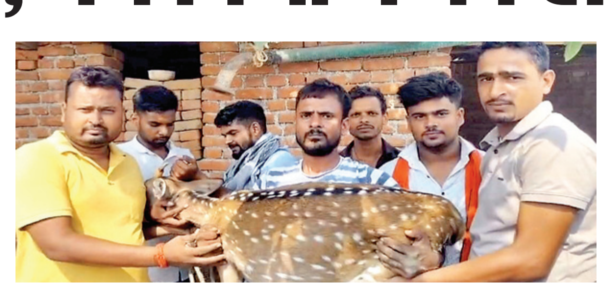

हुसैनाबाद। प्रखंड के उर्दवार मंजूराहा पंचायत अंतर्गत सरहु गांव में मंगलवार को ग्रामीणों की सतर्कता से एक हिरण की जान बच गई। जंगल से भटककर गांव पहुंचे हिरण पर आवारा कुत्तों ने हमला कर दिया था, लेकिन ग्रामीणों ने समय रहते उसे बचा लिया। ग्रामीणों ने हिरण को सुरक्षित स्थान पर ले जाकर पानी पिलाया तथा इसकी सूचना मुखिया पूनम देवी को दी। मुखिया प्रतिनिधि सनोज राजवंशी उर्फ छोटू ने लठेया प्रभारी फॉरेस्टर पंकज कुमार को घटना की जानकारी दी। सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम गांव पहुंची और हिरण को अपने संरक्षण में ले लिया। फॉरेस्टर पंकज कुमार ने बताया कि हिरण का स्वास्थ्य परीक्षण कराया जा रहा है। पूरी तरह स्वस्थ होने के बाद उसे सुरक्षित वन क्षेत्र में छोड़ दिया जाएगा। हिरण को बचाने में संतोष सिंह, देवेंद्र सिंह, कुंदन सिंह, सुदेश पासवान, विशाल सिंह, अजित रजवार, मनोज सिंह, पप्पू कुमार सहित कई ग्रामीणों की सराहनीय भूमिका रही।

आधे घंटे की बारिश से गर्मी से राहत अब भी झमाझम वर्षा का इंतजार

नवीन मेल संवाददाता

मोहम्मदगंज। प्रखंड क्षेत्र में मंगलवार को करीब आधे घंटे तक हुई रिमझिम बारिश से लोगों को भीषण गर्मी से राहत मिली। हालांकि किसानों का कहना है कि यह वर्षा खेती के लिए पर्याप्त नहीं है। बारिश रुकने के कुछ ही देर बाद पानी सूख गया और खेतों में नमी भी अधिक देर तक नहीं टिक सकी। किसानों ने बताया कि धान की रोपाई सहित खरीफ फसलों की खेती के लिए लगातार और अच्छी वर्षा की आवश्यकता है। हल्की बारिश से केवल मौसम सुहाना हुआ है, जबकि खेती को अपेक्षित लाभ नहीं मिल पाया। बारिश के कारण नदी, नालों और गड्ढों में लंबे समय बाद पानी का जमाव देखने को मिला। पशुपालकों का कहना है कि इससे सूखी घास और चारे को कुछ राहत मिलेगी। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार आने वाले दिनों में हल्की से मध्यम बारिश की संभावना बनी हुई है, जबकि शुक्रवार को अपेक्षाकृत अधिक वर्षा होने के संकेत हैं।

भीषण गर्मी पर भारी पड़ी आस्था, ज्येष्ठ पूर्णिमा पर मंदिरों में उमड़ा जनसैलाब

पूजा-अर्चना और दान-पुण्य के साथ श्रद्धालुओं ने मांगी सुख-समृद्धि की कामना

नवीन मेल संवाददाता

हैदरनगर। ज्येष्ठ पूर्णिमा के पावन अवसर पर सोमवार को हैदरनगर क्षेत्र के प्रसिद्ध सिद्धपीठ देवी मंदिर समेत विभिन्न देवालयों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। भीषण गर्मी के बावजूद सुबह से देर शाम तक श्रद्धालु पूजा-अर्चना, स्नान, व्रत और दान-पुण्य में जुटे रहे। पूरे क्षेत्र में भक्ति, श्रद्धा और आध्यात्मिक उल्लास का वातावरण बना रहा। श्रद्धालुओं ने सोन और कोयल नदी सहित विभिन्न जलाशयों में स्नान कर मां भगवती, भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की आराधना की तथा परिवार की सुख-समृद्धि, आरोग्य और मंगलमय जीवन की कामना की। इस अवसर पर अन्न, वस्त्र और धन का दान भी किया गया। मीरा देवी, अनीता देवी, गायत्री देवी, अनूप कुमार सिंह, विनय कुमार सिंह और राकेश कुमार सहित कई श्रद्धालुओं ने बताया कि ज्येष्ठ पूर्णिमा पर स्नान, पूजा और दान करने से पुण्य की प्राप्ति होती है तथा जीवन में सुख-शांति और समृद्धि का वास होता है। सामूहिक रूप से भगवान सत्यनारायण की कथा का वाचन कर रहे पंडित सत्येंद्र कुमार दुबे ने कहा कि सत्यनारायण व्रत सत्य, सेवा और धर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। वहीं मां भगवती मंदिर के पुजारी पंडित गौतम गोस्वामी ने बताया कि शास्त्रों के अनुसार ज्येष्ठ पूर्णिमा के दिन पवित्र नदियों में स्नान, भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की पूजा तथा दान-पुण्य करने से विशेष पुण्यफल की प्राप्ति होती है। मंदिरों में दिनभर भजन-कीर्तन, पूजा-अर्चना और धार्मिक अनुष्ठानों का सिलसिला चलता रहा। श्रद्धालुओं की आस्था और उत्साह के आगे भीषण गर्मी भी फीकी पड़ गई और पूरा क्षेत्र भक्तिमय वातावरण में सराबोर रहा।

बराही धाम में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़, भक्ति और आस्था का दिखा अद्भुत संगम

हुसैनाबाद। प्रसिद्ध बराही धाम में मंगलवार को आस्था और भक्ति का अद्भुत संगम देखने को मिला। सुबह से ही मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की लंबी कतार लगी रही। भक्तों ने विशाल दक्षिणमुखी हनुमान, मां जगदंबा और भगवान भोलेनाथ की पूजा-अर्चना कर परिवार की सुख-समृद्धि एवं मंगलमय जीवन की कामना की। पूरे दिन मंदिर परिसर में भजन-कीर्तन, विशेष पूजा, महाआरती और धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन हुआ। पूजा के बाद श्रद्धालुओं के बीच महाभंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें झारखंड के अलावा बिहार और उत्तर प्रदेश से पहुंचे श्रद्धालुओं ने भी महाप्रसाद ग्रहण किया। मंदिर प्रबंधन ने बताया कि प्रत्येक मंगलवार को यहां महाभंडारे का आयोजन होता है। बराही धाम को अंतरराष्ट्रीय स्तर के धार्मिक पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित करने की योजना पर भी कार्य चल रहा है। परिसर में 551 फीट ऊंचे मां दुर्गा मंदिर तथा 151 फीट ऊंचे नवग्रह मंदिर का निर्माण प्रस्तावित है। भूमि पूजन की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है और निर्माण कार्य पूरा होने के बाद यह स्थल देश के प्रमुख धार्मिक केंद्रों में शामिल होगा।

डालटनगंज समेत आसपास के क्षेत्रों में ब्लैकआउट, तकनीकी खराबी से बिजली आपूर्ति बाधित

मेदिनीनगर। डालटनगंज समेत आसपास के कई क्षेत्रों में मंगलवार को अचानक बिजली आपूर्ति बाधित होने से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। जानकारी के अनुसार 33 केवीए लाइन का गिरा हुआ तार मरम्मत कर ठीक कर दिया गया है, लेकिन इसके बाद पावर सब स्टेशन में वीटी (वोल्टेज ट्रांसफॉर्मर) और लाइटनिंग अरेस्टर जल जाने के कारण बिजली आपूर्ति प्रभावित हो गई। तकनीकी खराबी के चलते डालटनगंज एवं आसपास के इलाकों में ब्लैकआउट की स्थिति बन गई। विद्युत विभाग के अभियंता और कर्मी खराबी दूर करने में जुटे हुए हैं। विभाग का कहना है कि आवश्यक मरम्मत कार्य पूरा होते ही चरणबद्ध तरीके से बिजली आपूर्ति बहाल कर दी जाएगी। बिजली बाधित रहने से घरेलू उपभोक्ताओं के साथ-साथ व्यवसायिक प्रतिष्ठानों को भी परेशानी का सामना करना पड़ा। विभाग ने उपभोक्ताओं से सहयोग की अपील करते हुए कहा है कि तकनीकी समस्या का शीघ्र समाधान कर आपूर्ति सामान्य कर दी जाएगी।

गहन विशेष पुनरीक्षण अभियान शुरू

डीसी ने मतदान केंद्रों का किया निरीक्षण

- **घर-घर पहुंचेंगे बीएलओ, 29 जुलाई तक चलेगा एन्यूमरेशन फॉर्म वितरण एवं संग्रह अभियान**

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार पलामू जिले में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर-2026) अभियान के तहत मंगलवार से एन्यूमरेशन चरण की शुरुआत हो गई। इसके तहत 30 जून से 29 जुलाई तक बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) घर-घर जाकर मतदाताओं के बीच एन्यूमरेशन फॉर्म का वितरण और संग्रहण करेंगे।

अभियान के पहले दिन जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त दिलीप प्रताप सिंह शेखावत ने पलामू क्लब, मदरसा अलहेदाया कुंड मोहल्ला तथा मेदिनीनगर नगर निगम के पुराने भवन स्थित विभिन्न मतदान केंद्रों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने चुनाव पाठशालाओं में शामिल होकर मतदाताओं, बीएलओ, बीएलए-2 और अन्य संबंधित कर्मियों से संवाद भी किया। चुनाव पाठशालाओं में मतदाता सूची के विशेष पुनरीक्षण, नए मतदाताओं के पंजीकरण, नाम संशोधन एवं मतदाता सूची को अद्यतन करने की प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही अभियान को सफल बनाने के लिए जनप्रतिनिधियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और आम नागरिकों से सक्रिय सहयोग की अपील की गई। उपायुक्त ने कहा कि निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार संपूर्ण प्रक्रिया पूरी पारदर्शिता एवं निष्पक्षता के साथ संचालित की जा रही है। उन्होंने जिलेवासियों से अपील की कि वे बीएलओ को आवश्यक सहयोग दें तथा एन्यूमरेशन फॉर्म सही तरीके से भरकर निर्धारित समय के भीतर जमा करें, ताकि मतदाता सूची को त्रुटिरहित, अद्यतन और अधिक सटीक बनाया जा सके। निरीक्षण के दौरान उप निर्वाचन पदाधिकारी सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

दृष्टिपात

पिछले 24 घंटे में 68.8 मिमी बारिश दर्ज तापमान में गिरावट से मौसम सुहाना

मेदिनीनगर। जिले में पिछले 24 घंटे के दौरान 68.8 मिमी वर्षा दर्ज की गई, जिससे मौसम सुहावना हो गया और लोगों को उमस व गर्मी से राहत मिली। मौसम विभाग के अनुसार अधिकतम तापमान 36.6 डिग्री सेल्सियस तथा न्यूनतम तापमान 24.4 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। सुबह के समय सापेक्षिक आर्द्रता 78 प्रतिशत जबकि शाम को बढ़कर 98 प्रतिशत दर्ज की गई। लगातार बारिश और वातावरण में नमी बढ़ने से मौसम पूरी तरह बदल गया है। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार आने वाले दिनों में भी बादल छाए रहने तथा रुक-रुक कर बारिश होने की संभावना बनी हुई है।

70वीं बीपीएससी में सफलता पर सरस्वती शिशु विद्या मंदिर के पूर्व छात्र अश्विनी भारती सम्मानित

मेदिनीनगर। सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, मेदिनीनगर में मंगलवार को विद्यालय के पूर्व छात्र अश्विनी भारती (2015 बैच) के 70वीं बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) परीक्षा में सफलता प्राप्त करने पर सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। विद्यालय परिवार ने उन्हें शाल, श्रीफल, पुष्पमाला एवं प्रशस्ति पत्र भेंटकर सम्मानित किया और उनकी उपलब्धि पर गर्व व्यक्त किया। कार्यक्रम में विद्यालय के सचिव राजीव रंजन सिंह, प्राचार्य चितरंजन कुमार सिंह, शिक्षक, अभिभावक एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे। सभी ने अश्विनी भारती की सफलता को विद्यालय के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि बताया। समारोह की अध्यक्षता करते हुए प्राचार्य चितरंजन कुमार सिंह ने कहा कि अश्विनी भारती की सफलता यह सिद्ध करती है कि बचपन से मिले संस्कार, अनुशासन, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और सतत परिश्रम किसी भी लक्ष्य को हासिल करने की मजबूत नींव बनते हैं। उन्होंने कहा कि विद्यालय को विश्वास है कि अश्विनी भविष्य में संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) जैसी प्रतिष्ठित परीक्षा में भी सफलता प्राप्त कर क्षेत्र और विद्यालय का नाम और ऊंचा करेंगे। सम्मान ग्रहण करने के बाद अश्विनी भारती ने अपनी सफलता का श्रेय माता-पिता, गुरुजनों और विद्यालय से मिले संस्कारों को दिया। उन्होंने विद्यार्थियों से नियमित अध्ययन, समय का सदुपयोग, अनुशासन, सकारात्मक सोच और निरंतर मेहनत को सफलता का मूल मंत्र बताते हुए लक्ष्य के प्रति समर्पित रहने की अपील की। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि सरस्वती शिशु विद्या मंदिर वर्षों से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ-साथ नैतिक मूल्यों, सांस्कृतिक परंपराओं और राष्ट्रभक्ति की भावना विकसित करने का कार्य कर रहा है। विद्यालय के पूर्व विद्यार्थियों की उपलब्धियां वर्तमान छात्रों के लिए प्रेरणास्त्रोत हैं। कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षकगण, विद्यार्थी, अभिभावक एवं कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। विद्यालय परिवार ने अश्विनी भारती के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उनकी उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त की।

एक भी पात्र मतदाता का नाम सूची से नहीं छूटना चाहिए : विनोद पाण्डेय

मेदिनीनगर। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) की ओर से मंगलवार को शहर के चंद्रा रेजिडेंस में बूथ स्तरीय सम्मेलन सह बीएलए-2 प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पार्टी के महासचिव विनोद पाण्डेय मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने कार्यकर्ताओं से मतदाता सूची पुनरीक्षण अभियान के दौरान पूरी जिम्मेदारी और सक्रियता के साथ कार्य करने का आह्वान किया। अपने संबोधन में विनोद पाण्डेय ने कहा कि एक भी पात्र मतदाता का नाम मतदाता सूची से नहीं छूटना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक बीएलए-2 सदस्य की जिम्मेदारी है कि अपने-अपने क्षेत्र में घर-घर जाकर मतदाता सूची का सत्यापन करें तथा यह सुनिश्चित करें कि सभी पात्र मतदाताओं का नाम सूची में दर्ज हो। उन्होंने कहा कि किसी भी योग्य मतदाता का नाम कटने न पाए और यदि कोई त्रुटि हो तो उसका समय रहते सुधार कराया जाए। उन्होंने कहा कि झामुमो हमेशा जमीनी स्तर पर जनता के बीच रहकर कार्य करने वाला संगठन रहा है। राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के साथ-साथ लोकतांत्रिक प्रक्रिया को मजबूत करना भी पार्टी की प्राथमिकता है। प्रशिक्षण शिविर में विनोद पाण्डेय ने कार्यकर्ताओं को मतदाता सूची पुनरीक्षण, नए मतदाताओं के नाम जोड़ने, त्रुटियों के संशोधन, आवश्यक प्रपत्रों को भरने तथा संगठनात्मक दायित्वों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुरूप पूरी पारदर्शिता और जिम्मेदारी के साथ कार्य करें। कार्यक्रम में बूथ संगठन को और अधिक सशक्त बनाने पर विशेष बल दिया गया। वक्ताओं ने कहा कि मजबूत बूथ संगठन ही किसी भी राजनीतिक दल की सबसे बड़ी ताकत होता है। कार्यकर्ताओं से नियमित रूप से बूथ क्षेत्र का भ्रमण करने, मतदाताओं से सतत संपर्क बनाए रखने तथा पात्र मतदाताओं का घर-घर जाकर सत्यापन करने की अपील की गई।शिविर में संगठनात्मक अनुशासन, समन्वय और टीम भावना के साथ कार्य करने का संदेश भी दिया गया। उपस्थित कार्यकर्ताओं ने संकल्प लिया कि वे मतदाता सूची पुनरीक्षण अभियान के दौरान पूरी निष्ठा से कार्य करेंगे तथा किसी भी पात्र मतदाता का नाम सूची से छूटने नहीं देंगे। कार्यक्रम में जिलाध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद सिन्हा, केंद्रीय समिति सदस्य सह उपाध्यक्ष सन्नू सिद्दीकी, चंदन सिन्हा, सुशीला मिश्रा, सलोनी टोप्पो, हाजी ललन, जुगल चंद्रवंशी, सचिव रंजन चंद्रवंशी सहित बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं बीएलए-2 सदस्य उपस्थित थे।

जलजमाव वाले क्षेत्रों का महापौर ने किया निरीक्षण स्थायी समाधान के लिए जनसहयोग की अपील

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। नगर निगम क्षेत्र में जलजमाव की समस्या के स्थायी समाधान को लेकर महापौर अरुणा शंकर ने मंगलवार को विभिन्न प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अधिकारियों को कई आवश्यक निर्देश देते हुए कहा कि जलनिकासी व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए निगम पूरी तरह तैयार है, लेकिन इसके लिए स्थानीय लोगों का सहयोग भी जरूरी है। महापौर ने कहा कि इस वर्ष मानसून से पहले कराई गई नालों की सफाई का सकारात्मक असर पहली बारिश में देखने को मिला है। पहले की तुलना में जलजमाव की समस्या कम हुई है, फिर भी कुछ इलाकों में जलभराव की स्थिति बनी हुई है, जिसके स्थायी समाधान के लिए नाला निर्माण आवश्यक है। उन्होंने कहा कि जहां नाला निर्माण प्रस्तावित है, वहां मोहल्लावासियों को रास्ता उपलब्ध कराना होगा। यदि लोग सहयोग नहीं करेंगे तो जलभराव की समस्या बनी रहेगी और इससे स्वास्थ्य संबंधी गंभीर समस्याएं उत्पन्न होंगी। उन्होंने नालों पर किए गए अतिक्रमण को स्वयं हटाने की अपील करते हुए स्पष्ट किया कि ऐसा नहीं होने पर निगम प्रशासन कार्रवाई करेगा।

महापौर ने निगम कर्मियों को निर्देश दिया कि जिन क्षेत्रों में नालों की सफाई की जा रही है, वहां नियमित रूप से ब्लीचिंग पाउडर का छिड़काव और फॉगिंग कराई जाए, ताकि मच्छरजनित बीमारियों की रोकथाम हो सके।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि दो दिनों के भीतर संबंधित वार्ड पार्षदों के साथ बैठक कर जलजमाव की समस्या का स्थायी समाधान निकाला जाए। यदि आपसी सहमति नहीं बनती है तो निगम प्रशासन आवश्यक कार्रवाई करते हुए समस्या का समाधान सुनिश्चित करेगा। निरीक्षण के दौरान वार्ड संख्या 9 के पार्षद सोनू कुमार, रोशन एवं रोशन टाइगर, वार्ड संख्या 27 की पार्षद कमर यासमीन, रवि पासवान, बादल तथा वार्ड संख्या 34 में विजय प्रमुख और चंदू गुप्ता सहित अन्य स्थानीय लोगों ने महापौर को क्षेत्र की समस्याओं से अवगत कराया।

महापौर ने कहा कि निगम और आम जनता के संयुक्त प्रयास से ही शहर को जलजमाव, गंदगी और संक्रामक बीमारियों से मुक्त बनाया जा सकता है।

पोखराहा क्रॉसिंग पर आरओबी निर्माण की मांग तेज, पांकी विधायक ने केंद्रीय मंत्री को भेजा ज्ञापन

- **जानलेवा दुर्घटनाओं पर जताई चिंता, टोल वसूली रोकने व शराब दुकान हटाने की भी उठाई मांग**

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। डाल्टनगंज के पोखराहा स्थित एनएच-75 और डीएलपी पथ के खतरनाक क्रॉसिंग पर लगातार हो रही सड़क दुर्घटनाओं को लेकर मंगलवार को स्थानीय लोगों और भाजपा कार्यकर्ताओं ने धरना-प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पांकी विधायक डॉ. कुशवाहा शशिभूषण मेहता शामिल हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा पलामू जिलाध्यक्ष अमित तिवारी ने की।

धरना के दौरान विधायक डॉ. मेहता ने सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री, भारत सरकार के नाम उपायुक्त के माध्यम से ज्ञापन सौंपते हुए पोखराहा क्रॉसिंग को 'ब्लैक स्पॉट' बताते हुए यहां शीघ्र रेलवे ओवरब्रिज (आरओबी) निर्माण की मांग की। उन्होंने कहा कि इस चौराहे से प्रतिदिन हजारों छोटे-बड़े वाहन, स्कूली बच्चे और आम नागरिक गुजरते हैं। तेज रफ्तार और भारी यातायात के कारण यहां लगातार भीषण सड़क दुर्घटनाएं हो रही हैं, जिनमें कई लोगों की जान जा चुकी है।

ज्ञापन में विधायक ने तीन प्रमुख मांगें रखीं। पहली, पोखराहा स्थित एनएच-75 और डीएलपी पथ के क्रॉसिंग पर जनसुरक्षा को ध्यान में रखते हुए तत्काल आरओबी निर्माण की स्वीकृति देकर कार्य शुरू कराया जाए। दूसरी, जोड़ चौक (एनएच-75 एवं डाल्टनगंज-पाटन मार्ग) पर भी आरओबी निर्माण कराया जाए। तीसरी, जब तक सड़क निर्माण कार्य पूरी तरह पूरा नहीं हो जाता, तब तक जोरकट स्थित टोल प्लाजा पर टोल वसूली पर रोक लगाई जाए।

धरना को संबोधित करते हुए विधायक ने कहा कि क्षेत्र की जनता वर्षों से इस समस्या से जूझ रही है। अब समय आ गया है कि केंद्र सरकार और संबंधित विभाग इस गंभीर जनसमस्या का स्थायी समाधान करें। उन्होंने यह भी कहा कि पोखराहा क्षेत्र में संचालित शराब दुकान को भी वहां से हटाया जाना चाहिए, क्योंकि इससे सड़क सुरक्षा और सामाजिक व्यवस्था पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। कार्यक्रम में भाजपा जिलाध्यक्ष अमित तिवारी ने कहा कि यदि जनहित की इन मांगों पर शीघ्र कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन को और व्यापक किया जाएगा। मौके पर जिला प्रतिनिधि सह मंडल अध्यक्ष प्रकाश मेहता, सांसद प्रतिनिधि ललित मेहता, विधायक के निजी सचिव सरोज चटर्जी, प्रमुख सुनील कुमार पासवान, प्रो. बच्चन ठाकुर, विधायक प्रतिनिधि सुनील कुशवाहा, मनातू मंडल अध्यक्ष अरविंद यादव, सतबरवा विधायक प्रतिनिधि महेश यादव, समाजसेवी कमेश यादव, निर्मल मेहता, सोनू सिकंदर, रामराज सिंह, राजदेव मेहता, अजय पासवान, दिलीप चौधरी, आशीष सिन्हा, चंचल यादव, अनुज चंद्रवंशी, पिंटू यादव, अमारिक भुइयां, रंजय भुइंया, उमेश यादव, प्रसिद्ध सिंह, रामचंद्र भुइयां, धर्मेंद्र मेहता, पचु भुइंया, शंभू मेहता, अनिल मेहता, सतबरवा मंडल अध्यक्ष संदीप कुमार सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता एवं स्थानीय लोग उपस्थित थे।

सिक्का गांव पहुंची भाजपा की टीम, पांच लोगों की मौत की उच्चस्तरीय जांच की मांग

- **घटना बेहद दुखद, पीड़ित परिवार को तत्काल आर्थिक सहायता और दोषियों पर हो कार्रवाई: जिलाध्यक्ष**

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पलामू जिला का एक प्रतिनिधिमंडल मंगलवार को जिलाध्यक्ष अमित तिवारी के नेतृत्व में पड़वा प्रखंड के सिक्का गांव पहुंचा, जहां हाल ही में एक ही परिवार के पांच लोगों की हुई मौत पर शोकाकुल परिजनों से मुलाकात कर संवेदना व्यक्त की। प्रतिनिधिमंडल ने पीड़ित परिवार को सांत्वना देने के साथ आर्थिक सहयोग भी प्रदान किया। इस दौरान अमित तिवारी ने घटना को अत्यंत दुखद, हृदयविदारक और चिंताजनक बताते हुए कहा कि इसने पूरे पलामू जिले को झकझोर कर रख दिया है। उन्होंने कहा कि जिस गांव में यह घटना हुई है, वह जिला मुख्यालय से अधिक दूर नहीं है, इसके बावजूद लगातार मौतें होना गंभीर चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि अब तक मौतों के वास्तविक कारणों को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं हो सकी है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट का भी इंतजार है। भाजपा जिलाध्यक्ष ने आरोप लगाया कि राज्य सरकार और जिला प्रशासन की ओर से पीड़ित परिवार को अपेक्षित सहायता नहीं मिल सकी है। उन्होंने कहा कि यदि परिवार इलाज के लिए अपनी जमीन तक गिरवी रखने को मजबूर हो रहा है तो यह सरकारी स्वास्थ्य व्यवस्था पर गंभीर प्रश्न खड़े करता है। उन्होंने कहा कि भाजपा इस मामले को गंभीरता से उठाएगी और जरूरत पड़ने पर आंदोलन भी करेगी। अमित तिवारी ने राज्य सरकार एवं जिला प्रशासन से पूरे मामले की निष्पक्ष, पारदर्शी और त्वरित जांच कराने की मांग करते हुए कहा कि घटना के वास्तविक कारणों का जल्द खुलासा होना चाहिए। यदि किसी स्तर पर लापरवाही सामने आती है तो दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाए। साथ ही पीड़ित परिवार को तत्काल आर्थिक सहायता, सुरक्षा एवं हरसंभव सरकारी सहयोग उपलब्ध कराया जाए, ताकि इस संकट की घड़ी में उन्हें राहत मिल सके। भाजपा नेता प्रेम सिंह ने कहा कि पलामू में मेडिकल कॉलेज होने के बावजूद लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं नहीं मिल पा रही हैं, जो चिंता का विषय है। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग से मामले की सूक्ष्म एवं निष्पक्ष जांच कराने तथा दोषियों पर आवश्यक कार्रवाई करने की मांग की। प्रतिनिधिमंडल ने दिवंगतों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए शोक संतप्त परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की तथा ईश्वर से दिवंगत आत्माओं की शांति और परिजनों को इस कठिन समय में धैर्य प्रदान करने की प्रार्थना की।

सिदो-कान्हू आदिवासी स्वाभिमान और आजादी के संघर्ष के अमर प्रतीक : बिमला कुमारी

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। हूल दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में कांग्रेस की जिला महिला अध्यक्ष बिमला कुमारी ने संथाल हूल के अमर सेनानियों सिदो-कान्हू, चांद-भैरव तथा फूलो-झानो को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि सिदो-कान्हू की शहादत को देश कभी भुला नहीं सकता। उन्होंने कहा कि वे आदिवासी स्वाभिमान, साहस और अन्याय के खिलाफ संघर्ष के अमर प्रतीक हैं। उनके बलिदान ने स्वतंत्रता आंदोलन को नई दिशा दी और आज भी समाज को अन्याय के विरुद्ध आवाज उठाने की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि हूल दिवस केवल एक स्मृति दिवस नहीं, बल्कि जल, जंगल, जमीन, संस्कृति और आदिवासी अस्मिता की रक्षा का संकल्प लेने का अवसर भी है। आज की पीढ़ी को हूल क्रांति के इतिहास और उसके महानायकों के योगदान से अवगत कराना समय की आवश्यकता है। बिमला कुमारी ने कहा कि 30 जून 1855 को वर्तमान झारखंड के साहिबगंज जिले के भोगनाडीह गांव से सिदो मुर्मू और कान्हू मुर्मू के नेतृत्व में शुरू हुआ संथाल हूल अंग्रेजी शासन, जमींदारों और महाजनों के शोषण के खिलाफ एक ऐतिहासिक जनविद्रोह था। उनके साथ चांद, भैरव तथा वीरांगना फूलो-झानो ने भी संघर्ष में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने कहा कि 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम से दो वर्ष पूर्व ही आदिवासी समाज ने अपने पारंपरिक हथियारों के बल पर अंग्रेजी सत्ता को चुनौती देकर स्वतंत्रता की अलख जगाई थी।

कार्यक्रम में मिथिलेश सिंह, राजेश चौरसिया, सत्येंद्र सिंह, नसीम खान, रामानंद पाठक, नंद गोपाल त्रिपाठी, रिजवान खान, रेखा सिंह, धनंजय पाठक, सुरेंद्र कुमार टिकैत, नंदलाल मेहता, आशीष कुमार गुप्ता, नसीम अंसारी, जनार्दन दुबे, रविंद्र सिंह, सुमन, बली सिंह, अनुज सिन्हा सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

हूल की विरासत हमें अन्याय के खिलाफ एकजुट होकर लड़ने की प्रेरणा देती है : रमा खलखो

- **हूल आंदोलन भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के प्रारंभिक जनविद्रोहों में से एक था: हृदयानंद मिश्र**
- **चियांकी में हूल दिवस पर विराट कार्यक्रम, आदिवासी अस्मिता, महिला सशक्तिकरण और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा का लिया गया संकल्प**

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। सदर प्रखंड के चियांकी स्थित जय सरना समिति के तत्वावधान में हूल दिवस के अवसर पर भव्य एवं विराट कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में झारखंड प्रदेश महिला कांग्रेस की अध्यक्ष रमा खलखो मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं। वहीं जिला महिला कांग्रेस अध्यक्ष विमला कुमारी समेत कई सामाजिक एवं राजनीतिक हस्तियों ने कार्यक्रम को संबोधित किया। इस दौरान हूल आंदोलन के अमर शहीद सिद्धो-कान्हू, चांद-भैरव तथा फूलो-झानो को श्रद्धांजलि अर्पित कर उनके आदर्शों पर चलने का सामूहिक संकल्प लिया गया।

अपने संबोधन में रमा खलखो ने कहा कि हूल दिवस केवल इतिहास का स्मरण नहीं, बल्कि जल, जंगल, जमीन, आदिवासी अस्मिता, स्वाभिमान और सामाजिक न्याय की रक्षा का संकल्प दिवस है। उन्होंने कहा कि सिद्धो-कान्हू, चांद-भैरव तथा फूलो-झानो का संघर्ष आज भी अन्याय और शोषण के विरुद्ध लोकतांत्रिक तरीके से संगठित होकर लड़ने की प्रेरणा देता है। उन्होंने महिला सशक्तिकरण को राष्ट्र निर्माण की आधारशिला बताते हुए महिलाओं की शिक्षा, नेतृत्व क्षमता और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने पर बल दिया। साथ ही एसआईआर सहित समसामयिक विषयों पर अपने विचार रखते हुए संविधान और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए सभी नागरिकों से सजग रहने का आह्वान किया।

जिला महिला कांग्रेस अध्यक्ष विमला कुमारी ने कहा कि हूल आंदोलन केवल आदिवासी समाज का नहीं, बल्कि पूरे देश के स्वाभिमान और अधिकारों की लड़ाई का प्रतीक है। विशिष्ट अतिथि एवं झारखंड सरकार के हिन्दू धार्मिक न्यास बोर्ड के सदस्य हृदयानंद मिश्र ने कहा कि हूल आंदोलन भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के प्रारंभिक जनविद्रोहों में से एक था, जिसने शोषण और अन्याय के विरुद्ध संघर्ष की नई चेतना जगाई। पूर्व पलामू जिला कांग्रेस अध्यक्ष बिट्टू पाठक ने कहा कि हूल दिवस नई पीढ़ी को अपने गौरवशाली इतिहास, संस्कृति और बलिदान से परिचित कराने का महत्वपूर्ण अवसर है। उन्होंने युवाओं से सामाजिक चेतना और जनसेवा के कार्यों में सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील की। झारखंड प्रदेश कांग्रेस शिक्षा विभाग के चेयरमैन श्याम नारायण सिंह ने कहा कि शिक्षा ही समाज में जागरूकता और सशक्तिकरण का सबसे प्रभावी माध्यम है। कार्यक्रम की अध्यक्षता जतरू उरांव ने की। उन्होंने सभी अतिथियों एवं उपस्थित जनसमुदाय का स्वागत करते हुए समाज की एकता और सांस्कृतिक विरासत को मजबूत बनाए रखने का आह्वान किया। आयोजन की सफलता में बिनोद पाठक की महत्वपूर्ण भूमिका रही। उन्होंने सभी आगंतुकों का स्वागत करते हुए सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। मुखिया बिनको उरांव ने कहा कि हूल दिवस समाज को अपने गौरवशाली इतिहास से जोड़ने और सामाजिक एकता को मजबूत करने का सशक्त अवसर है।

कार्यक्रम के अंत में सुमन तिर्की ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। इस अवसर पर शमीम अहमद राईन, राजकुमार सिंह, नवल किशोर पाठक, विद्या सिंह चेरो, राधिका रविदास, ईश्वरी प्रसाद सिंह, शैलेश चंद्रवंशी, सुरेश पाठक, गिरिजा राम, बलराम उरांव, तन्मय राज पाण्डेय, अजय साहू, गणेश रवि, कुश राम सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक, महिलाएं एवं सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।यदि विमला कुमारी के भाषण के वास्तविक मुख्य बिंदु उपलब्ध हों, तो उन्हें जोड़कर समाचार को और अधिक प्रामाणिक एवं प्रभावशाली बनाया जा सकता है।

संवाददाता के रूप में बनाइए शानदार करियर

1994 से डाल्टनगंज और 1999 से रांची से लगातार प्रकाशित दैनिक राष्ट्रीय नवीन मेल को दोनों संस्करणों के लिए मुख्यालय जिला और प्रखंड स्तर पर समाचारों की समझ रखने वाले जुझारू पत्रकारों और ट्रेनी युवा पत्रकारों की आवश्यकता है। पूर्ण विवरण, आधार कार्ड, अनुभव और फोटो के साथ इमेल करें। संपूर्ण पत्राचार पूर्णत: गोपनीय रहेगा। समय पर उचित सम्मानजनक पारिश्रमिक और विज्ञापनों के लिए प्रोत्साहन राशि दी जाएगी।

प्रधान संपादक
hr.rnmail@gmail.com

उपायुक्त ने प्रेस वार्ता में की मतदाताओं से सहयोग की अपील, कहा-

फॉर्म मिलते ही भरकर बीएलओ को लौटाएं

● 30 जून से 29 जुलाई तक घर-घर जाएंगे बीएलओ

नवीन मेल संवाददाता

गढ़वा। मतदाता सूची को शत-प्रतिशत अद्यतन, त्रुटिरहित और पारदर्शी बनाने के उद्देश्य से जिले में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर-2026) अभियान तेज कर दिया गया है। इस अभियान के तहत 30 जून से 29 जुलाई तक बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) घर-घर जाकर मतदाताओं को इन्यूमरेशन फॉर्म उपलब्ध कराएंगे। उपायुक्त-सह-जिला निर्वाचन पदाधिकारी पशुपति नाथ मिश्रा ने मंगलवार को समाहरणालय सभाकक्ष में आयोजित प्रेस वार्ता में यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार झारखंड में एसआईआर-2026 कार्यक्रम शुरू हो चुका है। अभियान का उद्देश्य मतदाता सूची को पूरी तरह अद्यतन एवं विश्वसनीय बनाना है। उन्होंने सभी मतदाताओं से अपील की कि बीएलओ द्वारा फॉर्म उपलब्ध कराए जाने पर उसे बिना विलंब आवश्यक जानकारी भरकर हस्ताक्षर सहित वापस करें, ताकि मतदाता सूची के अद्यतन कार्य में तेजी लाई जा सके। उपायुक्त ने बताया कि इस बार पूर्व विशेष गहन पुनरीक्षण (2003) की मतदाता सूची के साथ वर्तमान मतदाताओं की मैपिंग की जा रही है। जिन मतदाताओं की मैपिंग पूरी हो जाएगी, उन्हें सामान्यतः अतिरिक्त दस्तावेज प्रस्तुत करने की आवश्यकता नहीं होगी। उन्होंने कहा कि एक प्रति बीएलओ को जमा करनी होगी, जबकि दूसरी प्रति पावती के रूप में मतदाता अपने पास रखेंगे। निर्धारित अवधि में फॉर्म जमा करने वाले मतदाताओं का नाम 5 अगस्त को प्रकाशित होने वाली प्रारूप मतदाता सूची में शामिल रहेगा। उन्होंने कहा कि जिले के दोनों विधानसभा क्षेत्रों में मैपिंग का कार्य तेजी से चल रहा है। अब तक गढ़वा विधानसभा क्षेत्र में 84.56 प्रतिशत तथा भवनाथपुर विधानसभा क्षेत्र में 85.61 प्रतिशत मतदाताओं की मैपिंग पूरी हो चुकी है। शेष मतदाताओं से भी अभियान में सक्रिय सहयोग की अपील की गई है। उपायुक्त ने बताया कि अनुपस्थित , स्थायी रूप से स्थानांतरित, मृत , डुप्लीकेट तथा गैर-भारतीय श्रेणी के मतदाताओं के नाम प्रारूप मतदाता सूची में प्रकाशित नहीं किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि यदि किसी गैर-भारतीय व्यक्ति को इन्यूमरेशन फॉर्म प्राप्त होता है तो वह बिना हस्ताक्षर किए फॉर्म बीएलओ को लौटा दें। गलत घोषणा-पत्र भरना लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 की धारा 31 के तहत दंडनीय अपराध है। उन्होंने संविधान के अनुच्छेद-326 का उल्लेख करते हुए कहा कि निर्वाचन आयोग का उद्देश्य है कि कोई भी पात्र भारतीय नागरिक मतदाता सूची से वंचित न रहे और कोई अपात्र व्यक्ति सूची में शामिल न हो। इसी उद्देश्य से विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान पूरी पारदर्शिता एवं सहभागिता के साथ संचालित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि आयोग द्वारा 1 अक्टूबर 2026 को अर्हता तिथि निर्धारित की गई है। इसके तहत 30 जून से 29 जुलाई तक घर-घर सर्वे, 29 जुलाई तक मतदान केंद्रों का युक्तिकरण, 5 अगस्त को प्रारूप मतदाता सूची का प्रकाशन, 5 अगस्त से 4 सितंबर तक दावा-आपत्ति, 3 अक्टूबर तक उनका निष्पादन तथा 7 अक्टूबर 2026 को अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित की जाएगी।

पुनरीक्षण प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी के दिए गए निर्देश

प्रेस वार्ता में उपायुक्त ने बताया कि मतदाता सूची की पारदर्शिता और विश्वसनीयता सुनिश्चित करने के लिए मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों को बूथ लेवल एजेंट (बीएलए) नियुक्त करने तथा पुनरीक्षण प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि इन्यूमरेशन फॉर्म भरते समय अधिकांश मतदाताओं को किसी दस्तावेज की आवश्यकता नहीं होगी। जिन मतदाताओं की मैपिंग अभी तक नहीं हुई है, वे बीएलओ को आवश्यक जानकारी देकर अपनी मैपिंग सुनिश्चित करा सकते हैं।

श्री बंशीधर नगर में एसआईआर अभियान की समीक्षा

नवीन मेल संवाददाता

श्री बंशीधर नगर (गढ़वा)। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार चल रहे मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर-2026) अभियान के तहत मंगलवार को राजकीयकृत अंबालाल पटेल बालिका विद्यालय, नगर ऊंटारी में बैठक आयोजित की गई। बैठक का संयुक्त निरीक्षण निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी सह अनुमंडल पदाधिकारी प्रभाकर मिर्धा, सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी सह प्रखंड विकास पदाधिकारी रौशन कुमार तथा सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी सह कार्यपालक पदाधिकारी राजकमल ने किया। निरीक्षण के दौरान विभिन्न राजनीतिक दलों के बीएलए-2 एवं चुनाव पाठशाला के सदस्यों के साथ विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान की प्रगति की समीक्षा की गई। अधिकारियों ने सभी बीएलओ को निर्देश दिया कि वे अपने-अपने क्षेत्र में एन्यूमरेशन फॉर्म का घर-घर वितरण शुरू करें तथा प्राप्त प्रपत्रों को बीएलओ ऐप के माध्यम से समयबद्ध तरीके से ऑनलाइन अपलोड करें। बैठक में राजनीतिक दलों के बीएलए-2 से भी निर्वाचन कार्य में सक्रिय सहयोग देने की अपील की गई, ताकि मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान निर्धारित अवधि के भीतर सफलतापूर्वक पूरा किया जा सके।

अजित दुबे बने गढ़वा जिला कांग्रेस कमेटी के महासचिव, कार्यकर्ताओं में खुशी

खरौंधी (गढ़वा)। झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अनुमोदन एवं अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर गढ़वा जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष ओबेदुल्ला हक ने खरौंधी प्रखंड के ढिलवासोती निवासी अजित दुबे उर्फ लिटिल दुबे को जिला कांग्रेस कमेटी का महासचिव मनोनीत किया है। नियुक्ति की घोषणा के बाद कांग्रेस कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल है। नवनियुक्त महासचिव ने कहा कि संगठन ने जो जिम्मेदारी सौंपी है, उसे पूरी निष्ठा और ईमानदारी के साथ निभाएंगे तथा पार्टी की विचारधारा को गांव-गांव तक पहुंचाने के लिए कार्य करेंगे। प्रखंड कांग्रेस अध्यक्ष नवलकिशोर यादव ने कहा कि अजित दुबे लंबे समय से संगठन के सक्रिय कार्यकर्ता रहे हैं और उनकी नियुक्ति से जिला संगठन को नई मजबूती मिलेगी। कार्यकर्ताओं ने उन्हें शुभकामनाएं देते हुए सफल कार्यकाल की कामना की।

बारिश का पानी रोके जाने से गड़ेरियाडीह टोला में जलजमाव, ग्रामीण परेशान

नवीन मेल संवाददाता

भवनाथपुर (गढ़वा)। मकरी पंचायत के गड़ेरियाडीह टोला में बारिश के पानी की निकासी बाधित होने से पूरे इलाके में जलजमाव की स्थिति उत्पन्न हो गई है। ग्रामीणों का आरोप है कि कुछ असामाजिक तत्वों ने पानी के निकास को रोक दिया, जिससे टोले में पानी भर गया। जलजमाव के कारण लोगों का आवागमन प्रभावित हो गया है। कई घरों के आसपास पानी जमा होने से बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों को काफी परेशानी हो रही है। ग्रामीणों ने प्रशासन से तत्काल जांच कर पानी निकासी की व्यवस्था कराने की मांग की है। उनका कहना है कि यदि शीघ्र समाधान नहीं हुआ तो संक्रामक बीमारियों का खतरा बढ़ सकता है।

भाजपा मंडल अध्यक्ष ने विधायक पर लगाए विकास की अनदेखी के आरोप

केतार (गढ़वा)। भाजपा के केतार मंडल अध्यक्ष कन्हाई प्रसाद ने मंगलवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर क्षेत्रीय विधायक पर विकास कार्यों और जनसमस्याओं की अनदेखी का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि विधायक जनता के बीच कम और राजनीतिक गतिविधियों में अधिक व्यस्त हैं। कन्हाई प्रसाद ने आरोप लगाया कि विधायक बैगई टोला के एक कार्यक्रम में शामिल हुए, लेकिन हत्या के शिकार ओम नारायण साह के शोकाकुल परिवार से मिलने नहीं पहुंचे, जिससे स्थानीय लोगों में निराशा है।

रंका में विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान शुरू 29 जुलाई तक होगा घर-घर मतदाता सत्यापन

नवीन मेल संवाददाता

रंका (गढ़वा)। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर-2026) अभियान का मंगलवार को रंका व्यापार मंडल परिसर स्थित बूथ संख्या-402 से शुभारंभ किया गया। अभियान के तहत 30 जून से 29 जुलाई तक बीएलओ एवं बीएलओ-2 घर-घर जाकर मतदाताओं का सत्यापन करेंगे। बैठक की अध्यक्षता प्रखंड विकास पदाधिकारी शुभम बेला तोपनो ने की। उन्होंने बताया कि अभियान के दौरान नए पात्र मतदाताओं के नाम जोड़ने, मृत एवं स्थायी रूप से स्थानांतरित मतदाताओं के नाम हटाने तथा मतदाता सूची में आवश्यक संशोधन किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि शुद्ध एवं अद्यतन मतदाता सूची निष्पक्ष और पारदर्शी चुनाव की आधारशिला है। सभी नागरिक बीएलओ को आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध कराएं, ताकि कोई भी पात्र मतदाता सूची से वंचित न रहे। बैठक में जनप्रतिनिधियों, राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों तथा गणमान्य नागरिकों से अभियान को सफल बनाने में सक्रिय सहयोग की अपील की गई। मौके पर मुखलाल उरांव, धर्मेंद्र पाठक उर्फ भुंडुल पाठक, राजेश कुमार पांडेय, अभिषेक कुमार सोनी, पूनम देवी, नितेश कुमार सिंह सहित कई जनप्रतिनिधि एवं नागरिक उपस्थित रहे।

डैम में डूबने से युवक की मौत परिवार पर टूटा दुखों का पहाड

नवीन मेल संवाददाता

मेराल (गढ़वा)। मेराल थाना क्षेत्र के संगवरिया पंचायत स्थित भीमखाड़ गांव में मंगलवार सुबह डैम में नहाने के दौरान एक युवक की डूबने से मौत हो गई। घटना के बाद पूरे गांव में शोक का माहौल है। मृतक की पहचान गांव निवासी ओम प्रकाश सिंह (28 वर्ष), पिता मेघनाथ सिंह के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, ओम प्रकाश मंगलवार सुबह गांव के खैरवा डैम में स्नान करने गए थे। नहाने के दौरान वह गहरे पानी में चले गए और डूब गए। घटना की सूचना मिलते ही ग्रामीण और परिजन मौके पर पहुंचे। स्थानीय गोताखोरों की मदद से काफी प्रयास के बाद युवक का शव पानी से बाहर निकाला गया। इसके बाद उसे मेराल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलने पर मेराल पुलिस अस्पताल पहुंची और आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल, गढ़वा भेज दिया। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। बताया गया कि मृतक अपने पीछे पत्नी और एक छोटे पुत्र को छोड़ गया है। युवक की असामयिक मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है, वहीं पूरे गांव में मातम पसरा हुआ है।

पहली बारिश में डूबा केतार बाजार जलजमाव से जनजीवन प्रभावित

नाली निर्माण नहीं होने से सड़क बनी तालाब, वर्षों से लंबित योजना पर उठे सवाल

नवीन मेल संवाददाता

केतार (गढ़वा)। मानसून की पहली बारिश ने केतार बाजार की बदहाल जल निकासी व्यवस्था की पोल खोल दी। नाली निर्माण नहीं होने के कारण बाजार की मुख्य सड़क पर जलजमाव हो गया, जिससे राहगीरों, दुकानदारों और ग्रामीणों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि हर वर्ष बारिश के दौरान यही स्थिति बनती है, लेकिन समस्या के स्थायी समाधान के लिए अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। सड़क पर पानी जमा रहने से आवागमन प्रभावित हो रहा है, वहीं दुकानदारों के कारोबार पर भी असर पड़ रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि समाजसेवी रामविचार साहू, सुरेश कुमार, विश्वनाथ प्रसाद, जयमल प्रसाद सहित कई लोगों ने नाली निर्माण के लिए स्थानीय विधायक अनंत प्रताप देव को लिखित आवेदन दिया था, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। लोगों का कहना है कि लगभग तीन वर्ष पहले ग्रामसभा के माध्यम से डीएमएफटी मद से नाली निर्माण का प्रस्ताव भी भेजा गया था, जो आज तक लंबित है। पिछले वर्ष भी जलजमाव के कारण कई दुकानों में पानी घुस गया था, जिससे व्यापारियों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा था। ग्रामीणों और व्यवसायियों ने जिला प्रशासन से शीघ्र नाली निर्माण कर बाजार को जलजमाव की समस्या से स्थायी राहत दिलाने की मांग की है।

सीएचसी के सामने सड़क हादसा, महिला समेत दो घायल

नवीन मेल संवाददाता

भवनाथपुर (गढ़वा)। भवनाथपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) के सामने मंगलवार को हुई सड़क दुर्घटना में एक महिला गंभीर रूप से घायल हो गई, जबकि बाइक सवार युवक को भी चोटें आईं। जानकारी के अनुसार, गतियारवा गांव निवासी रामप्रीत पासवान और रविंद्र कुशवाहा बाइक से भवनाथपुर की ओर जा रहे थे। इसी दौरान सीएचसी के सामने सड़क पार कर रही बुका गांव निवासी सरिता देवी को बाइक ने टक्कर मार दी। हादसे में सरिता देवी के सिर में गंभीर चोट लगी, जबकि बाइक सवार रविंद्र कुशवाहा भी घायल हो गए। स्थानीय लोगों ने दोनों को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां डॉ. फैज ने प्राथमिक उपचार किया। महिला की गंभीर स्थिति को देखते हुए चिकित्सकों ने उन्हें बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल, गढ़वा रेफर कर दिया, जबकि रविंद्र कुशवाहा का इलाज भवनाथपुर सीएचसी में किया गया।

सड़क हादसे में मृत बुटन भुईयां के परिजनों से मिले बीडीसी सदस्य

नवीन मेल संवाददाता

रंका (गढ़वा)। रंका प्रखंड के चुतरू पंचायत दक्षिणी क्षेत्र के बीडीसी सदस्य मो. आसीफ आलम ने मंगलवार को सड़क दुर्घटना में मृत बुटन भुईयां के परिजनों से मुलाकात कर गहरी संवेदना व्यक्त की। उन्होंने शोकाकुल परिवार को ढांढस बंधाते हुए हरसंभव सहयोग का भरोसा दिलाया। जानकारी के अनुसार, मंगलवार सुबह करीब आठ बजे मो. आसीफ आलम को ग्राम बान्दु निवासी बुटन भुईयां की सड़क दुर्घटना में मौत की सूचना मिली। सूचना मिलते ही वह दिवंगत के घर पहुंचे और परिजनों से मिलकर दुख साझा किया। उन्होंने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करते हुए अंतिम संस्कार एवं क्रियाकर्म में सहयोग स्वरूप परिवार को चावल उपलब्ध कराया। इस दौरान उन्होंने कहा कि दुख की घड़ी में समाज के सभी लोगों को आगे आकर पीड़ित परिवार का साथ देना चाहिए। उन्होंने ईश्वर से शोक संतप्त परिवार को इस अपार दुख को सहने की शक्ति प्रदान करने की कामना की। स्थानीय लोगों ने भी मो. आसीफ आलम की इस मानवीय पहल की सराहना की।

राजकुमारी विशाखा सिंह स्मृति प्रतिभा सम्मान समारोह की तैयारी तेज

नवीन मेल संवाददाता

रंका (गढ़वा)। राजकुमारी विशाखा सिंह की स्मृति में आयोजित होने वाले 'राजकुमारी विशाखा सिंह स्मृति प्रतिभा सम्मान समारोह' की तैयारियां तेज हो गई हैं। मंगलवार को रंका सर्वेश्वरी समूह शाखा की बैठक में समारोह की रूपरेखा, मेधावी छात्र-छात्राओं के चयन तथा आयोजन की तैयारियों पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में बताया गया कि समारोह के माध्यम से रंका प्रखंड के मेधावी छात्र-छात्राओं को उनकी शैक्षणिक उपलब्धियों के लिए प्रशस्ति पत्र, मेडल और मोमेंटो देकर सम्मानित किया जाएगा। इसका उद्देश्य प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करना और अन्य छात्रों को बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित करना है। आयोजन समिति ने बताया कि विद्यार्थियों की सुविधा के लिए क्यूआर कोड के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन की व्यवस्था की गई है। सभी पात्र छात्र-छात्राओं से 5 जुलाई तक आवेदन करने की अपील की गई है, ताकि पंजीकरण और सम्मान समारोह की तैयारियां समय पर पूरी की जा सकें।

जन्मदिन पर पर्यावरण संरक्षण का संदेश, 200 पौधे लगाए और बांटे

नवीन मेल संवाददाता

खरौंधी (गढ़वा)। सोशल इनोवेशन ग्रुप ने पर्यावरण प्रभारी राकेश रोशन के जन्मदिन के अवसर पर करीवाडीह में पौधारोपण एवं पौधा वितरण कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम के दौरान 150 फलदार एवं छायादार पौधों का निःशुल्क वितरण किया गया, जबकि 50 पौधे पंचायत समिति सदस्य विकास सिंह उर्फ पिंटू सिंह के तालाब परिसर में लगाए गए। इस अवसर पर अमरूद, आंवला, नींबू, जामुन, कटहल, नीम, पीपल, बरगद, सागवान और शीशम के पौधे लगाए गए। राकेश रोशन ने कहा कि जन्मदिन जैसे अवसरों पर पौधारोपण करना प्रकृति को सबसे बड़ा उपहार है। कार्यक्रम में अभिजीत सिंह, अभिषेक तिवारी, अक्षय रजक, राजू रंजन चंद्रवंशी, पिंटू यादव, संजीत चंद्रवंशी, नरेंद्र सिंह, संतोष राम सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

रबदा खुरा में हर्षोल्लास से मना हूल दिवस, शहीद सिदो-कान्हू को दी श्रद्धांजलि

हूल दिवस आदिवासी समाज के संघर्ष, स्वाभिमान व बलिदान का प्रतीक है : जिला अध्यक्ष

नवीन मेल संवाददाता

रंका (गढ़वा)। रंका प्रखंड के कंचनपुर पंचायत अंतर्गत रबदा खुरा गांव में मंगलवार को आदिवासी सरना विकास परिषद के तत्वावधान में सरना ध्वज स्थापना एवं हूल दिवस श्रद्धा, उत्साह और पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत सरना स्थल पर विधिवत पूजा-अर्चना एवं सरना ध्वज स्थापना से हुई। इसके बाद वर्ष 1855 के ऐतिहासिक संथाल हूल आंदोलन के महानायक सिदो मुर्मू, कान्हू मुर्मू, चांद मुर्मू और भैरव मुर्मू सहित सभी वीर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। जिला अध्यक्ष वीरेंद्र उरांव ने कहा कि हूल दिवस आदिवासी समाज के संघर्ष, स्वाभिमान और बलिदान का प्रतीक है। उन्होंने समाज से अपनी संस्कृति, परंपरा और धार्मिक स्थलों की रक्षा के लिए संगठित रहने का आह्वान किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीणों एवं आदिवासी समाज के लोगों ने भाग लिया और शहीदों के आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया।

हूल दिवस पर सिदो-कान्हू को श्रद्धांजलि, शहीदों के आदर्शों पर चलने का लिया संकल्प

चिनिया (गढ़वा)। अखिल भारतीय आदिवासी महासभा की प्रखंड इकाई द्वारा मंगलवार को हूल दिवस श्रद्धा एवं सम्मान के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रखंड अध्यक्ष अजय सिंह खरवार ने की। इस अवसर पर सिद्धो-कान्हू के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उनके बलिदान को याद किया गया। महासभा की केंद्रीय सदस्य कबिता सिंह खरवार ने कहा कि 30 जून 1855 को सिदो-कान्हू के नेतृत्व में शुरू हुआ हूल आंदोलन जल, जंगल और जमीन की रक्षा तथा आदिवासी समाज के अधिकारों की लड़ाई का प्रतीक है। कार्यक्रम में रामेश्वर सिंह खरवार, विनोद सिंह खरवार, शिधनाथ सिंह, सत्यनारायण सिंह, बजरंगी सिंह, तेतु सिंह सहित अन्य लोगों ने शहीदों के आदर्शों पर चलने और समाज की एकता बनाए रखने का संकल्प लिया।

पिंडारकोम में हाथियों के झुंड ने तीन घर किए ध्वस्त, लाखों की संपत्ति बर्बाद

- **सांसद प्रतिनिधियों ने पीड़ित परिवारों से मिल हरसंभव सहयोग का दिया भरोसा**

नवीन मेल संवाददाता

बालूमाथ। प्रखंड के बसिया पंचायत अंतर्गत पिंडारकोम गांव में मंगलवार देर रात जंगली हाथियों के झुंड ने जमकर उत्पात मचाया। हाथियों ने गांव में घुसकर तीन किसानों के घरों को ध्वस्त कर दिया तथा घरों में रखा अनाज और घरेलू सामान नष्ट कर दिया। घटना के बाद पूरे गांव में दहशत का माहौल है।

जानकारी के अनुसार हाथियों के झुंड ने देवानंद गंझु, प्रयाग गंझु एवं हंसराज गंझु के घरों को क्षतिग्रस्त कर दिया। घर में रखा धान, अनाज सहित अन्य सामान भी बर्बाद कर दिया, जिससे पीड़ित परिवारों को लाखों रुपये की क्षति हुई है। ग्रामीणों ने वन विभाग से शीघ्र क्षति का आकलन कर उचित मुआवजा देने तथा हाथियों के आतंक से स्थायी समाधान की मांग की है।

घटना की सूचना मिलते ही जिला सांसद प्रतिनिधि सह पूर्व भाजपा मंडल अध्यक्ष लक्ष्मण कुशवाहा एवं सांसद प्रतिनिधि गंगेश्वर यादव मौके पर पहुंचे और पीड़ित परिवारों से मिलकर नुकसान का जायजा लिया। उन्होंने हरसंभव सहयोग का भरोसा देते हुए वन विभाग एवं सरकार से अविलंब मुआवजा देने की मांग की।

लक्ष्मण कुशवाहा ने कहा कि जंगली हाथियों के कारण क्षेत्र के ग्रामीण वर्षों से भय के साये में जी रहे हैं। उन्होंने वन विभाग से हाथियों को आबादी वाले क्षेत्रों से हटाकर सुरक्षित जंगलों की ओर खदेड़ने के लिए प्रभावी कार्रवाई करने की मांग की। वहीं सांसद प्रतिनिधि गंगेश्वर यादव ने कहा कि हाथियों के लगातार हमलों से किसानों की जान-माल की सुरक्षा खतरे में है, लेकिन वन विभाग अब तक कोई स्थायी समाधान नहीं निकाल सका है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द ठोस कार्रवाई नहीं हुई तो ग्रामीणों के साथ चरणबद्ध आंदोलन किया जाएगा। मौके पर प्रयाग गंझु, विजेंद्र यादव, देवानंद गंझु, हंसराज गंझु, संदीप गंझु, रेखा देवी, बसंत यादव, गंगा यादव, मुनिता देवी, राजमणि देवी, परमेश्वर यादव, ईश्वर यादव, मुकेश यादव, पवन यादव सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद थे।

मालगाड़ी में तकनीकी खराबी से टोरी फाटक पर डेढ़ घंटे तक लगा जाम

- **एम्बुलेंस समेत सैकड़ों वाहन फंसे, रेलवे ने खराबी दूर कर बहाल कराया परिचालन**

नवीन मेल संवाददाता

चंदवा। बरकाकाना-बरवाडीह रेलखंड के टोरी जंक्शन स्थित पूर्वी केबिन रेलवे समपार फाटक पर सोमवार रात कोयला लदी लॉन्ग हॉल मालगाड़ी में तकनीकी खराबी आने से करीब डेढ़ घंटे तक सड़क यातायात बाधित रहा। रात करीब 8:15 बजे से 9:45 बजे तक फाटक बंद रहने के कारण दोनों ओर छोटे-बड़े वाहनों की लंबी कतार लग गई और लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा।

जानकारी के अनुसार, टोरी की ओर आ रही मालगाड़ी के एक बोगी का नकल टूट जाने के कारण ट्रेन फाटक पर ही रुक गई। इससे समपार फाटक बंद हो गया और यातायात पूरी तरह ठप हो गया। इस दौरान एम्बुलेंस सहित कई आवश्यक सेवाओं से जुड़े वाहन भी जाम में फंसे रहे।

सूचना मिलने पर रेलवे के अधिकारी एवं कर्मी मौके पर पहुंचे और तकनीकी खराबी को दूर करने में जुट गए। करीब रात 10 बजे खराबी ठीक होने के बाद रेल परिचालन एवं सड़क यातायात सामान्य हो सका। फाटक खुलते ही एक साथ वाहनों के निकलने से कुछ देर तक अफरातफरी की स्थिति बनी रही।

स्थानीय लोगों ने रेलवे की व्यवस्था पर नाराजगी जताते हुए कहा कि टोरी फाटक पर जाम की समस्या अब आम हो गई है। दिन में कई बार फाटक लंबे समय तक बंद रहने से आम लोगों के साथ मरीजों और स्कूली बच्चों को भी भारी परेशानी उठानी पड़ती है। लोगों ने इस समस्या के स्थायी समाधान की मांग की। स्टेशन अधीक्षक रंजीत कुमार एवं टीआई संजय कुमार ने बताया कि मालगाड़ी में तकनीकी खराबी आने के कारण यह स्थिति उत्पन्न हुई थी। खराबी दूर होने के बाद परिचालन सामान्य कर दिया गया।

एसआईआर-2026 को सफल बनाने में जुटा जिला प्रशासन

- **उपायुक्त ने चुनाव पाठशालाओं का किया निरीक्षण**
- **नए मतदाताओं के पंजीकरण और शुद्ध मतदाता सूची तैयार करने पर दिया जोर**

नवीन मेल संवाददाता

लातेहार। विशेष गहन मतदाता पुनरीक्षण (एसआईआर)-2026 अभियान को सफल बनाने के उद्देश्य से उपायुक्त संदीप कुमार ने मंगलवार को जिले के विभिन्न मतदान केंद्रों पर आयोजित बीएलओ, बीएलए-2 एवं चुनाव पाठशालाओं की प्रथम बैठक का निरीक्षण किया। उन्होंने मतदाता सूची को शुद्ध, अद्यतन एवं त्रुटिरहित बनाने के लिए अधिकारियों एवं कर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

उपायुक्त ने राजकीय मध्य विद्यालय बाजार अंबाकोठी, उत्क्रमित उच्च विद्यालय पांडेपुरा तथा राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय अमवाटीकर में आयोजित बैठकों का निरीक्षण किया। उन्होंने बीएलओ एवं बीएलए-2 से नए मतदाताओं का नाम जोड़ने, मृत एवं स्थानांतरित मतदाताओं के नाम हटाने तथा दिव्यांग एवं वृद्ध मतदाताओं की मैपिंग पर विशेष ध्यान देने को कहा।

उन्होंने निर्देश दिया कि 1 अक्टूबर 2026 तक अर्हता प्राप्त करने वाले सभी नए मतदाताओं का समयबद्ध पंजीकरण सुनिश्चित किया जाए। साथ ही विद्यार्थियों एवं युवाओं से अपने परिवार और आसपास के पात्र नागरिकों को मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने के लिए प्रेरित करने की अपील की।

उपायुक्त ने बताया कि चुनाव पाठशालाओं में बीएलओ के साथ स्वयंसेवक भी सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं, जबकि पीवीटीजी एवं दूरस्थ क्षेत्रों की निगरानी सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारियों द्वारा की जा रही है। उन्होंने निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुरूप अभियान को पूरी गंभीरता से संचालित करने का निर्देश दिया।

निरीक्षण के दौरान अनुमंडल पदाधिकारी दिनेश कुमार, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी डॉ. चंदन, प्रखंड विकास पदाधिकारी मनोज कुमार सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

एसआईआर के तहत बीडीओ व प्रशिक्षु डिप्टी कलेक्टर ने चुनाव पाठशाला का किया निरीक्षण

- **मतदाता सूची को त्रुटिरहित बनाने एवं नए मतदाताओं के पंजीकरण पर दिया जोर**

नवीन मेल संवाददाता

चंदवा। विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर)-2026 अभियान के तहत मंगलवार को प्रखंड विकास पदाधिकारी चंदन प्रसाद एवं प्रशिक्षु डिप्टी कलेक्टर शुभम गांगुली ने बीएलओ, बीएलए-2 तथा चुनाव पाठशाला की प्रथम बैठक का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने बूथ संख्या 311, 312, 313, 315, 316, 317, 318 एवं 328 का भ्रमण कर पुनरीक्षण कार्यों की प्रगति की समीक्षा की।

अधिकारियों ने बीएलओ एवं बीएलए-2 को नए मतदाताओं के नाम जोड़ने, मृत एवं स्थानांतरित मतदाताओं के नाम हटाने तथा दिव्यांग एवं वरिष्ठ मतदाताओं की मैपिंग में विशेष सतर्कता बरतने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि 1 अक्टूबर 2026 तक 18 वर्ष की आयु पूरी करने वाले सभी पात्र युवाओं का नाम समयबद्ध तरीके से मतदाता सूची में दर्ज कराया जाए।

चुनाव पाठशाला में उपस्थित विद्यार्थियों एवं युवाओं से भी अपने परिवार, मित्रों और आसपास के पात्र नागरिकों को मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने के लिए जागरूक करने की अपील की गई। अधिकारियों ने कहा कि "शुद्ध मतदाता सूची, सशक्त लोकतंत्र" का लक्ष्य जनसहभागिता से ही पूरा किया जा सकता है। मौके पर बीएलओ, बीएलए-2 तथा अन्य संबंधित कर्मी एवं मतदाता उपस्थित थे।

टंडवा पहुंचे सांसद व विधायक, बीमा योजना के लाभुक परिवार को सौंपा चार लाख रुपये का चेक

टंडवा (चतरा)। चतरा सांसद कालीचरण सिंह एवं सिमरिया विधायक उज्ज्वल दास मंगलवार को टंडवा प्रखंड के सेरनदाग पहुंचे। यहां दोनों जनप्रतिनिधियों का पारंपरिक तरीके से स्वागत किया गया। इस दौरान 22 जुलाई 2025 को वज्रपात की चपेट में आकर जान गंवाने वाली मधवापुर निवासी बिलासो देवी के आश्रितों को प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना एवं प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना के तहत कुल चार लाख रुपये का चेक प्रदान किया गया। सांसद कालीचरण सिंह ने कहा कि केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी बीमा योजनाएं जरूरतमंद परिवारों के लिए संकट की घड़ी में बड़ा सहारा बन रही हैं। उन्होंने अधिक से अधिक लोगों से इन योजनाओं का लाभ लेने की अपील की। उन्होंने बैंक ऑफ इंडिया टंडवा शाखा के प्रबंधक प्रणत कुमार तथा सेरनदाग के बैंकिंग संवाददाता (बीसी) मुंशी साहु की भी सराहना की, जिन्होंने बीमा योजनाओं का लाभ लोगों तक पहुंचाने में सक्रिय भूमिका निभाई।

एसपी ने मकईया टांड़ पिकेट का किया औचक निरीक्षण

- **सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने व जवानों को 24 घंटे सतर्क रहने का निर्देश**

नवीन मेल संवाददाता

बालूमाथ। पुलिस अधीक्षक कुमार गौरव ने मंगलवार को थाना क्षेत्र स्थित मकईया टांड़ पुलिस पिकेट का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था, पिकेट परिसर एवं जवानों की तैनाती की गहन समीक्षा की।

निरीक्षण के दौरान एसपी ने सुरक्षा घेरे को और अधिक मजबूत करने, आसपास के क्षेत्रों में सतर्क निगरानी रखने तथा संतरी ड्यूटी को 24×7 पूरी मुस्तैदी के साथ निभाने का निर्देश दिया। उन्होंने पिकेट परिसर की सुरक्षा व्यवस्था का निरीक्षण कर आवश्यक सुधार के निर्देश भी दिए। एसपी ने जवानों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याओं की जानकारी ली तथा संबंधित अधिकारियों को त्वरित समाधान सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

मौके पर थाना प्रभारी अमित कुमार दास, सहायक अवर निरीक्षक अभिमन्यु कुमार, आईआरबी एवं जैप के जवान सहित अन्य पुलिस पदाधिकारी मौजूद थे।

विद्यालय की चहारदीवारी निर्माण में अनियमितता का आरोप, घटिया सामग्री को लेकर ग्रामीणों में आक्रोश

- **पिंडारकुन उत्क्रमित उच्च विद्यालय में निर्माण कार्य पर उठे सवाल, जंग लगी सरिया व सूचना बोर्ड नहीं लगाने का आरोप**

नवीन मेल संवाददाता

गिद्धौर (चतरा)। प्रखंड क्षेत्र की मंझगांवा पंचायत स्थित उत्क्रमित उच्च विद्यालय पिंडारकुन में निर्माणाधीन चहारदीवारी के निर्माण कार्य को लेकर ग्रामीणों में भारी आक्रोश व्याप्त है। ग्रामीणों ने निर्माण कार्य में गुणवत्ता मानकों की अनदेखी, घटिया निर्माण सामग्री के उपयोग, जंग लगी सरिया लगाने तथा निर्माण स्थल पर योजना संबंधी सूचना बोर्ड नहीं लगाने का आरोप लगाया है। उन्होंने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर गुणवत्तापूर्ण निर्माण सुनिश्चित कराने की मांग की है।

ग्रामीणों का आरोप है कि चहारदीवारी निर्माण में उपयोग की जा रही ईंट, बालू, सीमेंट समेत अन्य सामग्री निर्धारित मानकों के अनुरूप नहीं है। वहीं निर्माण कार्य में प्रयुक्त सरिया भी कई स्थानों पर जंग लगी हुई है, जिससे निर्माण की गुणवत्ता पर सवाल खड़े हो रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि पुरानी अथवा लंबे समय से रखी गई सरिया का इस्तेमाल किया जा रहा है, जिससे भविष्य में निर्माण की मजबूती प्रभावित हो सकती है।

ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया कि निर्माण स्थल पर योजना से संबंधित सूचना बोर्ड नहीं लगाया गया है। सरकारी निर्माण कार्यों में योजना की लागत, कार्य एजेंसी, संवेदक, विभाग तथा कार्य अवधि सहित अन्य आवश्यक जानकारियां प्रदर्शित करना अनिवार्य होता है। सूचना बोर्ड नहीं होने से निर्माण कार्य की पारदर्शिता पर भी सवाल उठ रहे हैं।

ग्रामीणों के अनुसार, जब उन्होंने निर्माण कार्य की गुणवत्ता को लेकर मौके पर मौजूद मुंशी से आपत्ति जताई और मानक के अनुरूप सामग्री उपयोग करने की बात कही, तो मुंशी ने कथित रूप से कहा कि, "काम ग्रामीणों की मर्जी से नहीं होगा। जहां जाना है जाइए, जो करना है कर लीजिए। मैं अपने तरीके से ही निर्माण कराऊंगा और अपनी पसंद की सामग्री का इस्तेमाल करूंगा।" इस कथित व्यवहार से ग्रामीणों में नाराजगी और बढ़ गई है।

इधर, विद्यालय प्रबंधन समिति की अध्यक्ष एवं सचिव ने बताया कि यदि चहारदीवारी की कुल लंबाई 1950 फीट होती है तो योजना की लागत लगभग 67 लाख रुपये होगी। यदि लंबाई कम होगी तो लागत भी उसी अनुपात में घटेगी। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्य निर्धारित प्राक्कलन के अनुरूप कराया जाना है। ग्रामीणों ने संबंधित विभाग के वरीय अधिकारियों से निर्माण स्थल का निरीक्षण कर तकनीकी जांच कराने, निर्माण सामग्री की गुणवत्ता की जांच कराने तथा मानकों के अनुरूप कार्य सुनिश्चित करने की मांग की है। साथ ही चेतावनी दी है कि यदि समय रहते कार्रवाई नहीं हुई तो वे जिला प्रशासन के समक्ष आंदोलन करने को बाध्य होंगे।

वहीं, इस संबंध में संवेदक एवं संबंधित विभागीय अधिकारियों का पक्ष प्राप्त नहीं हो सका। उनका पक्ष मिलने पर उसे भी प्रमुखता से प्रकाशित किया जाएगा।

पहाड़ कापू के मस्जिद मोहल्ला में जल संकट गहराया, महीनों से बंद पड़ी है जलमीनार

महुआडांड़। प्रखंड के पहाड़ कापू गांव स्थित मस्जिद मोहल्ला में जलमीनार कई महीनों से खराब रहने के कारण पेयजल संकट गहरा गया है। जलापूर्ति पूरी तरह ठप होने से दर्जनों परिवारों को रोजमर्रा की जरूरतों के लिए भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

ग्रामीणों ने बताया कि जलमीनार बंद होने के कारण सफूल अंसारी, मैनूर अंसारी, सजाद अंसारी, सिली उरांव, स्कंद बड़ा, रसीद अंसारी, फिरोज, सत्तार, हदीस, सद्दाम, ताहिर, नसीर अंसारी सहित कई परिवार प्रभावित हैं। लोगों को दूर-दराज के जलस्त्रोतों से पानी लाना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने प्रखंड प्रशासन एवं पेयजल एवं स्वच्छता विभाग (पीएचईडी) से अविलंब जलमीनार की मरम्मत कर नियमित पेयजल आपूर्ति बहाल करने की मांग की है। उनका कहना है कि बरसात के मौसम में भी पेयजल संकट बना रहना बेहद चिंताजनक है।

दृष्टिपात

पति ने पत्नी की हत्या कर फरार

कुंदा (चतरा)। थाना क्षेत्र के हरदिया टांड़ गांव में सोमवार रात घरेलू विवाद के दौरान एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी की हत्या कर दी। घटना के बाद आरोपी पति फरार हो गया। जानकारी के अनुसार मनसू बैगा सोमवार को हजारीबाग से काम कर घर लौटा था। रात में किसी बात को लेकर उसकी पत्नी कैली देवी से कहासुनी हुई। विवाद बढ़ने पर उसने पत्नी की हत्या कर दी। घटना की सूचना मिलने पर कुंदा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस फरार आरोपी की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है। मामले की जांच जारी है।

एसआईआर को लेकर बीएलओ व बीएलए-2 की बैठक का बीडीओ ने किया निरीक्षण

बरवाडीह। विशेष गहन मतदाता पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान के तहत प्रखंड के छेंचा उत्क्रमित उच्च विद्यालय में आयोजित बीएलओ एवं विभिन्न राजनीतिक दलों के बूथ लेवल एजेंट (बीएलए-2) की बैठक का प्रखंड विकास पदाधिकारी सह संबंधित निर्वाचन पदाधिकारी रेशमा रेखा मिंज ने निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान बीडीओ ने एसआईआर अभियान की प्रगति की समीक्षा करते हुए निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों का शत-प्रतिशत पालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि शुद्ध एवं त्रुटिरहित मतदाता सूची लोकतंत्र की मजबूती का आधार है। सभी राजनीतिक दल निष्पक्ष एवं पारदर्शी तरीके से पुनरीक्षण कार्य में सहयोग करें, ताकि पात्र मतदाताओं का नाम सूची में जुड़ सके और अपात्र अथवा दोहरे नाम वाले मतदाताओं का नियमानुसार निष्पादन किया जा सके। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को प्राप्त दावों एवं आपत्तियों का समयबद्ध निष्पादन करने का निर्देश दिया। बैठक में नए मतदाताओं के पंजीकरण, नाम एवं पता संशोधन सहित अन्य प्रक्रियाओं पर विस्तार से चर्चा हुई। सभी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों ने भी निर्वाचन कार्य में पूर्ण सहयोग का भरोसा दिया। बैठक में सुशांत कुमार, तस्लीम खान, अशोक प्रसाद, शकील खान, अनंत कुमार, हरिनाथ पुर्ति, उज्ज्वल कुमार, हयूम खान सहित कई लोग उपस्थित थे।

महुआडांड़ में 'नशा मुक्त भारत अभियान' के तहत सप्ताहभर चला जागरूकता अभियान

महुआडांड़। संत जेवियर्स महाविद्यालय, महुआडांड़ में 23 से 30 जून तक "नशा मुक्त भारत अभियान—विकसित भारत की पहचान" के तहत विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। अभियान का संचालन महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. फादर एम. के. जोश के मार्गदर्शन में किया गया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को नशे के दुष्परिणामों से अवगत कराया गया। जागरूकता वीडियो प्रदर्शन, सिग्नेचर अभियान, शपथ ग्रहण, बाइक रैली, मानव श्रृंखला एवं समूह चर्चा जैसे कार्यक्रम आयोजित किए गए। विद्यार्थियों ने 'नशा मुक्ति मित्र' के रूप में पंजीकरण भी कराया। 29 जून को आयोजित विशेष कार्यक्रम में जनजातीय एवं कांग्रेस नेता अजीत पाल कुजूर मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने युवाओं से नशे से दूर रहने तथा समाज में जागरूकता फैलाने की अपील की। प्राचार्य डॉ. एम. के. जोश ने कहा कि नशा व्यक्ति ही नहीं, पूरे परिवार और समाज को कमजोर करता है। विकसित भारत का निर्माण तभी संभव है जब युवा शिक्षित, अनुशासित और नशामुक्त हों। उन्होंने अभियान की सफलता के लिए शिक्षकों एवं विद्यार्थियों की सराहना की।

एसआईआर को लेकर प्रखंड के सभी विद्यालयों में चला जनजागरूकता अभियान

गिद्धौर। विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्यक्रम के तहत मंगलवार को प्रखंड के सभी विद्यालयों में मतदाता सूची पुनरीक्षण को लेकर व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाया गया। अभियान में विद्यालयों के प्रधानाध्यापक, बीएलओ, जनप्रतिनिधियों, बुद्धिजीवियों एवं ग्रामीणों ने भाग लेकर मतदाता सूची को शुद्ध एवं अद्यतन बनाने के लिए लोगों को जागरूक किया। अभियान के दौरान लोगों को मतदाता सूची में नया नाम जोड़ने, नाम हटाने, संशोधन कराने तथा त्रुटियों के सुधार के लिए निर्धारित प्रपत्र (फॉर्म) भरने और समय पर जमा करने की प्रक्रिया की विस्तार से जानकारी दी गई। उपस्थित लोगों से अपील की गई कि वे अपने परिवार तथा आसपास के पात्र मतदाताओं को भी इस अभियान से जोड़ें, ताकि कोई भी योग्य नागरिक मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने से वंचित न रहे। वक्ताओं ने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए शुद्ध, अद्यतन एवं त्रुटिरहित मतदाता सूची अत्यंत आवश्यक है। इसके लिए सभी नागरिकों का सहयोग जरूरी है। छात्र-छात्राओं को भी अपने अभिभावकों एवं ग्रामीणों को मतदाता जागरूकता अभियान से जोड़ने के लिए प्रेरित किया गया। इस अवसर पर बीएलओ कांति कुमारी, कविता कुमारी, ममता देवी, चंचला देवी, यदुनंदन पांडेय, गेंदो रविदास, संतोष सेठ, सुनील कुमार, मुखिया डेगन गंझू सहित विभिन्न विद्यालयों के शिक्षक, बुद्धिजीवी, जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

ग्रामीणों की मौजूदगी में सहमति पत्र के बाद संपन्न हुई शादी

टंडवा (चतरा)। थाना क्षेत्र के किसुनपुर गांव में मंगलवार को करीब तीन वर्षों से चल रहे प्रेम संबंध का सुखद अंत विवाह के रूप में हुआ। ग्रामीणों और दोनों परिवारों की मौजूदगी में युवक ने अपनी प्रेमिका की मांग में सिंदूर भरकर उसे पत्नी के रूप में स्वीकार कर लिया। जानकारी के अनुसार, किसुनपुर निवासी 27 वर्षीय प्रकाश महतो (पिता- वकील महतो) और 21 वर्षीय सीता कुमारी (पिता- बालदेव महतो) के बीच पिछले तीन वर्षों से प्रेम संबंध था। बताया जाता है कि पिछले कुछ समय से दोनों के रिश्ते में दूरियां आने लगी थीं, जिससे युवती और उसके परिजन चिंतित थे। सोमवार देर रात तेज बारिश और आंधी के बीच दोनों जंगल में मिले थे। इसी दौरान ग्रामीणों को इसकी जानकारी मिली और वे मौके पर पहुंच गए। ग्रामीणों के पहुंचते ही युवक घबराकर अपना मोबाइल और कुछ सामान वहीं छोड़कर भाग निकला। मंगलवार सुबह यह मामला पूरे इलाके में चर्चा का विषय बन गया। इसके बाद दोनों पक्षों के परिजनों एवं ग्रामीणों की मौजूदगी में घंटों तक बातचीत हुई। भविष्य में किसी प्रकार का विवाद न हो, इसके लिए स्टांप पेपर पर लिखित सहमति पत्र तैयार किया गया। सभी की सहमति के बाद युवक प्रकाश महतो ने सीता कुमारी की मांग में सिंदूर भरकर विवाह की रस्म पूरी की। इस दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे और नवदंपती को आशीर्वाद दिया।

हूल दिवस पर सिदो-कान्हू के चित्र पर माल्यार्पण कर दी गई श्रद्धांजलि

डीसी व एसपी ने वीर शहीदों के बलिदान को किया नमन

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। हूल दिवस के अवसर पर समाहरणालय परिसर लोहरदगा में उपायुक्त संदीप कुमार मीना और पुलिस अधीक्षक सादिक अनवर रिजवी सहित जिला प्रशासन के पदाधिकारियों एवं कर्मियों द्वारा महान स्वतंत्रता सेनानी वीर शहीद सिधो-कान्हू के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

इस अवसर पर उपायुक्त ने कहा कि सिधो-कान्हू ने अन्याय, शोषण एवं ब्रिटिश शासन के विरुद्ध समाज को संगठित कर ऐतिहासिक हूल आंदोलन का नेतृत्व किया। उनका साहस, त्याग और बलिदान आज भी हम सभी के लिए प्रेरणास्रोत है। हूल दिवस हमें अपने वीर शहीदों के संघर्ष, स्वाभिमान एवं राष्ट्र के प्रति उनके समर्पण को स्मरण करने का अवसर प्रदान करता है। कार्यक्रम के दौरान पुलिस अधीक्षक सादिक अनवर रिजवी, उप विकास आयुक्त राज महेश्वरम, पीडी आइटीडीए सुषमा नीलम सोरेंग, उप निर्वाचन पदाधिकारी संजय कुमार, अनुमण्डल पदाधिकारी अमित कुमार, एसडीपीओ श्रद्धा केरकेट्टा, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी शिवनन्दन बड़ाईक, जिला भू-अर्जन पदाधिकारी अंगरनाथ स्वर्णकार, जिला पंचायत राज पदाधिकारी अंजना दास समेत अन्य पदाधिकारी व कर्मी उपस्थित थे।

उपायुक्त की अध्यक्षता में जिला स्तरीय अनुमोदन समिति की बैठक संपन्न

साइकिल वितरण योजना के तहत 5810 छात्र-छात्राओं को मिलेगा लाभ

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। उपायुक्त संदीप कुमार मीना की अध्यक्षता में समाहरणालय सभाकक्ष में कल्याण विभाग अंतर्गत साइकिल वितरण योजना के वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए जिला स्तरीय अनुमोदन समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रखंड स्तर से प्राप्त एवं अनुमोदित लाभुकों की सूची पर विस्तृत चर्चा की गई।

समिति द्वारा सभी प्रस्तावों की समीक्षा के उपरांत सर्वसम्मति से कुल 5810 छात्र-छात्राओं को साइकिल वितरण योजना का लाभ प्रदान किए जाने के प्रस्ताव का अनुमोदन किया गया। उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि योजना का क्रियान्वयन निर्धारित समय-सीमा के भीतर पारदर्शी एवं सुचारू रूप से सुनिश्चित किया जाए, ताकि पात्र छात्र-छात्राओं को समय पर योजना का लाभ मिल सके।

बैठक में पीडी आईटीडीए सुषमा नीलम सोरेंग, जिला कल्याण पदाधिकारी सरस्वती कच्छप सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू का कुडू दौरा आज, कार्यकर्ताओं संग करेंगे बैठक

कुडू। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू बुधवार, 1 जुलाई को कुडू दौरे पर रहेंगे। निर्धारित कार्यक्रम के तहत वे क्षेत्र के एक निजी शिक्षण संस्थान में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होने के बाद कुडू-रांची मुख्य पथ स्थित संजय ढाबा परिसर के सभागार में दोपहर 1 बजे से भाजपा नेताओं एवंकार्यकर्ताओं के साथ संगठनात्मक बैठक करेंगे। भाजपा युवा मोर्चा के मंडल अध्यक्ष सरजू कुमार साहू ने यह जानकारी देते हुए बताया कि बैठक में प्रदेश अध्यक्ष के साथ प्रदेश एवं जिला स्तर के कई वरिष्ठ पदाधिकारी भी उपस्थित रहेंगे। बैठक में संगठन की मजबूती, आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा, बूथ स्तर तक पार्टी के विस्तार तथा कार्यकर्ताओं के साथ संवाद जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की जाएगी। उन्होंने बताया कि प्रदेश अध्यक्ष के आगमन को लेकर स्थानीय कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल है।

आम के पेड़ से गिरकर 12 वर्षीय बालक गंभीर रूप से घायल, रिम्स रेफर

लोहरदगा। जिले के एकागुरी अखड़ा टोली गांव में मंगलवार सुबह एक दर्दनाक हादसा सामने आया है, जहां आम के पेड़ से गिरकर 12 वर्षीय एक बालक गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल बच्चे की पहचान अरविंद मुंडा (पिता- विश्वनाथ मुंडा) के रूप में हुई है। मिली जानकारी के अनुसार, घटना सुबह लगभग 9:00 बजे की है। अरविंद मुंडा आम के पेड़ पर चढ़ा था, तभी अचानक संतुलन बिगड़ने के कारण वह नीचे गिर गया और उसे गंभीर चोटें आईं। घटना के तुरंत बाद परिजन और स्थानीय लोग उसे आनन-फानन में इलाज के लिए सदर अस्पताल लेकर पहुंचे। सदर अस्पताल के डॉक्टरों ने बालक की गंभीर स्थिति को देखते हुए तुरंत उसकी जांच की और प्राथमिक उपचार दिया। हालांकि, चोटें अधिक गंभीर होने के कारण डॉक्टरों ने बेहतर इलाज के लिए उसे रिम्स रांची रेफर कर दिया है। बताया जा रहा है कि घायल अरविंद मुंडा के पिता विश्वनाथ मुंडा पेशे से मजदूर हैं और मजदूरी करके अपने परिवार का भरण-पोषण करते हैं। अचानक हुई इस दुर्घटना से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है।

एनएच-143 ए जलजमाव से बना तालाब, पहली बारिश ने ही खोली निर्माण की पोल

- **सेन्हा प्रखंड मुख्यालय के समीप नारकीय स्थिति, छत्तीसगढ़-ओडिशा जाने वाले राहगीर परेशान**
- **सांसद प्रतिनिधि की शिकायत पर डीसी ने दिया त्वरित समाधान का भरोसा**

नवीन मेल संवाददाता

सेन्हा (लोहरदगा)। लोहरदगा-गुमला मुख्य पथ (एनएच-143ए) के निर्माण से प्रखंड वासियों को सुगम आवागमन की उम्मीद तो जगी थी, लेकिन निर्माण कार्य में तकनीकी मानकों की अनदेखी अब भारी पड़ने लगी है। क्षेत्र में पिछले दो दिनों से हो रही रुक-रुक कर बारिश के कारण यह राष्ट्रीय राजमार्ग पहली ही बारिश में तालाब में तब्दील हो गया है। स्थिति यह है कि सेन्हा प्रखंड मुख्यालय से महज 200 मीटर की दूरी पर मुख्य पथ पर भारी जलजमाव हो गया है, जिससे स्थानीय ग्रामीणों के साथ-साथ घाघरा, गुमला समेत पड़ोसी राज्य छत्तीसगढ़ और ओडिशा जाने वाले मुसाफिरों को आवागमन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। यह जलजमाव विभाग के दावों और स ड़क निर्माण की गुणवत्ता की पोल खोल रहा है। सड़क पर घुटने भर पानी जमा होने के कारण दोपहिया वाहन चालक और पैदल यात्री सबसे अधिक प्रभावित हैं। बड़े वाहनों के गुजरने के दौरान गंदा पानी राहगीरों पर उड़ रहा है, जिससे आए दिन विवाद की स्थिति बन रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि समय रहते जल निकासी का स्थायी विकल्प नहीं तलाशा गया, तो पानी के दबाव से सड़क पर बड़े-बड़े गड्ढे उभर आएंगे, जिससे किसी बड़ी दुर्घटना की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता।

शो-पीस साबित हो रहीं लाखों की लागत से बनी नालियां

गौरतलब है कि एनएच निर्माण के दौरान भविष्य में जलजमाव की स्थिति से निपटने के लिए सड़क के दोनों किनारों पर नालियों का निर्माण कराया गया था। परंतु, ढाल सही न होने और तकनीकी खामियों के कारण ये नालियां पूरी तरह से निष्प्रभावी साबित हो रही हैं। नालियों के जाम होने से सारा पानी सड़क पर ही जमा हो रहा है, जो ठेकेदार और संबंधित विभाग की कार्यशैली पर गंभीर सवालिया निशान खड़ा करता है।

सांसद प्रतिनिधि ने उपायुक्त को फोन कर दी जानकारी

मुख्य पथ की बदहाली और राहगीरों की दुर्दशा को देखते हुए स्थानीय ग्रामीणों ने इसकी शिकायत सेन्हा प्रखंड के सांसद प्रतिनिधि नंदकिशोर शुक्ला से की। सूचना मिलते ही सांसद प्रतिनिधि ने तत्काल प्रभावित स्थल का दौरा कर स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने मौके से ही दूरभाष के माध्यम से लोहरदगा के उपायुक्त संदीप कुमार मीणा को वस्तुस्थिति से अवगत कराया। मामले की गंभीरता को देखते हुए उपायुक्त ने आश्वस्त किया है कि आम जनों व राहगीरों को इस समस्या से तत्काल राहत दिलाने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।

एसआईआर का शुभारंभ, डीसी ने किया बूथों का निरीक्षण

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। भारत निर्वाचन आयोग के निदेशानुसार विशेष गहन पुनरीक्षण -2026 का कार्य आज से जिले में प्रारंभ हो गया। इसके मद्देनजर उपायुक्त-सह-जिला निर्वाचन पदाधिकारी संदीप कुमार मीना ने नगर परिषद क्षेत्र के बंग्ला रोड स्थित आइशा कछी उर्दू बालिका विद्यालय में स्थापित बूथ संख्या 272, 273 एवं 274 का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने संबंधित बीएलओ, बीएलओ सुपरवाइजर तथा विभिन्न राजनीतिक दलों के बूथ लेवल एजेंट से विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य (एसआईआर)की प्रगति एवं तैयारियों की जानकारी ली। उन्होंने बीएलओ को निर्देश दिया कि सभी मतदाताओं के बीच गणना प्रपत्रों का वितरण शीघ्रता से सुनिश्चित करें, ताकि मतदाता प्रपत्र भरकर एवं हस्ताक्षर कर समय पर बीएलओ को उपलब्ध करा सकें। उपायुक्त ने बूथ लेवल एजेंटों से भी अपील की कि वे मतदाताओं को विशेष गहन पुनरीक्षण के महत्व से अवगत कराएं तथा निर्वाचन आयोग के इस महत्वपूर्ण अभियान में सक्रिय सहयोग प्रदान करें। 5 अगस्त 2026 को प्रारूप मतदाता सूची का प्रकाशन किया जाना है। निरीक्षण के दौरान बीएलओ को बीएलओ एप के माध्यम से गणना प्रपत्र जनरेट करने, आवश्यक मार्किंग करने, डेटा अपलोड करने सहित अन्य तकनीकी प्रक्रियाओं की भी जानकारी दी गई, ताकि कार्य का निष्पादन सुचारु एवं समयबद्ध ढंग से किया जा सके। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक सादिक अनवर रिजवी, पीडी आइटीडीए सुषमा नीलम सोरेंग, अनुमण्डल पदाधिकारी अमित कुमार, उप निर्वाचन पदाधिकारी संजय कुमार, एसडीपीओ श्रद्धा केरकेट्टा, संबंधित एईआरओ सहित निर्वाचन कार्य से जुड़े अन्य पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

हेसल में हिंडालको के ट्रकों से लगे भीषण जाम में घंटों फंसी रही एंबुलेंस

मरीज जिंदगी और मौत के बीच जूझता रहा

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। सदर प्रखंड के हेसल गांव में हिंडालको कंपनी के बॉक्साइट ट्रकों के कारण प्रतिदिन लगने वाले भीषण जाम ने आम लोगों का जीवन बेहाल कर दिया है। मंगलवार सुबह करीब 10:30 बजे जाम की भयावह स्थिति तब सामने आई, जब एक एंबुलेंस घंटों तक जाम में फंसी रही। एंबुलेंस में सवार मरीज जिंदगी और मौत से जूझ रहा था। मामले की जानकारी मिलते ही लोहरदगा के अनुमंडल पदाधिकारी अमित कुमार ने तत्काल हस्तक्षेप किया, जिसके बाद एंबुलेंस को जाम से बाहर निकाला जा सका। इस घटना ने हेसल में लंबे समय से चली आ रही यातायात अव्यवस्था और हिंडालको कंपनी की कार्यशैली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि हेसल गांव में हिंडालको कंपनी के बॉक्साइट लदे हजारों ट्रक मुख्य सड़क पर घंटों खड़े रहते हैं, जिससे सड़क पूरी तरह जाम हो जाती है। इसका खामियाजा स्थानीय लोगों के साथ-साथ चंदवा, चतरा, गया, लातेहार, डालटनगंज समेत अन्य क्षेत्रों की ओर आने-जाने वाले यात्रियों को भी भुगतना पड़ता है। कई यात्रियों की ट्रेन छूट जाती है, जबकि स्कूली बच्चे रोजाना घंटों जाम में फंसने को मजबूर रहते हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि हिंडालको कंपनी को केवल अपने व्यवसाय और मुनाफे की चिंता है, जबकि आम जनता की परेशानियों से उसका कोई सरोकार नहीं दिखता। लोगों का कहना है कि यदि कंपनी हेसल में अपना संचालन जारी रखना चाहती है तो ट्रकों के लिए अलग से पार्किंग यार्ड की व्यवस्था करनी होगी। मुख्य सड़क को ट्रकों का अस्थायी पार्किंग स्थल बनाकर यातायात बाधित करना न तो उचित है और न ही नियमों के अनुरूप। जाम का असर ट्रक चालकों और खलासियों पर भी पड़ रहा है। उनका कहना है कि उन्हें सुबह तीन-चार बजे से ही जाम में फंसे रहना पड़ता है। कई बार घंटों तक वाहन आगे नहीं बढ़ पाते, जिससे उन्हें भूख-प्यास के बीच सड़क पर ही इंतजार करना पड़ता है। स्थानीय लोगों का यह भी कहना है कि लोहरदगा ट्रक यूनियन के पदाधिकारियों को भी इस गंभीर समस्या पर आगे आकर हिंडालको कंपनी से जवाब मांगना चाहिए। क्योंकि सबसे अधिक परेशानी ट्रक चालकों और खलासियों को ही उठानी पड़ रही है। ग्रामीणों के अनुसार हेसल में यह स्थिति कोई एक दिन की नहीं है, बल्कि लगभग प्रतिदिन इसी तरह का जाम लगता है। बावजूद इसके अब तक न तो कंपनी ने ट्रकों के लिए स्थायी पार्किंग की व्यवस्था की है और न ही जाम की समस्या के समाधान के लिए कोई ठोस पहल की गई है। स्थानीय लोगों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि हेसल में लगने वाले जाम की समस्या का स्थायी समाधान कराया जाए तथा हिंडालको कंपनी को ट्रकों के लिए अलग पार्किंग स्थल विकसित करने का निर्देश दिया जाए, ताकि आम लोगों, स्कूली बच्चों, मरीजों और यात्रियों को रोजाना होने वाली परेशानियों से राहत मिल सके।

दृष्टिपात

अतिक्रमण हटाने के नोटिस से गरीब ठेला और फुटपाथ दुकानदारों की बढ़ी चिंता

कुडू। कुडू बस स्टैंड क्षेत्र में सार्वजनिक भूमि पर अतिक्रमण के आरोप में प्रशासन द्वारा जारी किए जा रहे नोटिसों ने ठेला, खोमचा एवं फुटपाथ पर दुकान लगाकर जीवनयापन करने वाले गरीब दुकानदारों की चिंता बढ़ा दी है। हाल के दिनों में अंचल कार्यालय की ओर से झारखंड सार्वजनिक भूमि अतिक्रमण अधिनियम के तहत कई लोगों को नोटिस जारी कर निर्धारित तिथि पर अपना पक्ष रखने का निर्देश दिया गया है। नोटिस मिलने के बाद छोटे दुकानदारों और ठेला व्यवसायियों में असमंजस की स्थिति बनी हुई है। कई लोग अपनी स्थिति स्पष्ट करने के लिए प्रशासनिक कार्यालय का चक्कर लगा रहे हैं। प्रभावित दुकानदारों का कहना है कि वे वर्षों से सड़क किनारे अथवा खाली पड़ी जगहों पर छोटी दुकान लगाकर अपने परिवार का भरण-पोषण करते आ रहे हैं। यदि उन्हें वहां से हटा दिया जाता है तो उनके सामने रोजी-रोटी का गंभीर संकट उत्पन्न हो जाएगा। इस संबंध में कुडू अंचलाधिकारी संतोष उरांव ने बताया कि बस स्टैंड परिसर में यात्री वाहनों के खड़े होने के लिए निर्धारित स्थान पर अतिक्रमण किए जाने की लगातार शिकायत मिलने पर जिला परिषद की ओर से नोटिस जारी किया गया है। उन्होंने कहा कि 4 जुलाई के बाद अंतिम नोटिस देकर अतिक्रमणकारियों को स्वयं अतिक्रमण हटाने का निर्देश दिया जाएगा। इसके बाद भी अतिक्रमण नहीं हटाने पर नियमानुसार कानूनी प्रक्रिया के तहत भूमि को अतिक्रमणमुक्त कराया जाएगा। इधर स्थानीय लोगों का कहना है कि प्रशासन को अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई के साथ गरीब दुकानदारों के पुनर्वास एवं वैकल्पिक व्यवस्था पर भी गंभीरता से विचार करना चाहिए।

सड़क दुर्घटना में घायल होने के 13 दिन बाद जिंदगी की जंग हार गया फिरोज

कुडू। नशे में वाहन चलाने की लापरवाही ने एक और परिवार की खुशियां छीन लीं। कुडू के हमीदनगर निवासी नासिर अंसारी के 35 वर्षीय पुत्र फिरोज अंसारी ने दुर्घटना के लगभग 13 दिन बाद रांची स्थित रिम्स में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। घटना के बाद क्षेत्र में शोक की लहर है। जानकारी के अनुसार 17 जून को दोपहर करीब डेढ़ बजे फिरोज अंसारी अपनी पत्नी और दो बच्चों के साथ किसी कार्य से लोहरदगा जा रहे थे। इसी दौरान पीछे से तेज रफ्तार में आ रही काले रंग की अपाचे बाइक संख्या जेएच08के-5467 ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार अपाचे मोटरसाइकिल पर तीन युवक सवार थे और वे नशे की हालत में थे। परिजनों ने टक्कर मारने वालों की पहचान ननतिलो स्थित संत चार्ल्स स्कूल के समीप रहने वाले सत्तार अंसारी के पुत्र खुर्शीद अंसारी एवं उसके दो साथियों के रूप में की थी। दुर्घटना के बाद तीनों युवक मौके से फरार हो गए। मृतक का परिवार आर्थिक रूप से काफी कमजोर बताया जा रहा है, जिससे परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। दर्दनाक बात यह है कि इससे पूर्व मार्च 2025 में फिरोज के छोटे भाई अफरोज अंसारी की टाटी स्थित एक वेल्डिंग दुकान में काम करने के दौरान रहस्यमय परिस्थितियों में मौत हो गई थी। एक वर्ष के भीतर परिवार के दो जवान बेटों की मौत ने परिजनों को गहरे सदमे में डाल दिया है। क्षेत्र के लोग भी इस परिवार पर आए दुखों के इस पहाड़ को देखकर भावुक हैं।

नशे की रफ्तार ने छीनी एक और जान, कड़ी कार्रवाई की मांग तेज : इस घटना ने एक बार फिर नशे में वाहन चलाने की बढ़ती प्रवृत्ति पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। क्षेत्र के लोगों का कहना है कि शराब और अन्य नशीले पदार्थों के सेवन के बाद वाहन चलाने वालों के खिलाफ नियमित जांच और कठोर कार्रवाई नहीं होने के कारण ऐसे हादसे लगातार हो रहे हैं। लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि नशे में वाहन चलाने वालों के विरुद्ध विशेष अभियान चलाकर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए, ताकि किसी अन्य परिवार को इस तरह की त्रासदी का सामना न करना पड़े।

हूल दिवस पर सिदो-कान्हू सहित सभी अमर शहीदों को कांग्रेसजनों ने दी भावभीनी श्रद्धांजलि

लोहरदगा। जिला कांग्रेस कमेटी, लोहरदगा के जिलाध्यक्ष सुखैर भगत के नेतृत्व में मंगलवार को कांग्रेस कार्यालय राजेन्द्र भवन, लोहरदगा में हूल दिवस श्रद्धा एवं सम्मान के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत वीर क्रांतिकारी सिद्धू-कान्हू के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर की गई। इस अवसर पर संथाल हूल (विद्रोह) के अमर शहीद सिद्धू, कान्हू, चांद एवं भैरव सहित सभी आदिवासी वीर नायकों को नमन करते हुए उनके अद्वितीय साहस, बलिदान एवं संघर्ष को स्मरण किया गया। इसके उपरांत आयोजित विचार गोष्ठी में वक्ताओं ने हूल विद्रोह के ऐतिहासिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह केवल एक विद्रोह नहीं, बल्कि जल, जंगल, जमीन, स्वाभिमान और सामाजिक न्याय की रक्षा के लिए लड़ा गया भारत के प्रथम जनआंदोलनों में से एक था। अंग्रेजी शासन एवं जमींदारी शोषण के विरुद्ध सिद्धू-कान्हू, चांद एवं भैरव ने जिस अदम्य साहस और वीरता का परिचय दिया, वह आज भी देशवासियों के लिए प्रेरणा का स्रोत है। जिलाध्यक्ष सुखैर भगत ने कहा कि हूल दिवस हमें अपने वीर शहीदों के त्याग, संघर्ष और बलिदान को स्मरण करने का अवसर प्रदान करता है। सिद्धू-कान्हू, चांद एवं भैरव ने अंग्रेजी शासन और जमींदारी शोषण के विरुद्ध संघर्ष कर देशवासियों में स्वतंत्रता की चेतना जगाई। उनका बलिदान भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन की मजबूत नींव बना। आज आवश्यकता है कि हम उनके बताए संघर्ष, समानता और सामाजिक न्याय के मार्ग पर चलने का संकल्प लें। कांग्रेस पार्टी सदैव आदिवासी समाज के अधिकारों, सम्मान और संवैधानिक मूल्यों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध रही है। प्रदेश प्रतिनिधि नेसार अहमद ने कहा कि संथाल हूल भारतीय इतिहास का स्वाभिमान और जनप्रतिरोध का गौरवशाली अध्याय है। जिला उपाध्यक्ष मोहन दुबे ने कहा कि हूल विद्रोह ने देश में स्वतंत्रता की चेतना का नया संचार किया था। आदिवासी वीरों का संघर्ष हमें अन्याय के विरुद्ध एकजुट होकर आवाज उठाने की प्रेरणा देता है। उनके त्याग और बलिदान को देश कभी भुला नहीं सकता। कार्यक्रम में मुख्य रूप से प्रदेश प्रतिनिधि नेसार अहमद, जिला उपाध्यक्ष मोहन दुबे, जिला महासचिव सदरुल अंसारी, जिला सोशल मीडिया प्रभारी प्रकाश उराँव, ओबीसी स्टेट कोऑर्डिनेटर संतोष महतो, युवा जिलाध्यक्ष दानिश अली, हरी भगत, हाजी सिकन्दर, परवेज अंसारी सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसजन एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जिला परिषद की बैठक | विकास योजनाओं की प्रगति व जनसमस्याओं पर हुई विस्तृत समीक्षा

लंबित मामलों का शीघ्र निष्पादन सुनिश्चित करने के दिए निर्देश

- **जिप सदस्यों ने अपने-अपने क्षेत्रों की जनहित से जुड़ी विभिन्न समस्याओं को प्रमुखता से उठाया**

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। जिला परिषद अध्यक्ष सुखदेव उराँव की अध्यक्षता में जिला परिषद सभागार में जिला परिषद की बैठक आयोजित की गई। बैठक की शुरुआत पिछली बैठक में दिए गए निर्देशों के अनुपालन की बिंदुवार समीक्षा से हुई। इस दौरान लंबित मामलों का शीघ्र निष्पादन सुनिश्चित करने के लिए संबंधित विभागों के पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

बैठक में जिला परिषद सदस्यों ने अपने-अपने क्षेत्रों की जनहित से जुड़ी विभिन्न समस्याओं को प्रमुखता से उठाया। किस्को प्रखंड के भड़गांव, चांपी एवं बेड़ा टोली में अधूरी पड़ी हर घर नल-जल योजना, सड़क एवं नाली निर्माण कार्यों को शीघ्र पूरा कराने, पुराने चापाकलों की मरम्मत कराने तथा प्रत्येक प्रखंड में पुस्तकालयों को पुनः संचालित करने की मांग की गई। साथ ही नंदलाल प्लस टू विद्यालय, अरू से अंग्रेजी शिक्षक की उपलब्धता सुनिश्चित करने का आग्रह किया गया। बैठक में धार्मिक स्थलों, श्मशान घाटों एवं कब्रिस्तानों तक पहुंच मार्गों तथा हाथियों के आवागमन वाले वन क्षेत्रों से होकर गुजरने वाली सड़कों के किनारे सोलर लाइट लगाने, गाय शेड निर्माण कराने, बेटहट गांव से पेशरार रोड तथा बक्सीडीपा से मिशन चौक तक नाली निर्माण कराने पर चर्चा हुई। इसके अतिरिक्त बारिश के कारण सड़क किनारे एवं विद्यालय परिसरों में जलजमाव की समस्या तथा उससे फैलने वाली बीमारियों की रोकथाम के लिए संबंधित विभागों को प्रभावी कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। बैठक में जिले में बढ़ रही सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम, पुल एवं सड़क निर्माण कार्यों में निम्न गुणवत्ता की सामग्री के उपयोग संबंधी शिकायतों की जांच कराने, प्रधानमंत्री आवास योजना के लाभुकों की राशि गलत खातों में स्थानांतरित होने के मामलों का सत्यापन एवं सुधार, सदर अस्पताल में रात्रिकालीन चिकित्सीय व्यवस्था सुदृढ़ करने, स्वैच्छिक रक्तदान शिविर आयोजित करने तथा शून्य से पांच वर्ष तक के सभी बच्चों को पल्स पोलियो की खुराक शत-प्रतिशत पिलाने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। बैठक में उप विकास आयुक्त राज महेश्वरम, जिला परिषद उपाध्यक्ष विनोद उराँव, सांसद प्रतिनिधि साजिद अहमद, जिला परिषद सदस्य रीना कुमारी (कुडू पश्चिमी), संदीप कुमार (किस्को), गंगोत्री देवी (कुडू पूर्वी), रूबी कुमारी (पेशरार), राजमनी देवी (भंडरा), सभी प्रखंड प्रमुखों सहित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय पदाधिकारी उपस्थित थे।

गला रेतकर निर्मम हत्या, खेत में मिला शव

- **भड़गांव खलवीटोली में युवक की हाईटेंशन टावर के पास मिला शव, हत्या के कारणों की जांच में जुटी पुलिस**

नवीन मेल संवाददाता

भरनो (गुमला)। भरनो थाना क्षेत्र के भड़गांव खलवीटोली गांव में मंगलवार सुबह एक युवक का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। गांव से कुछ दूरी पर हाईटेंशन बिजली टावर के समीप खेत में युवक का शव बरामद हुआ। मृतक की पहचान जटू उरांव (30) के रूप में हुई है। आशंका जताई जा रही है कि अज्ञात अपराधियों ने धारदार हथियार से गला रेतकर उसकी हत्या करने के बाद शव को खेत में फेंक दिया। ग्रामीणों के अनुसार, मंगलवार सुबह खेत की ओर गए लोगों ने हाईटेंशन टावर के पास शव पड़ा देखा। सूचना मिलते ही आसपास के लोगों की भीड़ जुट गई। मृतक की पहचान होने के बाद परिजनों को सूचना दी गई। घटना की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। सूचना मिलने पर थाना प्रभारी संतोष कुमार सिंह के नेतृत्व में भरनो पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए और आसपास के लोगों से पूछताछ की। इसके बाद शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल, गुमला भेज दिया गया। बताया जाता है कि मृतक के पिता सुकरा उरांव गांव के भंडारी हैं। घटना के बाद पूरे गांव में दहशत और शोक का माहौल है। ग्रामीणों ने हत्या में शामिल अपराधियों की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग की है। थाना प्रभारी संतोष कुमार सिंह ने बताया कि हत्या के सभी पहलुओं की गंभीरता से जांच की जा रही है। पुलिस आपसी रंजिश, पुरानी दुश्मनी समेत अन्य संभावित बिंदुओं पर जांच कर रही है। उन्होंने कहा कि जल्द ही मामले का खुलासा कर आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

जिले के सभी 995 मतदान केंद्रों पर विशेष गहन पुनरीक्षण-2026 का शुभारंभ

- **मतदाता सूची शुद्धिकरण अभियान में नागरिकों ने बढ़-चढ़कर निभाई सहभागिता**

नवीन मेल संवाददाता

गुमला। राज्य निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार मंगलवार से गुमला जिले में मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर)-2026 अभियान का शुभारंभ हो गया। यह अभियान 30 जून से 29 जुलाई तक जिले के सभी विधानसभा क्षेत्रों में संचालित किया जाएगा। अभियान के पहले दिन जिले के सभी 995 मतदान केंद्रों पर बूथ लेवल ऑफिसर्स (बीएलओ), निर्वाचक निबंधन पदाधिकारियों तथा स्थानीय नागरिकों की उपस्थिति में कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान मतदाता सूची में नए नाम जोड़ने, त्रुटियों के सुधार, नाम विलोपन तथा आवश्यक प्रपत्रों की जानकारी लोगों को दी गई। बड़ी संख्या में नागरिकों ने अपने-अपने मतदान केंद्रों पर पहुंचकर अभियान में भागीदारी निभाई। जनजागरूकता के लिए जिले के विद्यालयों में रैली, चित्रकला, भाषण एवं निबंध प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। वहीं सोशल मीडिया पर भी विशेष हैशटैग अभियान चलाकर मतदाता सूची शुद्धिकरण के प्रति लोगों को जागरूक किया गया। जिला प्रशासन ने सभी पात्र नागरिकों से अपील की है कि वे बीएलओ के डोर-टू-डोर सर्वे में सहयोग करें तथा मतदाता सूची में अपने नाम एवं विवरण का सत्यापन कर आवश्यक प्रपत्र समय पर जमा करें।

दृष्टिपात

अंजन धाम से लौट रहे दंपति की सड़क हादसे में मौत

गुमला। अंजन धाम से पूजा-अर्चना कर स्कूटी से घर लौट रहे एक दंपति की मंगलवार को सड़क हादसे में मौत हो गई। ढलान पर स्कूटी अनियंत्रित होकर सड़क पर गिर जाने से दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से उन्हें तत्काल सदर अस्पताल लाया गया, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद दोनों को मृत घोषित कर दिया। मृतकों की पहचान लक्ष्मी उरांव (38) और उनके पति गुरुदत्त उरांव (42) के रूप में हुई है। परिजनों के अनुसार, दोनों मंगलवार को अंजन धाम में बजरंगबली के दर्शन एवं पूजा-अर्चना के लिए गए थे। दर्शन के बाद घर लौटने के दौरान एक ढलान पर उनकी स्कूटी अनियंत्रित होकर सड़क पर गिर गई। हादसे में दोनों को गंभीर चोटें आईं। घटना की सूचना मिलते ही परिजन एवं स्थानीय लोग सदर अस्पताल पहुंच गए। चिकित्सकों द्वारा दोनों को मृत घोषित किए जाने के बाद परिवार में कोहराम मच गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। बताया गया कि दंपति परिवार की महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभा रहे थे। उनके असामयिक निधन से पूरे परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है।

स्कूटी सवार को बचाने के प्रयास में पलटा पिकअप वाहन, चालक सुरक्षित

चैनपुर (गुमला)। चैनपुर थाना क्षेत्र के छतरपुर और बिदोरा के बीच मंगलवार को स्कूटी सवार को बचाने के प्रयास में पेंट लदा एक पिकअप वाहन अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गया। हादसे में चालक सुरक्षित बच गया। जानकारी के अनुसार, पेंट लेकर चैनपुर की ओर आ रहा पिकअप (संख्या जेएच-01बीबी-3135) अचानक सामने आए स्कूटी सवार को बचाने के दौरान अनियंत्रित होकर पलट गया। वाहन में भारी मात्रा में पेंट लदा हुआ था। घटना की सूचना मिलते ही चैनपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और यातायात व्यवस्था सामान्य कराई। पुलिस मामले की जांच कर रही है। राहत की बात रही कि दुर्घटना में किसी को गंभीर चोट नहीं आई।

भरनो के स्कूल चौक सर्विस रोड पर दो बाइकों की टक्कर, युवक-युवती घायल

भरनो (गुमला)। रांची-गुमला मुख्य मार्ग (एनएच-23) पर भरनो थाना क्षेत्र के स्कूल चौक सर्विस रोड में मंगलवार दोपहर दो बाइकों की आमने-सामने टक्कर में एक युवक और एक युवती घायल हो गए। स्थानीय लोगों की तत्परता से दोनों घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भरनो पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उन्हें घर भेज दिया। जानकारी के अनुसार, सुपा गांव निवासी 19 वर्षीय अंजली कुमारी और हाटू गांव निवासी 18 वर्षीय कुलदीप उरांव एक ही बाइक से सुपा से हाटू जा रहे थे। इसी दौरान स्कूल चौक स्थित सर्विस रोड पर बैंक मोड़ की ओर से अचानक दूसरी बाइक आ गई, जिससे दोनों वाहनों के बीच जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में अंजली और कुलदीप सड़क पर गिरकर घायल हो गए, जबकि दूसरी बाइक सवार को मामूली चोट आई और वह मौके से चला गया। घटना की सूचना मिलते ही भरनो थाना पुलिस अस्पताल पहुंची और घायलों से पूछताछ कर दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी। स्थानीय लोगों ने स्कूल चौक और बैंक मोड़ के आसपास यातायात व्यवस्था सुदृढ़ करने तथा वाहन चालकों से सावधानीपूर्वक वाहन चलाने की अपील की है।

युवक ने खाया कीटनाशक, सदर अस्पताल में भर्ती

गुमला। सदर थाना क्षेत्र के पुग्गू घासीटोली निवासी एक युवक ने घरेलू विवाद के बाद कथित तौर पर कीटनाशक का सेवन कर लिया। गंभीर हालत में परिजनों ने उसे सदर अस्पताल में भर्ती कराया, जहां चिकित्सकों की निगरानी में उसका इलाज चल रहा है। जानकारी के अनुसार, पुग्गू घासीटोली निवासी दीपक बड़ा (36) को शराब पीने की लत है, जिसके कारण घर में अक्सर विवाद होता रहता था। मंगलवार को उसकी पत्नी ने उसे शराब छोड़ने और नशे से दूर रहने की सलाह दी। परिजनों का कहना है कि इसी बात से आहत होकर दीपक ने घर में रखा कीटनाशक खा लिया। कुछ ही देर बाद उसकी तबीयत बिगड़ने लगी। परिजनों ने तत्काल उसे सदर अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉ. असीम मिंज की देखरेख में उपचार शुरू किया गया। चिकित्सकों के अनुसार मरीज की स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है। घटना के बाद परिवार में चिंता का माहौल है। स्थानीय लोगों ने अत्यधिक शराब सेवन को परिवार और समाज के लिए नुकसानदायक बताते हुए लोगों से नशे से दूर रहने तथा किसी भी परिस्थिति में आवेश में आकर ऐसा कदम नहीं उठाने की अपील की।

रामन्या फाउंडेशन ने 150 मेधावी विद्यार्थियों को टैबलेट व छात्रवृत्ति देकर किया सम्मानित

गुमला। शिक्षा के क्षेत्र में ग्रामीण प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से रामन्या फाउंडेशन द्वारा गुमला के लथुरन मिडिल स्कूल में प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में फाउंडेशन की प्रतिभा छात्रवृत्ति परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 150 मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। सफल विद्यार्थियों को डिजिटल शिक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से टैबलेट प्रदान किए गए। इसके अलावा विभिन्न श्रेणियों के अनुसार 500 से 1500 रुपये तक की छात्रवृत्ति भी वितरित की गई। सम्मान मिलने पर विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों में उत्साह का माहौल रहा। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में विद्यालय के प्रधानाचार्य सुशील कुमार तथा फाउंडेशन के निदेशक राम सिंह उपस्थित थे। अतिथियों ने विद्यार्थियों को सम्मानित करते हुए उन्हें शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर आगे बढ़ने और लक्ष्य निर्धारित कर मेहनत करने के लिए प्रेरित किया। राम सिंह ने कहा कि प्रतिभा छात्रवृत्ति परीक्षा बच्चों में आत्मविश्वास विकसित करने और उनकी प्रतिभा को निखारने का प्रभावी माध्यम है। उन्होंने कहा कि फाउंडेशन भविष्य में भी ग्रामीण क्षेत्रों के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, छात्रवृत्ति और आधुनिक तकनीकी संसाधनों से जोड़ने के लिए कार्य करता रहेगा। कार्यक्रम को सफल बनाने में प्रोजेक्ट हेड राज किशोर भगत, प्रबंधक शंभू कुमार, जितेंद्र कुमार तथा जिला समन्वयक भूपेश, वीरेंद्र और संजय की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

जल, जंगल और जमीन की रक्षा को लेकर पालकोट में ग्राम सभा आयोजित

पालकोट (गुमला)। पालकोट प्रखंड के डहुपानी पंचायत अंतर्गत रोकेडेगा गांव में मंगलवार को आदिवासी-मूलवासी ग्रामीणों एवं प्रभावित वन रक्षा समिति के तत्वावधान में ग्राम सभा का आयोजन किया गया। बैठक में जल, जंगल और जमीन की रक्षा, वन अधिकारों की सुरक्षा तथा ग्राम सभाओं को सशक्त बनाने पर विस्तार से चर्चा हुई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि समाजसेवी प्रिया मुंडा एवं विशिष्ट अतिथि अरविंद मिश्रा और विजय मुंडा उपस्थित रहे। डहुपानी पंचायत के मुखिया कमल पहान, कुलूकेरा पंचायत के मुखिया धनेश्वर नगेशिया सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण शामिल हुए। सभा में वक्ताओं ने कहा कि प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा तथा विकास योजनाओं में ग्राम सभा की सहभागिता सुनिश्चित की जानी चाहिए। स्थानीय लोगों को प्राथमिकता के आधार पर रोजगार उपलब्ध कराने और वन अधिकारों की रक्षा पर भी जोर दिया गया। मुख्य अतिथि प्रिया मुंडा ने कहा कि जल, जंगल और जमीन आदिवासी समाज की पहचान और जीवन का आधार हैं। इनके संरक्षण के लिए ग्रामीणों को संगठित होकर अपने संवैधानिक अधिकारों के प्रति जागरूक रहना होगा। बैठक में वन रक्षा समितियों को मजबूत बनाने, ग्राम सभाओं की भूमिका बढ़ाने तथा विकास योजनाओं के क्रियान्वयन में स्थानीय सहभागिता सुनिश्चित करने की मांग की गई। अंत में उपस्थित लोगों ने जल, जंगल, जमीन और संवैधानिक अधिकारों की रक्षा के लिए संगठित होकर कार्य करने का संकल्प लिया।

मतदाता सूची से कोई न छूटे : कांग्रेस ने तेज किया बूथ अभियान

घाघरा (गुमला)। 'चलो बूथ, आज अपने मतदान केंद्र चलें' अभियान के तहत मंगलवार को कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने घाघरा प्रखंड के विभिन्न मतदान केंद्रों का भ्रमण कर ग्रामीणों के साथ बैठक की। इस दौरान मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान तथा एन्यूमरेशन फॉर्म भरने की प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी दी गई। अभियान में झारखंड प्रदेश कांग्रेस सचिव सीमा सीता एक्का, जिला उपाध्यक्ष सह विधानसभा प्रभारी रोहित उरांव, जिला सचिव सह मंडल प्रभारी फिरोज आलम, एसआईआर कोऑर्डिनेटर अनिरुद्ध चौबे, प्रखंड अध्यक्ष आदित्य भगत, पंचायत अध्यक्ष, बीएलए, बीएलए-2 के सदस्य एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण शामिल हुए। इस दौरान बूथ संख्या 176, 177, 186, 187, 188 एवं 189 का निरीक्षण किया गया। प्रदेश सचिव सीमा सीता एक्का ने कहा कि जिन मतदाताओं का नाम वर्तमान मतदाता सूची में दर्ज है, उन्हें एन्यूमरेशन फॉर्म अवश्य मिलेगा। उन्होंने सभी मतदाताओं से समय पर फॉर्म भरकर जमा करने की अपील की। विधानसभा प्रभारी रोहित उरांव ने कहा कि फॉर्म भरने में किसी भी प्रकार की परेशानी होने पर बीएलए एवं बीएलए-2 के सदस्य हर संभव सहयोग करेंगे।

एडवांस केयर हॉस्पिटल पर इलाज में लापरवाही का आरोप, गंभीर हालत में मरीज रिम्स रेफर

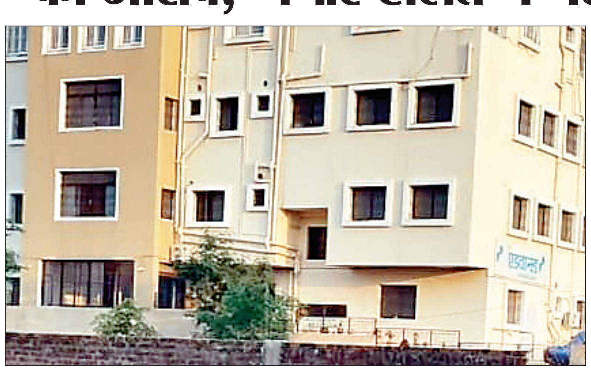

नवीन मेल संवाददाता

गुमला। शहर के गोकुल नगर स्थित एडवांस केयर हॉस्पिटल एक बार फिर विवादों के घेरे में है। इस बार सिसई प्रखंड के निमडा गांव निवासी एक मरीज के परिजनों ने अस्पताल प्रबंधन एवं चिकित्सक पर इलाज में गंभीर लापरवाही का आरोप लगाया है। परिजनों का दावा है कि मरीज की बिगड़ती स्थिति की जानकारी उन्हें समय पर नहीं दी गई और दो दिनों में 30 से 35 हजार रुपये खर्च कराने के बाद गंभीर अवस्था में मरीज को रिम्स रेफर कर दिया गया।

परिजनों के अनुसार, मरीज की तबीयत बिगड़ने पर उसे पहले सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया था। बेहतर इलाज की उम्मीद में बाद में एडवांस केयर हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। आरोप है कि भर्ती के समय अस्पताल प्रबंधन ने बेहतर उपचार का भरोसा दिलाया, लेकिन इलाज के दौरान मरीज की वास्तविक स्थिति और स्वास्थ्य संबंधी जानकारी परिजनों से साझा नहीं की गई।

मरीज की बहन वैजयंती देवी ने बताया कि रविवार शाम करीब पांच बजे वह अस्पताल पहुंचीं और चिकित्सक से मिलकर मरीज की रिपोर्ट एवं स्वास्थ्य की जानकारी लेना चाही, लेकिन उन्हें न तो डॉक्टर से मिलने दिया गया और न ही रिपोर्ट दिखाई गई। इसके बाद वह वापस घर लौट गईं।

उन्होंने बताया कि सोमवार सुबह करीब 10 बजे दोबारा अस्पताल पहुंचने पर मरीज की हालत काफी गंभीर हो चुकी थी। इसी दौरान अस्पताल कर्मियों ने रिम्स रेफर करने की प्रक्रिया शुरू कर दी। परिजनों का आरोप है कि जब उन्होंने इसकी वजह पूछी तो अस्पताल कर्मियों ने केवल ₹सॉरी₹ कहकर अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ लिया।

परिजनों का कहना है कि यदि मरीज की हालत लगातार बिगड़ रही थी तो इसकी सूचना पहले ही दे दी जानी चाहिए थी, ताकि समय रहते बेहतर चिकित्सा व्यवस्था की जा सकती। उनका आरोप है कि अस्पताल ने इलाज के नाम पर 30 से 35 हजार रुपये खर्च कराए और बाद में मरीज को गंभीर स्थिति में रिम्स रेफर कर दिया। सोमवार दोपहर करीब 12 बजे परिजन मरीज को बेहतर इलाज के लिए रिम्स लेकर रवाना हो गए। एडवांस केयर हॉस्पिटल प्रबंधन की ओर से इस मामले में कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया प्राप्त नहीं हो सकी थी। अस्पताल का पक्ष प्राप्त नहीं हो सका।

हल्की बारिश में ही डूब गया एनएच-143ए, जलजमाव से राहगीर और दुकानदार परेशान

- **जल निकासी व्यवस्था पर उठे सवाल, स्थानीय लोगों ने स्थायी समाधान की मांग की**

नवीन मेल संवाददाता

घाघरा (गुमला)। प्रखंड मुख्यालय से होकर गुजरने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग-143ए पर मंगलवार की हल्की बारिश ने ही सड़क निर्माण और जल निकासी व्यवस्था की पोल खोल दी। बारिश रुकने के बाद भी सड़क के कई हिस्सों में घंटों तक पानी जमा रहा, जिससे राहगीरों, वाहन चालकों और दुकानदारों को भारी परेशानी उठानी पड़ी।

जलजमाव के कारण तेज रफ्तार वाहनों से उछलने वाले गंदे पानी के छींटे पैदल राहगीरों पर पड़ते रहे। वहीं दुकानदारों का कहना है कि दुकानों के सामने पानी भर जाने से ग्राहकों की आवाजाही प्रभावित हो रही है, जिससे कारोबार पर भी असर पड़ रहा है।

स्थानीय लोगों का आरोप है कि सड़क किनारे समुचित नाली नहीं होने के कारण हर बारिश में यही स्थिति उत्पन्न होती है। कई बार संबंधित विभाग को शिकायत देने के बावजूद अब तक कोई स्थायी समाधान नहीं किया गया है।

ग्रामीणों ने जिला प्रशासन एवं संबंधित विभाग से शीघ्र जल निकासी व्यवस्था दुरुस्त कराने, सड़क किनारे नालियों का निर्माण कराने तथा जलजमाव वाले स्थानों की मरम्मत कराने की मांग की है।

हूल दिवस पर ज्ञान निकेतन में सिदो-कान्हू समेत अमर शहीदों को श्रद्धांजलि

- **विद्यार्थियों ने जाना संथाल हूल आंदोलन का इतिहास, आदर्शों पर चलने का लिया संकल्प**

नवीन मेल संवाददाता

बिशुनपुर (गुमला)। ज्ञान निकेतन, विकास भारती बिशुनपुर में मंगलवार को हूल दिवस श्रद्धा, सम्मान और जनजातीय गौरव के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में अमर क्रांतिकारी सिदो-कान्हू, चांद-भैरव तथा अन्य वीर शहीदों के संघर्ष और बलिदान को याद करते हुए उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर विद्यार्थियों को संथाल हूल आंदोलन के इतिहास एवं उसके महत्व से अवगत कराया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि महेंद्र भगत एवं मुख्य वक्ता कुमकुम मैत्रा ने सिदो-कान्हू की तस्वीर पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर किया। इसके बाद छात्राओं ने संथाल हूल आंदोलन के इतिहास, उद्देश्य और स्वतंत्रता संग्राम में उसके योगदान पर आधारित प्रेरक वक्तव्य प्रस्तुत किए। उन्होंने बताया कि 30 जून 1855 को शुरू हुआ यह आंदोलन अंग्रेजी शासन और शोषण के विरुद्ध आदिवासी समाज के स्वाभिमान, जल, जंगल और जमीन की रक्षा का ऐतिहासिक संघर्ष था।

मुख्य अतिथि महेंद्र भगत ने कहा कि हूल दिवस साहस, आत्मसम्मान और सामाजिक न्याय का प्रतीक है। सिदो-कान्हू एवं उनके साथियों ने अपने प्राणों की आहुति देकर समाज को अधिकारों की रक्षा के लिए संघर्ष का संदेश दिया। उन्होंने विद्यार्थियों से उनके आदर्शों को जीवन में अपनाकर राष्ट्र निर्माण में योगदान देने का आह्वान किया।

मुख्य वक्ता कुमकुम मैत्रा ने कहा कि इतिहास हमें अपनी जड़ों से जोड़ता है। हूल आंदोलन अन्याय के विरुद्ध संगठित होकर संघर्ष करने की प्रेरणा देता है। उन्होंने विद्यार्थियों से शिक्षा, अनुशासन और नैतिक मूल्यों को अपनाते हुए अपने इतिहास और संस्कृति पर गर्व करने की अपील की।

कार्यक्रम के दौरान विद्यालय परिसर देशभक्ति और जनजातीय अस्मिता के भाव से ओत-प्रोत रहा। छात्र-छात्राओं ने शहीदों के आदर्शों पर चलने तथा समाज और राष्ट्र के प्रति अपने दायित्वों का ईमानदारी से निर्वहन करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

एसआईआर अभियान के तहत कांग्रेस जिलाध्यक्ष ने बूथों का किया निरीक्षण

नवीन मेल संवाददाता

गुमला। विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर)-2026 अभियान के तहत मंगलवार को जिला कांग्रेस अध्यक्ष, सांसद प्रतिनिधि एवं दिशा सदस्य राजनील तिग्गा ने गुमला विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न मतदान केंद्रों का निरीक्षण कर मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्य की प्रगति का जायजा लिया।

उन्होंने बूथ संख्या 207, 208, 209, 210, 152, 149 एवं 150 का निरीक्षण कर बीएलए से नए मतदाताओं का नाम जोड़ने, त्रुटियों के सुधार तथा पात्र मतदाताओं का सत्यापन कार्य की जानकारी ली। उन्होंने अभियान को पूरी पारदर्शिता और गंभीरता से संचालित करने पर बल दिया।

राजनील तिग्गा ने कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत बनाने की महत्वपूर्ण प्रक्रिया है। कांग्रेस का प्रत्येक बीएलए अपने बूथ पर सक्रिय रहकर यह सुनिश्चित करेगा कि कोई भी पात्र मतदाता सूची से वंचित न रहे।

विधानसभा प्रभारी अजय शर्मा ने कहा कि अभियान की सफलता में बीएलए की भूमिका महत्वपूर्ण है। उन्होंने कार्यकर्ताओं को बूथ स्तर पर सक्रिय रहकर मतदाताओं की समस्याओं के समाधान और आवश्यक संशोधन कार्य में सहयोग करने का निर्देश दिया।

निरीक्षण के दौरान जिला उपाध्यक्ष सुजीत जायसवाल, प्रखंड प्रभारी विजय ठाकुर, प्रखंड अध्यक्ष गुलाम सरवर, बीएलए-2 संगियस तिर्की, दिलीप भगत, रोशन प्रकाश, नेहा तिग्गा, तुरतन, राजदीप कुजूर, जयंती कुजूर, दिव्य पूनम टोप्पो, फुलवती कुजूर, सारोन सोरेंग सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे।

मुहर्रम के उपलक्ष्य में सिसई में नुमाइश खेल का आयोजन

सिसई (गुमला)। मुहर्रम के उपलक्ष्य में रहमत नगर सिसई में पारंपरिक नुमाइश खेल का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सेंट्रल मुहर्रम कमेटी के अध्यक्ष राशीद करीम ने की, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में सिसई विधायक जिग्गा सुसारण होरो उपस्थित रहे। कार्यक्रम का उद्घाटन अंजुमन फलाहुल मुस्लिमीन के सदर हाजी सलमान अली एवं सचिव शमशामुल हक ने फीता काटकर किया। प्रतियोगिता में कुल 27 टीमों ने भाग लिया, जिसमें सुरसा की टीम प्रथम, भवाल टोली (गुमला) द्वितीय तथा अकाशी की टीम तृतीय स्थान पर रही। विधायक जिग्गा सुसारण होरो ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन युवाओं में अनुशासन, साहस और सामाजिक एकता की भावना को मजबूत करते हैं। उन्होंने आयोजन समिति की सराहना करते हुए कहा कि युवाओं ने अपनी मेहनत से इस पारंपरिक खेल को फिर से जीवंत किया है।

विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान को लेकर कांग्रेस ने चलाया जागरूकता अभियान

नवीन मेल संवाददाता

गुमला। विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान के तहत मंगलवार को बिशुनपुर विधानसभा क्षेत्र के घाघरा प्रखंड के विभिन्न मतदान केंद्रों पर कांग्रेस की ओर से मतदाता जागरूकता अभियान चलाया गया। अभियान का उद्देश्य पात्र नागरिकों का नाम मतदाता सूची में सुनिश्चित कर लोकतांत्रिक प्रक्रिया को मजबूत बनाना था। कार्यक्रम में झारखंड प्रदेश कांग्रेस सचिव सीमा सीता एक्का, जिला उपाध्यक्ष सह बिशुनपुर विधानसभा प्रभारी रोहित उरांव, जिला सचिव सह मंडल प्रभारी फिरोज आलम, एसआईआर कोऑर्डिनेटर अनिरुद्ध चौबे, प्रखंड अध्यक्ष आदित्य भगत, पंचायत अध्यक्ष, बीएलओ, बीएलए-2 एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे। नेताओं ने विभिन्न बूथों का निरीक्षण कर मतदाता सूची के सत्यापन कार्य का जायजा लिया तथा लोगों से अपने नाम की जांच कर आवश्यक संशोधन समय पर कराने की अपील की। प्रदेश कांग्रेस सचिव सीमा सीता एक्का ने कहा कि प्रत्येक पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में दर्ज होना लोकतंत्र की मजबूती की आधारशिला है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से घर-घर जाकर लोगों को विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के प्रति जागरूक करने का आह्वान किया। जिला उपाध्यक्ष रोहित उरांव ने कहा कि बूथ संगठन की सबसे महत्वपूर्ण इकाई है। उन्होंने बीएलओ एवं बीएलए के साथ समन्वय स्थापित कर नए मतदाताओं का नाम जोड़ने तथा मतदाता सूची को त्रुटिरहित बनाने पर जोर दिया। जिला सचिव फिरोज आलम ने कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ता प्रत्येक बूथ पर सक्रिय रहकर अभियान को सफल बनाएंगे। उन्होंने मतदाताओं से किसी भी प्रकार की त्रुटि मिलने पर संबंधित अधिकारियों को तत्काल सूचना देने की अपील की।

डाईर जतरा टांड़ में हुल दिवस पर वीर शहीदों को श्रद्धांजलि

- **सिद्दू-कान्हू, चांद-भैरव और फूलो-झानो के संघर्ष व बलिदान को किया गया नमन**

नवीन मेल संवाददाता

भरनो (गुमला)। प्रखंड के दक्षिणी भरनो पंचायत स्थित ऐतिहासिक डाईर जतरा टांड़ में मंगलवार को 21 पड़हा समिति भरनो के तत्वावधान में हुल दिवस श्रद्धा, सम्मान और पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता 21 पड़हा राजा मुकेश उरांव ने की। कार्यक्रम की शुरुआत स्वतंत्रता संग्राम के महानायक सिद्दू-कान्हू, चांद-भैरव तथा वीरांगना फूलो-झानो की तस्वीरों पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर की गई। इसके बाद उपस्थित लोगों ने दो मिनट का मौन रखकर हुल आंदोलन के अमर शहीदों को श्रद्धांजलि दी। पारंपरिक आदिवासी रीति-रिवाजों के अनुसार पूजा-अर्चना कर समाज की सुख-समृद्धि, शांति और एकता की कामना की गई।

अपने संबोधन में मुकेश उरांव ने कहा कि हुल दिवस केवल स्मरण का दिन नहीं, बल्कि जल, जंगल और जमीन की रक्षा, स्वाभिमान तथा अन्याय के विरुद्ध संघर्ष का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि सिद्दू-कान्हू, चांद-भैरव और फूलो-झानो का त्याग और बलिदान आज भी समाज के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने युवाओं से अपने इतिहास, संस्कृति और महापुरुषों के आदर्शों को आत्मसात कर समाज की एकता को मजबूत करने का आह्वान किया।

वक्ताओं ने कहा कि 30 जून 1855 को शुरू हुआ हुल आंदोलन देश के प्रारंभिक जनविद्रोहों में से एक था, जिसने अंग्रेजी शासन की नींव हिला दी थी। शहीदों के बलिदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता और आने वाली पीढ़ियों तक उनके संघर्ष की गाथा पहुंचाना समाज का दायित्व है।

कार्यक्रम का समापन शहीदों के बताए मार्ग पर चलने और सामाजिक एकता को मजबूत बनाने के संकल्प के साथ हुआ। मौके पर बिरसा उरांव, जुगल उरांव, ललित पहान, नगवा पहान, जोगी उरांव, अनिल उरांव, सुदर्शन महली, तिजुवा उरांव, फूलकुमारी उरांव, सरिता उरांव, प्रकाश बड़ाइक, शनीराम भगत, बप्पी उरांव, लूथरू उरांव, रंजीत उरांव, चरकु उरांव, शुशांति उरांव सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

राष्ट्रीय नवीन मेल

नागरिकता पर सवाल व समाधान

इंडिया

सुनील बादल
कार्यकारी संपादक

विदेश मंत्रालय ने पासपोर्ट पर एक पुराने नियम का स्पष्टीकरण क्या दिया सोशल मीडिया वीरों ने मोर्चा खोल दिया और चर्चा में भीड़ कूद पड़ी। पश्चिमी देशों के उलट भारत में राशन कार्ड, आधार कार्ड, वोटर आईडी कार्ड, पैन कार्ड से लेकर हर काम के लिए अलग कार्ड हैं जिसका इस्तेमाल पहचान पत्र की तरह होता रहा है पर घुसपैठियों द्वारा फर्जीवाड़ा कर नागरिकता लेने के जब से मामले उजागर हुए हैं तब से सरकार रोकथाम के लिए नियमों के पालन के साथ चोर दरवाजों को बंद करने का प्रयास कर रही है। विदेश मंत्रालय द्वारा यह स्पष्ट किया जाना कि भारतीय पासपोर्ट नागरिकता का अंतिम अथवा निर्णायक प्रमाणपत्र नहीं है, ऐसा ही एक अवसर है। यह कथन विधिक दृष्टि से भले असाधारण न हो, किंतु लोकतांत्रिक मानस में इसने एक स्वाभाविक जिज्ञासा उत्पन्न कर दी है कि यदि पासपोर्ट भी भारतीय होने का अंतिम प्रमाण नहीं है, तो फिर वह क्या है, जिसके आधार पर भारतीय राज्य अपने नागरिक को पहचानता है और नागरिक स्वयं को भारतीय कहने का नैतिक और वैधानिक आश्वासन प्राप्त करता है?यह प्रश्न आज इसलिए अधिक महत्वपूर्ण है, क्योंकि आधुनिक राज्य की सबसे बड़ी शक्ति उसके शस्त्रागार में नहीं, बल्कि उसकी अभिलेखीय स्मृति में निहित होती है। राज्य अपने नागरिकों को पहचानता कैसे है? क्या वह उन्हें उनके जीवन-वृत्त, जन्म, परिवार, सामाजिक उपस्थिति और सार्वजनिक सहभागिता के माध्यम से जानता है, अथवा उनसे समय-समय पर यह अपेक्षा करता है कि वे स्वयं ही अपने अस्तित्व का प्रमाण प्रस्तुत करें? भारतीय संविधान के निर्माताओं ने नागरिकता को केवल प्रशासनिक विषय नहीं माना था। संविधान का भाग-II भारत के लिए नागरिकता प्रावधानों से संबंधित है, जिसके अंतर्गत अनुच्छेद पांच से ग्यारह तक की व्यवस्था वस्तुतः विभाजन की त्रासदी, विस्थापन की पीड़ा और नवोदित गणराज्य की आशाओं के बीच एक राजनीतिक समुदाय के पुनर्निर्माण का दस्तावेज है। संविधान निर्माताओं ने यह समझ लिया था कि भारत की नागरिकता किसी एक रक्तरेखा, भाषा, पंथ या नस्ल पर आधारित नहीं हो सकती। अनुच्छेद 11 के अंतर्गत संसद ने नागरिकता अधिनियम, 1955 बनाया। इस अधिनियम ने नागरिकता अर्जित करने के विभिन्न आधार निर्धारित किए, जैसे-जन्म, वंश, पंजीकरण, देशीयकरण और क्षेत्रीय विलय। किंतु, स्वतंत्र भारत की विधिक यात्रा का एक रोचक तथ्य यह है कि सात दशकों से अधिक समय बीत जाने के बाद भी भारत ऐसा कोई एक दस्तावेज विकसित नहीं कर पाया है, जिसे नागरिकता का सार्वभौमिक और अंतिम प्रमाणपत्र कहा जा सके।यदि हमारे पास पासपोर्ट है, मतदाता पहचान पत्र है, आधार है, पैन है, जन्म प्रमाणपत्र है, विद्यालयी अभिलेख हैं, भूमि के कागजात हैं, परंतु इनमें से कोई भी स्वयं में नागरिकता का अंतिम साक्ष्य नहीं है। इसका अर्थ यह नहीं कि राज्य भ्रमित है, बल्कि इसका अर्थ यह है कि भारतीय नागरिकता की अवधारणा मूलतः दस्तावेजों के योग से अधिक एक विधिक निष्कर्ष है। किंतु, लोकतांत्रिक दृष्टि से यह स्थिति कुछ प्रश्न भी उत्पन्न करती है। पासपोर्ट सामान्य भारतीय के लिए राज्य की सबसे प्रतिष्ठित स्वीकृतियों में से एक है। उसके निर्गमन से पहले विस्तृत सत्यापन होता है। विदेश में वही दस्तावेज व्यक्ति की भारतीय पहचान का प्रतिनिधित्व करता है। यदि उसके बाद भी नागरिकता का प्रश्न खुला रह सकता है, तो यह आवश्यक हो जाता है कि नागरिकता के प्रमाणन की भारतीय व्यवस्था पर नए सिरे से विचार किया जाए। सर्वोच्च न्यायालय ने भी नागरिकता के प्रश्न को केवल कागजी विवाद नहीं माना है। सर्बानंद सोनोवाल बनाम भारत संघ (2005) मामले में न्यायालय ने अवैध प्रवासन को गंभीर राष्ट्रीय चुनौती माना। वहीं चकमा समुदाय से जुड़े मामलों में न्यायालय ने राज्य को यह स्मरण कराया कि विधिक प्रक्रिया की कठोरता मानवीय गरिमा के प्रति असंवेदनशील नहीं हो सकती। असम की राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (एनआरसी) प्रक्रिया ने हमें यह अनुभव भी कराया कि जब राज्य की अभिलेखीय स्मृति अपूर्ण होती है, तब उसका भार अंततः साधारण नागरिक के कंधों पर आ जाता है। कई लोगों को अपनी नागरिकता साबित करने के लिए दशकों पुराने दस्तावेजों की तलाश करनी पड़ी, जबकि अनेक परिवारों की अलग-अलग पीढ़ियां प्रशासनिक निर्णयों में असंगति के कारण भिन्न-भिन्न निष्कर्षों और कठिनाइयों का सामना करती रहीं। इससे एक मौलिक प्रश्न खड़ा हुआ कि क्या लोकतंत्र का आदर्श नागरिक वह है, जिसे अपने ही देश में अपने अस्तित्व का प्रमाण बार-बार प्रस्तुत करना पड़े? अन्य देशों के अनुभव इस संदर्भ में विचारणीय हैं। अमेरिका, ब्रिटेन, जर्मनी, फ्रांस और कनाडा ने नागरिकता की अभिलेखीय संरचना को अपेक्षाकृत अधिक व्यवस्थित बनाया है। वहां जन्म पंजीकरण लगभग सार्वभौमिक है और नागरिकता प्रमाणन के औपचारिक साधन उपलब्ध हैं। भारत की परिस्थितियां इन देशों से भिन्न हैं। यहां विशाल जनसंख्या, ऐतिहासिक विस्थापन, सीमावर्ती प्रवासन और सामाजिक विषमताएं प्रशासनिक जटिलताओं को बढ़ाती हैं। किंतु, यही कारण है कि भारत को नागरिकता के प्रश्न पर अधिक संवेदनशील और सुसंगत व्यवस्था विकसित करनी होगी। नागरिकता का प्रश्न दस्तावेजों का नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक विश्वास का है।

विचार प्रवाह

अनंत परमेश्वर के साथ की प्रेमलीला ही सर्वोच्च है। आपको कल्पना भी नहीं है कि जीवन कितना सुंदर हो सकता है। जब आप अचानक ईश्वर को सर्वत्र पाते हैं, जब वे आपको दर्शन देते हैं और आपसे बातें करते हैं और आपका मार्गदर्शन करते हैं, तब ईश्वरीय प्रेमलीला शुरु हो जाती है। - **स्वामी विवेकानंद जी**

विशेष गहन पुनरीक्षण से पुश्तैनी जमीन जायदाद से बेदखल करने का डर कितना उचित ?

आज की बात

कृष्णमोहन सिंह

जब कोई गरीब, मजदूर या हाशिए का नागरिक इन दस्तावेजों को दुरुस्त कराने सरकारी दफ्तरों में जाता है, तो उसे व्यापक नौकरशाही अड़ंगेबाजी, लालफीताशाही और खुलेआम तरह-तरह की मांगों का सामना करना पड़ता है

विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान ने बुनियादी अधिकार पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। वर्तमान में देश के 19 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में चल रही इस प्रक्रिया के अंतर्गत अब तक लगभग 6 करोड़ मतदाताओं के नाम सूची से हटाए जा चुके हैं। कई अखबारों की हालिया रिपोर्ट और राजनीतिक विश्लेषकों के इनपुट के आधार पर इस अभियान के पीछे छिपे प्रशासनिक अड़ंगों, संस्थागत उदासीनता और संभावित दूरगामी राजनीतिक प्रभावों का एक भयावह खाका उभर कर सामने आ रहा है।

प्रशासनिक जटिलतायें व जमीनी अड़ंगेबाजी

जमीनी हकीकत का विश्लेषण करने पर स्पष्ट होता है कि मतदाता सूची से नाम हटने का मुख्य कारण केवल फर्जीवाड़ा या मृत्यु नहीं है, बल्कि दस्तावेजों को जुटाने में आम जनता को होने वाली भारी मुश्किलें हैं। देश के ग्रामीण और पिछड़े इलाकों में आज भी एक बहुत बड़ी आबादी के पास अपनी नागरिकता या निवास को अकाट्य रूप से सिद्ध करने वाले डिजिटल दस्तावेज उपलब्ध नहीं हैं। जब कोई गरीब, मजदूर या हाशिए का नागरिक इन दस्तावेजों को दुरुस्त कराने सरकारी दफ्तरों में जाता है, तो उसे व्यापक नौकरशाही अड़ंगेबाजी, लालफीताशाही और खुलेआम तरह-तरह की मांगों का सामना करना पड़ता है। आधार कार्ड में सुधार, निवास प्रमाण पत्र या जन्म प्रमाण पत्र बनवाने के लिए सैकड़ों रुपये की रिश्वत मांगी जाती है। जो लोग अधिकारियों की इन मांगों को पूरा नहीं कर पाते , उनके दस्तावेज नहीं बनते , जिसके चलते या उसके नहीं होने से समय सीमा के भीतर कागजात पेश नहीं कर पाते, उनके नाम सीधे तौर पर 'अयोग्य' मानकर मतदाता सूची से काट दिए जा रहे हैं। जनता फॉर्म भरने के लिए दफ्तरों के चक्कर काटती रह जाती है, और वहाँ तकनीकी कमियों का बहाना बनाकर उन्हें टरका दिया जाता है।

वैचारिक चयनात्मकता व संस्थागत रवैया

इस पूरी प्रक्रिया में सबसे अधिक चिंताजनक पहलू "वैचारिक और राजनीतिक चयनात्मकता" का उभरना है। विपक्ष व नागरिक समाज के मंचों का सीधा आरोप है कि चुनाव आयोग के डेटा का उपयोग

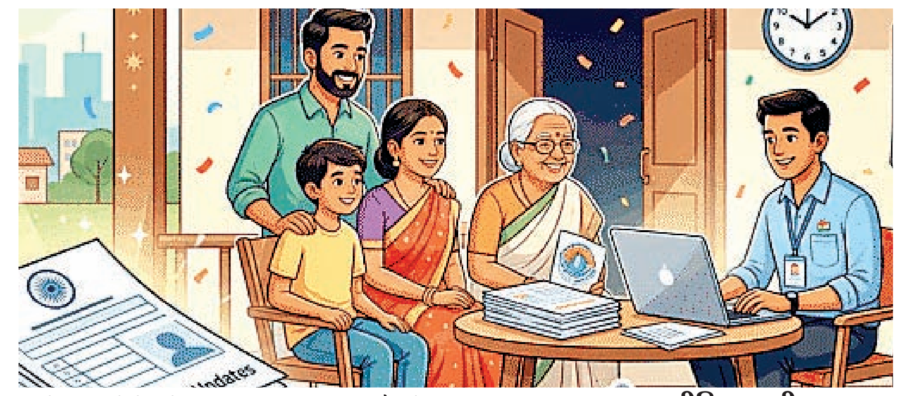

करके उन क्षेत्रों को लक्षित किया जा रहा है जो पारंपरिक रूप से सत्ता विरोधी या विपक्षी विचारधारा के गढ़ रहे हैं। इसका प्रत्यक्ष प्रमाण बिहार और पश्चिम बंगाल के विधानसभा चुनावों से ठीक पहले देखने को मिला था। बिहार में चुनाव से ठीक पहले इस प्रक्रिया के तहत अकेले 65 लाख से अधिक नाम मतदाता सूची से हटा दिए गए। विपक्षी दलों ने तब चिल्ला-चिल्ला कर कहा था कि जब चुनाव सिर पर हों, तब ऐसा अभियान चलाना केवल विपक्ष के वोट बैंक को सिकोड़ने की साजिश है।सबसे बड़ा झटका तब लगा जब मुख्य चुनाव आयुक्त, राज्य चुनाव आयुक्तों और यहाँ तक कि सर्वोच्च न्यायालय तक पहुँचे मामलों में भी संस्थाओं का रवैया वही रहा जो केंद्र सरकार की मंशा थी। निष्पक्षता की उम्मीद की जाने वाली इन संवैधानिक संस्थाओं ने प्रशासनिक फैसलों पर आंखें मूंद लीं, जिससे चुनाव तंत्र की पारदर्शिता पर गहरा प्रश्नचिन्ह लग गया।

पूरे देश में कितने करोड़ नाम कटेंगे?

यदि हम वर्तमान एसआईआर के आंकड़ों का सांख्यिकीय विश्लेषण करें, तो वर्तमान में जिन राज्यों में प्रक्रिया पूरी हुई है, वहाँ औसतन 10.2% से लेकर 11% तक मतदाताओं को सूची से बाहर किया गया है। यदि इसी प्रतिशत (लगभग 10.5%) को पूरे देश की लगभग 145 करोड़ की आबादी में से अनुमानित 100 करोड़ की कुल मतदाता आबादी पर लागू किया जाए, तो यह आंकड़ा बेहद चौंकाने वाला हो जाता है। इसका सीधा मतलब है कि पूरे भारत में 11 करोड़ से लेकर 11.5 करोड़ मतदाताओं के नाम वोटर लिस्ट से काट दिए जाएंगे और वे 2029 में वोट नहीं दे पाएंगे।

2029 का राजनीतिक समीकरण

भारतीय चुनाव प्रणाली 'फर्स्ट-पास्ट-द-पोस्ट' (यानी जिसे एक भी वोट ज्यादा मिले वही विजेता) पर आधारित है, जहां जीत-हार का अंतर अक्सर मात्र 2 से 4 प्रतिशत वोटों का होता है। ऐसे में यदि विपक्ष के 10 प्रतिशत पारंपरिक वोट-जिनमें गरीब, अल्पसंख्यक और वैचारिक विरोधी शामिल हैं-पहले ही सूची से गायब हो जाए , कम हो जाएं, तो 2029 के लोकसभा चुनाव और उसी के साथ प्रस्तावित देश के आधे राज्यों के विधानसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के लिए रास्ता बिल्कुल साफ हो जाएगा। यह राजनीतिक इंजीनियरिंग भाजपा को केंद्र और राज्यों दोनों में ही एक ऐसा प्रचंड और एकतरफा बहुमत (बंदर बहुमत) दिला सकती है, जिसकी कल्पना भी नहीं की गई थी। सीटों का यह भारी असंतुलन विपक्ष को संसद और विधानसभाओं में पूरी तरह अप्रासंगिक और शून्य बना देगा। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यदि विपक्ष लगभग विहीन संसद अस्तित्व में आती है, तो भारत का ढांचा लोकतांत्रिक से बदलकर 'एक दलीय' या 'नियंत्रित लोकतंत्र' जैसा हो जाएगा। यह स्थिति काफी हद तक रूस व चीन के राजनीतिक तंत्र से मेल खाएगी, जहां औपचारिकता के लिए चुनाव तो होते हैं, लेकिन सत्ता परिवर्तन की कोई वास्तविक गुंजाइश नहीं बचती। इसके अलावा, मतदाता सूची से कटे इन लोगों को सरकारी सामाजिक सुरक्षा योजनाओं (जैसे मुफ्त राशन, आवास) से भी बाहर होने का डर होने लगा है, जो इन्हें पूरी तरह नागरिकता विहीन और बेबस बना देगी। और नागरिकता विहित होने का आधार बनाकर अपनी पुश्तैनी जमीन जायदाद से भी बेदखल होने का डर होने लगा है।

मतदाता सूची से गायब होते नाम: एक सांख्यिकीय नजरिया (सिंपल चार्ट)
1. **अब तक 19 राज्यों में काटे गए नाम (SIR प्रक्रिया):** [████████████] **6.0 करोड़** (वर्तमान डेटा)
2. **बिहार में चुनाव से ठीक पहले कटे नाम:** [██] **0.65 करोड़** (65 लाख नाम)
3. **अखिल भारतीय अनुमानित नाम (यदि 10.5% की दर से कटे):**[████████████████████████] **11.5 करोड़** (संभावित मतदाता बाहर)

सेमीकंडक्टर : आत्मनिर्भर भारत की आधारशिला

अलग बात

सत्येंद्र प्रताप सिंह

डिजिटल युग में सेमीकंडक्टर केवल एक औद्योगिक उत्पाद नहीं, बल्कि किसी भी देश की तकनीकी क्षमता, आर्थिक प्रतिस्पर्धा और राष्ट्रीय सुरक्षा का आधार बन चुके हैं। स्मार्टफोन, कंप्यूटर, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), 5जी संचार, इलेक्ट्रिक वाहन, रक्षा प्रणालियां, अंतरिक्ष कार्यक्रम और आधुनिक चिकित्सा उपकरण-इन सभी की धड़कन सेमीकंडक्टर चिप्स हैं। ऐसे में भारत का इस क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनने का प्रयास केवल औद्योगिक नीति नहीं, बल्कि तकनीकी संप्रभुता की दिशा में एक दीर्घकालिक रणनीतिक पहल है। लंबे समय तक भारत वैश्विक सेमीकंडक्टर उद्योग में डिजाइन प्रतिभा का प्रमुख केंद्र तो रहा, लेकिन चिप निर्माण के लिए उसे लगभग पूरी तरह आयात पर निर्भर रहना पड़ा। कोविड-19 के दौरान उत्पन्न वैश्विक चिप संकट ने यह स्पष्ट कर दिया कि यदि किसी देश के पास अपनी निर्माण क्षमता नहीं है तो उसकी उत्पादन व्यवस्था और आर्थिक गतिविधियां गंभीर रूप से प्रभावित हो सकती हैं। इसी पृष्ठभूमि में केंद्र सरकार ने इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन की शुरुआत की। मिशन का सबसे बड़ा उद्देश्य केवल चिप निर्माण नहीं, बल्कि पूरी सेमीकंडक्टर वैल्यू चेन का विकास करना है। इसमें सिलिकॉन वेफर फैब्रिकेशन, चिप डिजाइन, आउटसोर्स्ड सेमीकंडक्टर असेंबली एंड टेस्ट, असेंबली, टेस्टिंग, मार्किंग एवं पैकेजिंग, कंपाउंड सेमीकंडक्टर और आवश्यक कंपोनेंट्स का घरेलू उत्पादन शामिल है। सरकार के अनुसार अब तक 1.64 लाख करोड़ से अधिक निवेश वाली कई परियोजनाओं को मंजूरी दी जा चुकी है, जो भारत के औद्योगिक इतिहास की सबसे बड़ी प्रौद्योगिकी पहलों में गिनी जा रही हैं। इन परियोजनाओं में सबसे महत्वपूर्ण उपलब्धि गुजरात में माइक्रोन टेक्नोलॉजी की इकाई में व्यावसायिक उत्पादन की शुरुआत है। इसके अलावा टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स, पीएसएमसी और केन्स सेमीकॉन की परियोजनाएं निर्माण के उन्नत चरण में हैं। गुजरात के धोलेरा में विकसित हो रही टाटा-पीएसएमसी परियोजना से देश की पहली सिलिकॉन वेफर फैब्रिकेशन सुविधा स्थापित होने की उम्मीद है। गुजरात और राजस्थान में स्वीकृत नई परियोजनाएं यह भी दर्शाती हैं कि सरकार देश के विभिन्न हिस्सों में सेमीकंडक्टर उद्योग का विस्तार करना चाहती है। मिशन का एक महत्वपूर्ण पक्ष डिज़ाइन लिंक्ड इंसेंटिव योजना भी है। भारत पहले से ही चिप डिजाइन के क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर मजबूत प्रतिभा रखता है। इस योजना के माध्यम से अनेक डिजाइन परियोजनाओं को सहायता दी गई है, जिनके परिणामस्वरूप सफल टेप-आउट, पेटेंट आवेदन और फैब्रिकेटेड चिप्स विकसित हुए हैं। साथ ही 1,000 से अधिक विशेष प्रशिक्षित इंजीनियरों को तैयार किया गया है, जो भविष्य में इस उद्योग की रीढ़ बन सकते हैं। सरकार ने केवल चिप निर्माण तक स्वयं को सीमित नहीं रखा है। उत्तर प्रदेश के जेवर में 6,750 करोड़ की लागत से एडवांस्ड प्रिंटेड सर्किट बोर्ड निर्माण परियोजनाओं की आधारशिला रखी गई है। यहां 20 से 22 लेयर तक के हाई-डेंसिटी मल्टी-लेयर पीसीबी बनाए जाएंगे। भारत वर्तमान में प्रतिवर्ष लगभग 40,000 करोड़ मूल्य के ऐसे कंपोनेंट्स का आयात करता है। घरेलू उत्पादन शुरू होने से आयात पर निर्भरता कम होगी और इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण को नई गति मिलेगी। अब सरकार ने इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन 2.0 की घोषणा भी कर दी है, जिसके लिए केंद्रीय बजट 2026-27 में अलग से प्रावधान किया गया है। यदि मिशन 1.0 का लक्ष्य निर्माण क्षमता विकसित करना था, तो मिशन 2.0 का उद्देश्य उससे आगे बढ़कर सेमीकंडक्टर निर्माण उपकरण, विशेष रसायन एवं सामग्री, उन्नत पैकेजिंग तकनीक, कंपाउंड सेमीकंडक्टर, स्वदेशी बौद्धिक संपदा (आईपी), अनुसंधान तथा कौशल विकास को मजबूत करना है। यह भारत को केवल विनिर्माण केंद्र ही नहीं, बल्कि तकनीकी नवाचार का केंद्र बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। अमेरिका, ताइवान, दक्षिण कोरिया और जापान की अग्रणी कंपनियों के साथ भारत का बढ़ता सहयोग भी इस अभियान को नई गति दे रहा है। **(ये लेखक के निजी विचार हैं।)**

आपकी बात

डॉक्टर राष्ट्र को सशक्त बनाने में दे रहे योगदान

संजय सर्राफ

हर वर्ष 1 जुलाई को भारत में राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस,राष्ट्रीय डॉक्टर्स डे मनाया जाता है। यह दिवस देश के महानचिकित्सक, प्रख्यात शिक्षाविद्, स्वतंत्रता सेनानी तथा पश्चिम बंगाल के द्वितीय मुख्यमंत्री डॉ. बिधान चंद्र रॉय की जयंती एवं पुण्यतिथि के अवसर पर मनाया जाता है। संयोगवश उनका जन्म और निधन दोनों ही 1 जुलाई को हुआ था। वर्ष 1991 में भारत सरकार ने उनके अतुलनीय योगदान के सम्मान में 1 जुलाई को राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस के रूप में मनाने की शुरुआत की। इस दिवस का मुख्य उद्देश्य समाज में चिकित्सकों के अमूल्य योगदान के प्रति सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त करना है। डॉक्टर केवल रोगों का उपचार ही नहीं करते, बल्कि लोगों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित भी करते हैं। रोगी की पीड़ा को अपना कर्तव्य मानकर दिन-रात सेवा करना, संकट की घड़ी में जीवन बचाने का प्रयास करना तथा चिकित्सा विज्ञान के माध्यम से मानवता की रक्षा करना डॉक्टरों की सबसे बड़ी पहचान है। चिकित्सक दिवस हमें यह संदेश देता है कि डॉक्टर केवल एक पेशा नहीं, बल्कि सेवा, समर्पण और करुणा का प्रतीक हैं। विशेषकर कोरोना महामारी जैसे कठिन समय में डॉक्टरों ने अपने परिवार और व्यक्तिगत सुख-सुविधाओं की चिंता किए बिना लाखों लोगों का जीवन बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनकी निस्वार्थ सेवा ने पूरे समाज को यह एहसास कराया कि चिकित्सक वास्तव में धरती पर ईश्वर का दूसरा रूप हैं। इस अवसर पर देशभर के अस्पतालों, चिकित्सा संस्थानों, मेडिकल कॉलेजों तथा सामाजिक संगठनों द्वारा सम्मान समारोह, स्वास्थ्य जागरूकता अभियान, निःशुल्क चिकित्सा शिविर, रक्तदान शिविर, संगोष्ठियाँ और जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। इन आयोजनों के माध्यम से उत्कृष्ट कार्य करने वाले चिकित्सकों को सम्मानित किया जाता है तथा आमजन को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया जाता है। राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस का महत्व केवल डॉक्टरों का सम्मान करने तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज में डॉक्टर और मरीज के बीच विश्वास, सहयोग और संवेदनशीलता को मजबूत करना भी इसका प्रमुख उद्देश्य है।

राष्ट्रीय नवीन मेल
धर्म-अध्यात्म

दु:ख या समस्याएं आपके कर्म

श्री श्री परमहंस योगानंद

पिछले गलत कर्मों के बुरे प्रभाव को आप वर्तमान में सही कर्मों को गतिशील करके, उनके अच्छे प्रभावों से प्रभावहीन कर सकते हैं, और इस प्रकार अपने बुरे कर्मों के फलीभूत होने के लिए अनुकूल वातावरण बनने को रोक सकते हैं। जब आप स्वयं को ईश्वर की सन्तान के रूप में पहचान लेते हैं, तब आपका कौन-सा कर्म रह जाता है? ईश्वर का कोई कर्म नहीं है। और जब आप यह जान लेते हैं कि आप उनकी सन्तान हैं, तो आपका भी कोई कर्म नहीं रहता। प्रतिदिन आपको यह प्रतिज्ञापन करना चाहिए, "मैं नश्वर प्राणी नहीं हूं; मैं शरीर नहीं हूं। मैं ईश्वर की सन्तान हूं।" यही ईश्वर की उपस्थिति का अभ्यास है। ईश्वर कर्मों से मुक्त हैं। आपका सृजन उनके प्रतिबिम्ब में हुआ है। आप भी कर्मों से मुक्त हैं। किसी को आपसे यह कहने की अनुमति न दें कि आपके दुःख या समस्याएं आपके कर्म हैं। आप (आत्मा) का कोई कर्म नहीं है। आदि शंकराचार्य ने कहा था: "मैं ब्रह्म के साथ एक हूं; मैं 'वह' हूं।" यदि आप इस सत्य का अनुभव कर लें, तो आप एक देवता हैं। परन्तु यदि आप मानसिक प्रतिज्ञापन करते रहें, "मैं देवता हूं" और मन की पृष्ठभूमि में यह सोचते रहें, "परन्तु ऐसा लगता है कि मैं एक नश्वर प्राणी हूं", तो आप एक नश्वर प्राणी ही हैं। यदि आप जान लें कि आप देवता हैं तो आप मुक्त हैं। "क्या तुम नहीं जानते कि तुम ईश्वर का मन्दिर हो, और ईश्वर की आत्मा तुममें वास करती है। यदि आप ध्यान के द्वारा अपने मन को शुद्ध एवं विस्तारित कर सकें, तथा ईश्वर को अपनी चेतना में ला सकें, तो आप भी रोग, सीमाओं और मृत्यु के भ्रम से मुक्त हो जाएंगे।

-पुस्तक जहां है प्रकाश से साभार

आज का दोहा

सुर जैसे, वैसे रहे, ना बदला अंदाज।
ताज बदलते ही गया, बदल वहां हर राज।।

सोमदत्त शर्मा, गाजियाबाद (उ.प्र.)

रचना भेजिए

समाचारों के संबंध में शिकायत, सुझाव या इस पेज के लिए आर्टिकल कृपया भेजें article.rnmail@gmail.com कॉल/व्हाट्सएप - 82925 53444 -संपादक

फेसबुक वॉल से

एक्स से

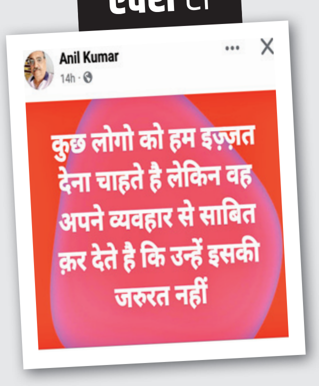

डिजिटल भारत में वरिष्ठ नागरिकों की चुनौतियां

देश की बात

डॉ दीपक प्रसाद

भारत आज तीव्र गति से डिजिटल क्रांति के दौर से गुजर रहा है। सरकारी सेवाओं से लेकर बैंकिंग, स्वास्थ्य, शिक्षा, व्यापार, परिवहन और सामाजिक संवाद तक लगभग हर क्षेत्र डिजिटल माध्यमों पर निर्भर होता जा रहा है। डिजिटल इंडिया अभियान ने देश को नई दिशा दी है और करोड़ों लोगों के जीवन को सरल बनाया है। लेकिन इस परिवर्तन का एक ऐसा पक्ष भी है जिस पर अपेक्षित गंभीरता से चर्चा नहीं होती, वह है वरिष्ठ नागरिकों की स्थिति। जिस समाज ने अपने बुजुर्गों के अनुभव, संस्कार और त्याग के आधार पर विकास की यात्रा तय की, उसी समाज में आज अनेक वरिष्ठ नागरिक स्वयं को डिजिटल व्यवस्था के सामने असहाय अनुभव कर रहे हैं। तकनीक की तेज गति के साथ उनका कदम मिलाना आसान नहीं है। परिणामस्वरूप वे कई बार आर्थिक, सामाजिक और मानसिक रूप से उपेक्षा का शिकार हो जाते हैं। आज का युवा वर्ग स्मार्टफोन, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, ऑनलाइन बैंकिंग, डिजिटल भुगतान और सोशल मीडिया को सहज रूप से अपनाता है। दूसरी ओर अधिकांश वरिष्ठ नागरिकों का जीवन उस दौर में विकसित हुआ, जब पत्र, बैंक पासबुक, नकद लेन-देन और व्यक्तिगत संवाद सामान्य जीवन का हिस्सा थे। अचानक डिजिटल व्यवस्था ने उनकी जीवनशैली बदल दी। अब बिजली का बिल जमा करना हो, गैस बुक करनी हो, अस्पताल में पंजीकरण कराना हो, रेल टिकट लेना हो या बैंक का कार्य करना हो, लगभग हर जगह डिजिटल प्रक्रिया आवश्यक होती जा रही है। ऐसे में अनेक बुजुर्ग स्वयं को व्यवस्था से कटता हुआ महसूस करते हैं। आज साक्षर होना ही पर्याप्त नहीं है; डिजिटल साक्षर होना भी उतना ही आवश्यक हो गया है। ग्रामीण क्षेत्रों के अनेक वरिष्ठ नागरिक तो स्मार्टफोन चलाना भी ठीक से नहीं जानते। शहरी क्षेत्रों में भी अनेक बुजुर्ग मोबाइल का सीमित उपयोग कर पाते हैं। ओटीपी, यूपीआई, क्यूआर कोड, ई-केवाईसी, पासवर्ड और मोबाइल एप्लीकेशन जैसी प्रक्रियाएं उनके लिए जटिल बन जाती हैं। इस कारण वे अपने ही बच्चों, पड़ोसियों या साइबर कैफे पर निर्भर हो जाते हैं। यह निर्भरता कई बार डिजिटल युग की सबसे बड़ी चुनौतियों में साइबर अपराध शामिल है। वरिष्ठ नागरिक अक्सर साइबर ठगों का आसान लक्ष्य बन जाते हैं। फर्जी बैंक कॉल, केवाईसी अपडेट, इनाम का लालच, नकली निवेश योजनाएं, सोशल मीडिया हैकिंग और ओटीपी साझा कराने जैसी घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। तकनीकी जानकारी के अभाव में कई बुजुर्ग अपनी जीवन भर की जमा-पूंजी खो बैठते हैं। आर्थिक नुकसान के साथ-साथ उनका आत्मविश्वास भी टूट जाता है। डिजिटल अकेलापन एक ऐसी बीमारी हो गई है जिसमें तकनीक ने लोगों को जोड़ा भी है और दूर भी किया है। एक समय था जब परिवार साथ बैठकर बातचीत करता था। आज अनेक घरों में हर व्यक्ति अपने मोबाइल में व्यस्त है। बुजुर्ग परिवार के बीच रहकर भी अकेले हो जाते हैं। बच्चों और पोते-पोतियों के पास समय कम है। बातचीत की जगह संदेशों ने ले ली है। भावनात्मक संवाद घटता जा रहा है। परिणामस्वरूप अनेक वरिष्ठ नागरिक अवसाद, अकेलेपन और मानसिक तनाव का सामना कर रहे हैं। सरकार ने अनेक सेवाओं को ऑनलाइन उपलब्ध कराया है, जो पारदर्शिता और सुविधा की दृष्टि से महत्वपूर्ण कदम है। किंतु यदि कोई वरिष्ठ नागरिक इन सेवाओं का उपयोग ही न कर पाए तो उसके लिए यह सुविधा एक चुनौती बन जाती है। पेंशन, स्वास्थ्य योजनाएं, पहचान संबंधी सेवाएँ, बैंकिंग, बीमा और अन्य सरकारी लाभ प्राप्त करने में डिजिटल जानकारी का अभाव उनके लिए अतिरिक्त कठिनाई उत्पन्न करता है। आर्थिक आत्मनिर्भरता पर प्रभाव डालता है। आज बैंक शाखाओं में भी डिजिटल लेन-देन को प्राथमिकता दी जा रही है। नकद लेन-देन और काउंटर सेवाएँ सीमित होती जा रही हैं। ऐसी स्थिति में वरिष्ठ नागरिकों को छोटी-छोटी बैंकिंग सेवाओं के लिए भी दूसरों पर निर्भर होना पड़ता है। इससे उनकी आर्थिक स्वतंत्रता प्रभावित होती है। श्रस्वास्थ्य सेवाओं की नई चुनौती भी काम नहीं है। ऑनलाइन अपॉइंटमेंट, ई-प्रिस्क्रिप्शन, टेलीमेडिसिन और डिजिटल मेडिकल रिकॉर्ड जैसी व्यवस्थाएँ आधुनिक स्वास्थ्य सेवाओं का हिस्सा बन चुकी हैं। लेकिन जिन बुजुर्गों को मोबाइल एप चलाना नहीं आता, उनके लिए डॉक्टर तक पहुँचना भी कठिन हो जाता है। यहां पर परिवार की जिम्मेदारियां भी बढ़ जाती हैं। डिजिटल भारत तभी सफल होगा जब उसके विकास में वरिष्ठ नागरिक भी समान भागीदार बनेंगे। परिवारों को चाहिए कि वे अपने माता-पिता और दादा-दादी को धैर्यपूर्वक डिजिटल तकनीक सिखाएं। उन्हें यह महसूस न होने दें कि वे बोझ हैं। बुजुर्गों को केवल स्मार्टफोन देना पर्याप्त नहीं है; उन्हें उसका सुरक्षित उपयोग भी सिखाना आवश्यक है। समाज की भूमिका भी बनती है। **(ये लेखक के निजी विचार हैं।)**

स्वामी, परिजात माइनिंग इण्डस्ट्रीज (इण्डिया) प्रा. लि. के लिए प्रकाशक एंव मुद्रक हर्षवर्द्धन बजाज द्वारा इसके पब्लिकेशन डिवीजन, रेड़मा मेदिनीनगर (डालटनगंज), से प्रकाशित एवं एस एच प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड (पूर्व में शिवासाई पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड), नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पम्प, रातू, रांची-835222, झारखंड द्वारा मुद्रित. रजिस्ट्रेशन नं. 61316/94 पोस्टल रजिस्ट्रेशन नं.-13 । प्रधान संपादक : सुरेश बजाज, संपादक : हर्षवर्द्धन बजाज, कार्यकारी संपादक : सुनील सिंह 'बादल', सह कार्यकारी संपादक : प्रवीण कुमार दूबे, स्थानीय संपादक : डॉ राणा अरुण सिंह*, प्रेस कार्यालय : रांची रोड, रेड़मा, मेदिनीनगर, (डालटनगंज) पलामू-822102, फोन नम्बर : 06562-796018, रांची कार्यालय : 502बी, पांचवी मंजिल मंगलमूर्ति हाईट्स, रानी बगान, हरमू रोड, रांची-834001, फोन नं.- 0651-3553943, लोहरदगा कार्यालय : सरस्वती निवास, तेली धर्मशाला के सामने, कृषि मार्केट, लोहरदगा। - फोन : 7903891779, ई-मेल : समाचार - news.rnmail@gmail.com, लेख - article.rnmail@gmail.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार।)

हूल दिवस

पीएम ने सिदो-कान्हू सहित जनजातीय वीरांगनाओं को दी श्रद्धांजलि, किया नमन

एजेंसी। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हूल दिवस के अवसर पर देशवासियों को शुभकामनाएं देते हुए सिदो-कान्हू, चांद-भैरव और फूलो-झानो सहित सभी जनजातीय वीर-वीरांगनाओं को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि हूल दिवस मातृभूमि के लिए मर-मिटने वाले आदिवासी समाज के अद्भुत जज्बे का सशक्त प्रतीक है। प्रधानमंत्री ने मंगलवार को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर जारी एक पोस्ट में कहा कि हूल दिवस मातृभूमि के लिए मर-मिटने वाले हमारे आदिवासी समाज के अद्भुत जज्बे का सशक्त प्रतीक है। उन्होंने कहा कि भारतीय इतिहास के इस गौरवशाली अवसर पर वह सिदो-कान्हू, चांद-भैरव और फूलो-झानो जैसे उन सभी वीर-वीरांगनाओं को आदरपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं, जिन्होंने विदेशी शासन के अन्याय का डटकर मुकाबला किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि जनजातीय गरिमा और मान-सम्मान की रक्षा के लिए इन वीरों का संघर्ष और बलिदान की कहानी देशवासियों में नई ऊर्जा का संचार करती रहेगी। उल्लेखनीय है कि हूल दिवस प्रत्येक वर्ष 30 जून को 1855 के संथाल हूल (विद्रोह) की स्मृति में मनाया जाता है। झारखंड के भोगनाडीह (वर्तमान साहिबगंज जिला) से सिदो मुर्मु और कान्हू मुर्मु के नेतृत्व में शुरू हुए इस ऐतिहासिक जनविद्रोह में चांद मुर्मु, भैरव मुर्मु तथा वीरांगनाओं फूलो और झानो ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

हूल दिवस पर अमित शाह, समेत कई नेताओं ने संथाल क्रांति के वीरों को दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली। 'हूल दिवस' के अवसर पर देश के कई प्रमुख नेताओं ने संथाल हूल (संथाल विद्रोह) के अमर बलिदानियों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके साहस, त्याग और देशभक्ति को नमन किया। नेताओं ने इस ऐतिहासिक जनआंदोलन को भारतीय स्वतंत्रता संग्राम का महत्वपूर्ण अध्याय बताया।केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर कहा, "जनजातीय अस्मिता और मातृभूमि के लिए संथाल क्रांति में अपना सर्वस्व अर्पण करने वाले सभी बलिदानियों को 'हूल दिवस' के अवसर पर स्मरण कर नमन करता हूँ। जनजातीय स्वाभिमान और स्वतंत्रता संग्राम के महानायक सिदो-कान्हू मुर्मु, चांद-भैरव तथा वीरांगनाओं फूलो-झानो ने अंग्रेजी हुकूमत के विरुद्ध संघर्ष का ऐसा शंखनाद किया, जिसने पराधीनता के विरुद्ध जन-जन में प्रतिरोध की चेतना का संचार किया।

राष्ट्रपति, लोकसभा अध्यक्ष सहित कई नेताओं ने 'हूल दिवस' पर वीरों को किया नमन

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु और लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला और सहकारिता एवं गृह मंत्री अमित शाह सहित कई नेताओं ने मंगलवार को 'हूल दिवस' के अवसर पर भारत की स्वतंत्रता, आदिवासी अस्मिता और सामाजिक न्याय के लिए अपने प्राणों का सर्वोच्च बलिदान देने वाले अमर वीरों को विनम्र श्रद्धांजलि दी। राष्ट्रपति मुर्मु ने एक्स पर कहा, ""हूल दिवस' के अवसर पर सिदो-कान्हू, चांद-भैरव, फूलो-झानो तथा संथाल विद्रोह के सभी अमर वीर-वीरांगनाओं के त्याग और बलिदान को सादर नमन करती हूं। जनजातीय समाज के शोषण के विरुद्ध तथा उनकी अस्मिता की रक्षा के लिए उन्होंने ऐतिहासिक संघर्ष किया। उनका शौर्य, त्याग और बलिदान सभी देशवासियों को सदैव प्रेरित करता रहेगा।" बिरला ने कहा कि आज के दिन महान क्रांतिकारी सिदो और कान्हू के नेतृत्व में ऐतिहासिक संथाल हूल के उन हजारों वीर आदिवासी स्त्री-पुरुषों को नमन, जिन्होंने औपनिवेशिक शासन, शोषण और अन्याय के विरुद्ध अदम्य साहस के साथ संघर्ष का बिगुल फूंका।

जल, जंगल, जमीन, स्वाभिमान और अपने अस्तित्व की रक्षा के लिए लड़ा गया यह एक महान जनआंदोलन था। इस जनक्रांति ने भारतीय स्वतंत्रता संग्राम को नई ऊर्जा प्रदान की और कागे चलकर अनेक आंदोलनों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनी। उन अमर हुतात्माओं का शौर्य, त्याग और राष्ट्रप्रेम आने वाली पीढ़ियों को सदैव प्रेरित करता रहेगा। अमित शाह ने कहा कि जनजातीय स्वाभिमान और स्वतंत्रता संग्राम के महानायक सिदो-कान्हू मुर्मु, चांद-भैरव तथा वीरांगनाओं फूलो-झानो ने अंग्रेजी हुकूमत के विरुद्ध संघर्ष का ऐसा शंखनाद किया, जिसने पराधीनता के विरुद्ध जन-जन में प्रतिरोध की चेतना का संचार किया।केन्द्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने कहा कि संथाल हूल दिवस जनजातीय समुदाय द्वारा आजादी के लिये किये गये संघर्ष का प्रतीक है। आज का दिन उन महान देशभक्तों को स्मरण करने का दिन है जिन्होंने अन्याय और अत्याचार के विरुद्ध लड़ते हुए अपना संपूर्ण जीवन बलिदान कर दिया।

जनरल धीरज सेठ ने संभाला थलसेना प्रमुख का पदभार

जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने सौंपी कमान

एजेंसी। नई दिल्ली

12 लाख सैनिकों वाली भारतीय थलसेना को नया सेना प्रमुख मिल गया है। जनरल धीरज सेठ ने मंगलवार को सेना के प्रमुख (आर्मी चीफ) का पदभार संभाल लिया। जनरल उपेंद्र द्विवेदी का कार्यकाल पूरा होने के बाद एक आधिकारिक समारोह में उन्होंने सेना की कमान जनरल धीरज सेठ को सौंपी। इससे पहले जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने नेशनल वॉर मेमोरियल पर श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके बाद साउथ ब्लॉक के लॉन में उन्हें औपचारिक 'गार्ड ऑफ ऑनर' देकर विदाई दी गई। इस मौके पर जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने कहा, "आज मैं भारतीय सेना की कमान जनरल धीरज सेठ को सौंप रहा हूं। वह एक सक्षम और अनुभवी सैन्य नेतृत्वकर्ता हैं। मुझे पूरा विश्वास है कि उनके नेतृत्व में भारतीय सेना अपनी गौरवशाली परंपराओं, उच्च पेशेवर मानकों और अटूट संकल्प के साथ नई ऊंचाइयों को छुएगी। मुझे भरोसा है कि भारतीय सेना अपनी परंपराओं से जुड़ी रहेगी, वर्तमान चुनौतियों के प्रति सतर्क रहेगी और भविष्य की हर परिस्थिति का सामना करने के लिए सदैव तैयार रहेगी। जनरल धीरज सेठ इससे पहले वाइस चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ के रूप में अपनी सेवाएं दे चुके हैं। उन्होंने 1 अप्रैल 2026 को सेना के वाइस चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ का पदभार ग्रहण किया था। करीब 28 सालों के बाद भारतीय सेना को आर्मर्ड कोर से सेना प्रमुख मिला है। इससे पहले वर्ष 1997 में 20 लांसर्स के जनरल शंकर रॉय चौधरी सेना प्रमुख के पद से रिटायर हुए थे। जनरल धीरज सेठ राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (खड़कवासला) के पूर्व छात्र हैं। दिसंबर 1986 में उन्हें आर्मर्ड कोर में कमीशन मिला था।

सैनिक स्कूल से लेकर अब तक का सफर अविस्मरणीय : जनरल उपेंद्र द्विवेदी

नई दिल्ली। जनरल धीरज सेठ भारतीय थल सेना के नए सेना प्रमुख हो गए हैं। उन्होंने जनरल उपेंद्र द्विवेदी की सेवानिवृत्ति पर यह पद ग्रहण किया है। जनरल उपेंद्र द्विवेदी के पास ऐसे समय पर भारतीय थल सेना की कमान रही, जब देश ने ऑपरेशन सिन्दूर के जरिए पाकिस्तान और पाकिस्तान समर्थित आतंकियों को अपनी ताकत दिखाई। जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने ड्रोन तकनीक व एआई जैसे अत्याधुनिक क्षेत्रों में भारतीय सेना को भविष्य के लिए सक्षम बनाने के सार्थक प्रयास किए। अपनी सेवानिवृत्ति के अवसर पर जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने कहा, "आज मैं यह जिम्मेदारी जनरल धीरज सेठ को सौंप रहा हूं। वह एक अनुभवी सैनिक और सक्षम सैन्य लीडर हैं। मुझे पूरा विश्वास है कि उनके नेतृत्व में भारतीय सेना अपनी गौरवशाली परंपराओं, पेशेवर उत्कृष्टता और दृढ़ संकल्प को बनाए रखते हुए नई ऊंचाइयों को प्राप्त करेगी। आज जब मैं यह दायित्व उन्हें सौंप रहा हूं, तब मुझे भारतीय सेना के भविष्य पर पूरा भरोसा है। भारतीय सेना अपनी समृद्ध परंपराओं से जुड़ी रहेगी, वर्तमान चुनौतियों के प्रति सतर्क रहेगी और भविष्य में उत्पन्न होने वाली किसी भी परिस्थिति का सामना करने के लिए सदैव तैयार रहेगी।" जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने कहा, "आज जब मेरा चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ पद का उत्तरदायित्व पूर्ण हो रहा है, तो मेरे मन में गहन आभार, कृतज्ञता, गर्व और संतोष की भावना है। सैनिक स्कूल से लेकर अब तक का सफर अविस्मरणीय रहा है। चार दशक से अधिक समय भारतीय सेना में सेवारत रहना मेरे जीवन का सबसे बड़ा सौभाग्य रहा है। भारतीय सेना अपने सैनिकों, कमांडरों, पूर्व सैनिकों, परिवारजनों और देशवासियों के अटूट विश्वास से शक्ति प्राप्त करती है।

कांग्रेस ने इस देश की मिट्टी से कभी प्यार नहीं किया, सिर्फ तुष्टिकरण को दिया महत्व : नितिन नवीन

एजेंसी। हैदराबाद

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने मंगलवार को तेलंगाना राज्य कार्यकारिणी की बैठक को संबोधित करते हुए अपनी सरकार की उपलब्धियां गिनाईं। इसके साथ ही कांग्रेस समेत विपक्ष पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के लिए तुष्टिकरण की राजनीति सबसे अहम रही है, इसलिए कांग्रेस ने इस देश की मिट्टी से कभी प्यार नहीं किया। नितिन नवीन ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा, "भाजपा का विशाल वटवृक्ष आप देख रहे हैं, ये हमारे कार्यकर्ताओं की मेहनत का फल है। 1980 में स्थापित भाजपा को 1984 के चुनाव में सिर्फ दो सीटें मिली थीं। आज यह विश्व की सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। इसका श्रेय भाजपा के बूथ कार्यकर्ताओं को जाता है, जो सबसे निचले स्तर पर काम करते हुए कमल खिलाने का संकल्प पूरा करते हैं।"

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा, "डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के 'एक भारत श्रेष्ठ भारत', पंडित दीनदयाल उपाध्याय के "अंत्योदय" और अटल बिहारी वाजपेयी के सुशासन के भाव को आत्मसात करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आधुनिक भारत के निर्माण में लगे हैं। पीएम मोदी के नेतृत्व में बीते 12 वर्षों में विकास की योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के संकल्प को पूरा किया गया। कश्मीर से कन्याकुमारी तक भारत का तिरंगा लहराता रहे, इस संकल्प को पूरा किया गया।"नितिन नवीन ने कहा, मैं यहां उपस्थित सभी कार्यकर्ताओं से आने वाले वर्षों में और अधिक संघर्ष करने का आह्वान करने आया हूं। 2047 तक विकसित भारत की प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की संकल्पना को साकार करने के लिए हम सभी को अपना पुरुषार्थ करना होगा। समर्पण और संकल्प के साथ आगे बढ़ना होगा। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में विकास के लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने की प्रतिबद्धता को पिछले 12 वर्षों में पूरा किया गया है। इन 12 वर्षों में हमारी सरकार के किसी भी मंत्री पर भ्रष्टाचार का आरोप नहीं लग पाया है। यही एक स्वच्छ और ईमानदार भाजपा सरकार की पहचान है।

आसाराम की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने राजस्थान सरकार को जारी किया नोटिस, दो हफ्ते में मांगा जवाब

एजेंसी। नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को 2013 के नाबालिग से दुष्कर्म मामले में दोषी ठहराए गए आसाराम की याचिका पर सुनवाई करते हुए राजस्थान सरकार को नोटिस जारी किया है। सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकार से दो सप्ताह के भीतर जवाब दाखिल करने को कहा है। साथ ही, सुप्रीम कोर्ट ने फिलहाल आसाराम को अंतरिम जमानत देने से इनकार कर दिया है। यह याचिका राजस्थान हाईकोर्ट के 27 मई के उस फैसले को चुनौती देती है, जिसमें निचली अदालत द्वारा सुनाई गई आजीवन कारावास की सजा को बरकरार रखा गया था। हालांकि हाईकोर्ट ने अपने निर्णय में कुछ सह-आरोपियों को बरी कर दिया था और गैंगरेप तथा पॉक्सो एक्ट के कुछ प्रावधानों से आसाराम को भी राहत दी थी लेकिन नाबालिग के साथ दुष्कर्म के मामले में दोषसिद्धि को कायम रखा गया था। सुप्रीम कोर्ट की पीठ, जिसमें न्यायमूर्ति एमएम सुंदरेश और शील नागू शामिल हैं, उन्होंने सुनवाई के दौरान स्पष्ट किया कि अभी जमानत पर कोई निर्णय नहीं लिया जाएगा। पीठ ने मौखिक टिप्पणी में कहा कि पहले राज्य सरकार का पक्ष सुना जाएगा और उसके बाद ही आगे विचार किया जाएगा। अदालत ने यह भी कहा कि जमानत के मामलों में यह देखा जाता है कि क्या कोई गंभीर आवश्यकता है, जैसे जीवन पर खतरा आदि। राजस्थान हाईकोर्ट के फैसले के अनुसार 25 अप्रैल 2018 को आसाराम को अपने आश्रम में एक नाबालिग छात्रा के यौन शोषण के मामले में दोषी ठहराया गया था।

राम मंदिर चंदा चोरी मामले में जांच निष्पक्ष, दोषी पर होगी कार्रवाई : ओपी राजभर

जौनपुर। उत्तर प्रदेश के पंचायती राज मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने राम मंदिर चंदा विवाद पर समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव और बीएसपी प्रमुख मायावती के बयान, यूपी चुनाव को लेकर एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी के बयान समेत कई मुद्दे पर अपनी बेबाक राय रखी। उन्होंने दावा किया कि विधानसभा चुनाव के बाद अखिलेश यादव अयोध्या जाकर रामलला के दर्शन करेंगे। साथ ही, उन्होंने यह भी कहा कि राम मंदिर चंदा मामले की एसआईटी जांच निष्पक्ष तरीके से चल रही है और जो भी दोषी पाया जाएगा, उसके खिलाफ कानून के अनुसार कार्रवाई होगी। राम मंदिर चंदा चोरी मामले को लेकर अखिलेश यादव की टिप्पणियों पर राजभर ने कहा कि अखिलेश यादव कभी राम मंदिर नहीं गए। मंदिर से जुड़े जिस प्रकरण की बात सामने आई, उसमें ट्रस्ट ने स्वयं सरकार से जांच कराने का आग्रह किया था।

रिटायरमेंट के दिन केरल के मुख्य सचिव पर आईएएस अधिकारी का तीखा हमला

एजेंसी। तिरुवनंतपुरम

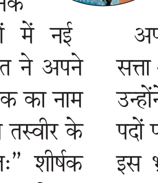

केरल के मुख्य सचिव ए. जयतिलक के मंगलवार को तीन दशक से अधिक लंबे प्रशासनिक करियर के बाद सेवानिवृत्त होने के दिन ही वरिष्ठ आईएएस अधिकारी एन. प्रशांत ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा कर प्रशासनिक और राजनीतिक हलकों में नई बहस छेड़ दी। एन. प्रशांत ने अपने पोस्ट में कहीं भी जयतिलक का नाम नहीं लिया, लेकिन उनकी तस्वीर के साथ "धर्मो रक्षति रक्षितः" शीर्षक से एक लंबा लेख साझा किया। पोस्ट का समय और तस्वीर देखकर नौकरशाही से जुड़े लोगों ने इसे सीधे तौर पर सेवानिवृत्त हो रहे मुख्य सचिव पर निशाना माना। मुख्य सचिव के सम्मान में सचिवालय के दरबार हॉल में आयोजित विदाई समारोह से कुछ घंटे पहले किए गए इस पोस्ट ने पूरे दिन प्रशासनिक और राजनीतिक गलियारों में चर्चा का विषय बना रहा।

अपने लेख में प्रशांत ने कहा कि सत्ता और पद हमेशा स्थायी नहीं होते। उन्होंने लिखा कि लंबे समय तक ऊंचे पदों पर रहने वाले अधिकारी अक्सर इस भ्रम में आ जाते हैं कि उनका प्रभाव कभी खत्म नहीं होगा, लेकिन समय अंततः सब कुछ बदल देता है।

जागरूकता सड़क सुरक्षा केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं, समाज के हर वर्ग को सहयोग करना होगा

सड़क सुरक्षा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता : गडकरी

- **सड़क हादसों से देश को जीडीपी का लगभग 3 प्रतिशत नुकसान होता है**

एजेंसी। नई दिल्ली

केन्द्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने एक कार्यक्रम में कहा कि सड़क सुरक्षा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है और इसके लिए व्यापक स्तर पर कदम उठाए जा रहे हैं। भारत में सड़क दुर्घटनाओं में सबसे अधिक मौतें होती हैं, जो गंभीर चिंता का विषय है। गडकरी ने यहां मंगलवार को उबर के एक कार्यक्रम में कहा अब सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति को अस्पताल पहुंचाने वाले को पुलिस या कानूनी झंझटों में नहीं उलझना पड़ेगा। मदद करने वाले व्यक्ति को आर्थिक सहायता भी दी जाएगी। सड़क दुर्घटना में घायल किसी व्यक्ति का किसी भी अस्पताल में इलाज कराने पर डेढ़ लाख रुपये तक का खर्च सरकार वहन करेगी।

उन्होंने कहा कि देश में हर साल औसतन पांच लाख सड़क दुर्घटनाएं होती हैं और करीब 1.80 लाख लोगों की मौत होती है। इन हादसों से देश की जीडीपी का लगभग तीन फीसदी नुकसान होता है। इन दुर्घटनाओं में 66 फीसदी पीड़ित 18 से 34 वर्ष आयु वर्ग के होते हैं। सड़क दुर्घटनाएं न केवल जान लेती हैं बल्कि कई लोगों को स्थायी रूप से अपंग बना देती हैं। गडकरी ने कहा कि सड़क सुरक्षा के चार अहम हिस्से सड़क इंजीनियरिंग, वाहन इंजीनियरिंग, प्रवर्तन और जन जागरूकता हैं। इनमें सड़क इंजीनियरिंग सबसे महत्वपूर्ण है। इसके तहत देशभर की सड़कों के ब्लैक स्पॉट और पहाड़ी इलाकों के भूस्खलन वाले हिस्सों की पहचान की गई है। इन ब्लैक स्पॉट्स को सुधारने के लिए 50 हजार करोड़ रुपये खर्च किए जा रहे हैं। अंडरपास और अन्य ढांचागत निर्माण अंतरराष्ट्रीय स्तर का बनाने की कोशिश की जा रही है।

- **देश में हर वर्ष लगभग 5 लाख सड़क दुर्घटनाएं और 1.80 लाख मौतें होती हैं**

उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा के लिए वाहनों की गुणवत्ता और तकनीकी मानकों को भी सख्ती से लागू किया जा रहा है। प्रवर्तन के तहत यातायात नियमों का पालन सुनिश्चित करने के लिए आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल किया जा रहा है। वहीं, जनजागरूकता के लिए लगातार अभियान चलाए जा रहे हैं ताकि लोग सड़क पर जिम्मेदारी से व्यवहार करें। गडकरी ने कहा कि सड़क सुरक्षा केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं है बल्कि समाज के हर वर्ग को इसमें सहयोग करना होगा। जागरूकता और जिम्मेदारी से ही सड़क दुर्घटनाओं को कम किया जा सकता है।

दृष्टिपात

सिया गोयल के वकील ने भाई साहिल को भेजा 10 करोड़ का मानहानि का नोटिस

पुणे। केतन अग्रवाल हत्याकांड में अब एक नया कानूनी विवाद सामने आया है। आरोपी सिया गोयल का वकील बताने वाले एडवोकेट आशुतोष श्रीवास्तव ने सिया के भाई साहिल गोयल को 10 करोड़ रुपए की मानहानि का कानूनी नोटिस भेजा है। नोटिस में आरोप लगाया गया है कि साहिल गोयल ने मीडिया के सामने उनके खिलाफ झूठे, भ्रामक और मानहानिकारक बयान दिए, जिससे उनकी पेशेवर छवि और प्रतिष्ठा को गंभीर नुकसान पहुंचा। कानूनी नोटिस में एडवोकेट आशुतोष श्रीवास्तव ने कहा कि सिया गोयल ने विधिवत वकालतनामा (अथॉरिटी लेटर) पर हस्ताक्षर कर उन्हें अपना कानूनी प्रतिनिधि नियुक्त किया था। यह नियुक्ति किसी मौखिक दावे, मीडिया प्रचार या बिना अधिकार के नहीं हुई, बल्कि एक बालिग आरोपी द्वारा अपनी इच्छा से दी गई कानूनी अनुमति के आधार पर हुई है।नोटिस के मुताबिक, मूल हस्ताक्षरित वकालतनामा सक्षम अदालत में पहले ही दाखिल किया जा चुका है और जरूरत पड़ने पर संबंधित मंच या अदालत के सामने अन्य मूल दस्तावेज भी पेश किए जाएंगे।नोटिस में दावा किया गया कि एडवोकेट आशुतोष श्रीवास्तव का वकालतनामा वडगांव मावल कोर्ट ने स्वीकार कर रिकॉर्ड पर भी ले लिया है। इसके बावजूद साहिल गोयल ने कानूनी दस्तावेजों की जांच किए बिना और वकील से कोई बातचीत किए बिना सार्वजनिक रूप से उनकी नियुक्ति पर सवाल उठाए।

भगवान राम पर सवाल उठाने वाले आज बन रहे राम भक्त : मुख्तार अब्बास नकवी

नई दिल्ली। भाजपा नेता मुख्तार अब्बास नकवी ने अयोध्या में उत्तर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय को नजरबंद किए जाने, सबरीमाला सोना गबन मामले में केरल हाईकोर्ट के फैसले सहित कई मामलों पर प्रतिक्रिया दी। आईएएनएस से बातचीत करते हुए अजय राय को लेकर मुख्तार अब्बास नकवी ने कहा कि श्री राम जन्मभूमि पर टिप्पणी करने वाले लोग सवाल और बवाल कर रहे हैं। उनकी इस हरकत से आश्चर्य हो रहा है। ये लोग भगवान श्री राम के जन्म को लेकर सवाल उठाते थे। आज वे बड़े राम भक्त बनकर चढ़ावे पर सवाल कर रहे हैं। इस मामले में कानून अपना काम कर रहा है। दूध का दूध और पानी का पानी किया जाएगा। उनकी चिंता से पूरी दाल काली लग रही है। उन्होंने कहा कि उनकी सोच में ही खोट दिखाई पड़ रहा है। केरल हाईकोर्ट के फैसले पर उन्होंने कहा कि ऐसी घटनाओं पर कानून अपना काम करता है। मेरा मानना है कि कानून अपना काम करे, यह बिल्कुल ठीक है, लेकिन आस्था से जुड़े मामलों में अधार्मिक लोग अपनी टांग अड़ाने की कोशिश न करें, यह ठीक नहीं है। एसआईआर प्रक्रिया को लेकर विपक्ष की ओर से चुनाव आयोग को लेकर लिखे गए पत्र पर मुख्तार अब्बास नकवी ने कहा कि परिवार तंत्र के पिटे हुए पराक्रमियों का ये जो पंचरंगी प्रोग्राम है, यह समय-समय पर दिखाई पड़ता है। इनकी पंचरंगी प्रोग्राम जनता के बीच आने से पहले ही पिट जाता है, क्योंकि इनके पास न तो सैद्धांतिक प्रतिबद्धता है, न तो विचारधारा को लेकर प्रतिबद्धता है, न कोई नीति है और न कोई कार्यक्रम है।

ट्रांसजेंडर का भेष बनाकर ग्राहकों को लुभाते थे दो बांग्लादेशी नागरिक, गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली के उत्तर-पश्चिम जिले की विदेशी शाखा ने अवैध प्रवासियों के खिलाफ चलाए गए विशेष अभियान में दो बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपियों में एक ऐसा व्यक्ति भी है, जिसे पहले भारत से डिपोर्ट किया जा चुका था, लेकिन वह फिर भारत आ गया था और अवैध रूप से दोबारा दिल्ली में रह रहा था। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी की पहचान मोहम्मद रूहुल अमीन उर्फ तुली दास (25) के रूप में हुई है। वह जून 2025 में भी विदेशी शाखा की कार्रवाई में पकड़ा गया था और बाद में बांग्लादेश डिपोर्ट कर दिया गया था। इसके बावजूद वह दोबारा अवैध तरीके से भारत में दाखिल हो गया और महेंद्र पार्क इलाके में रह रहा था। दूसरे आरोपी की पहचान मोहम्मद जिबोन मिया उर्फ लिली (36) के रूप में हुई है, जो एक रसोइए के रूप में काम कर रहा था। विदेशी शाखा को जिले में सक्रिय बांग्लादेशी नागरिकों के संबंध में गुप्त सूचना मिली थी। पूछताछ में दोनों के पास भारत में रहने या काम करने से संबंधित कोई वैध यात्रा दस्तावेज नहीं मिले।

राष्ट्रीय हितों से किसी भी परिस्थिति में समझौता नहीं करेगा ईरान : राष्ट्रपति पेजेश्कियन

तेहरान। राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने एक बार फिर कहा है कि ईरान अपने लोगों के अधिकारों और राष्ट्रीय हितों से किसी भी परिस्थिति में "पीछे नहीं हटेगा।" उन्होंने स्पष्ट किया कि अमेरिका के साथ बातचीत शासन की सामान्य नीतियों के ढांचे में ही सम्पन्न हुई।समाचार एजेंसी तस्नीम के अनुसार, उन्होंने कहा कि तेहरान ने अमेरिका के साथ बातचीत के दौरान लगाए गए "दुश्मनों के थोपे गए" किसी भी मांग को न तो स्वीकार किया है और न ही करेगा। कॉम स्थित एक मदरसे में विद्वानों के साथ विस्तृत बैठक के दौरान पेजेशकियन ने जोर देकर कहा कि सरकार ने बातचीत के सभी चरणों में सम्मान और मजबूती की स्थिति से ईरानी जनता के अधिकारों को सुरक्षित रखने और राष्ट्रीय हितों की रक्षा करने का प्रयास किया। बातचीत की प्रक्रिया को लेकर उठे सवालों पर उन्होंने कहा, "इस्लामी गणराज्य ईरान किसी भी परिस्थिति में लोगों के अधिकारों, मूलभूत सिद्धांतों और राष्ट्रीय हितों से पीछे नहीं हटेगा। देश की मुख्य निर्भरता सर्वशक्तिमान ईश्वर, जनता और शासन के नेतृत्व पर है।

अफगानिस्तान के खतरनाक पूर्वी प्रांतों में बारूदी सुरंगें हटाएगी तालिबान सरकार

काबुल। अफगानिस्तान नेशनल डिजास्टर मैनेजमेंट अथॉरिटी ने सोमवार देर रात एक बड़े बारूदी सुरंग हटाने वाले संगठन के साथ संयुक्त सहयोग समझौते पर हस्ताक्षर करने की घोषणा की। इसका मकसद लैंडमाइन और बिना फटे ऑर्डनेंस के लगातार खतरे से निपटना है। प्राधिकरण द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, सौदे के तहत, खनन संगठन पूर्वी प्रांतों नंगरहार, कुनार और नूरिस्तान के कई जिलों में लगभग 1.88 मिलियन वर्ग मीटर तक की भूमि को साफ करेगा।न्यूज एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, बयान में कहा गया है कि इस पहल में उपर्युक्त प्रांतों में तेजी से आपातकालीन प्रतिक्रिया टीमों की स्थापना और प्रभावित समुदायों में 36,680 निवासियों को खदान जोखिम शिक्षा कार्यक्रमों की डिलीवरी भी शामिल है।एक बार यह प्रोजेक्ट पूरी तरह से लागू हो जाने के बाद, लगभग 215,000 लोगों को इसके नतीजों से लाभ मिलेगा। अफगानिस्तान दुनिया के सबसे ज्यादा लैंडमाइन से प्रभावित देशों में से एक है। यहां पिछले दशकों में युद्धों से बचे हुए एक्सप्लोसिव डिवाइस के धमाकों के कारण हर महीने दर्जनों लोग, ज्यादातर बच्चे, मारे जाते हैं या अपाहिज हो जाते हैं। दो बिना फटे डिवाइस के फटने से एक बच्चे की मौत हो गई और छह अन्य घायल हो गए।

अमरनाथ यात्रा होगी हाईटेक, एजेंसियों ने बहुस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था लागू की

जम्मू। जम्मू-कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश में अमरनाथ यात्रा 3 जुलाई को शुरू होने जा रही है। ऐसे में इस यात्रा को लेकर सुरक्षा व्यवस्था इस बार पूरी तरह हाईटेक बनाई गई है। जम्मू में स्थापित अत्याधुनिक इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर को यात्रा सुरक्षा का केंद्रीय सेंटर बनाया गया है। यहां से यात्रा मार्ग, बेस कैंप, संवेदनशील इलाकों और सुरक्षाबलों की गतिविधियों पर चौबीसों घंटे डिजिटल निगरानी रखी जाएगी। यात्रा के मद्देनज़र सुरक्षा एजेंसियों ने बहुस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था लागू कर दी है। इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर में विभिन्न सुरक्षा एजेंसियों की लाइव फीड एकीकृत की गई है। हाई-रिजॉल्यूशन सीसीटीवी कैमरे, एआई आधारित वीडियो एनालिटिक्स, फेस रिकग्निशन तकनीक, ड्रोन निगरानी और जी.पी.एस. आधारित ट्रैकिंग सिस्टम के जरिए यात्रा मार्ग पर हर गतिविधि पर नजर रखी जा रही है। अधिकारियों के अनुसार किसी भी संदिग्ध गतिविधि की स्थिति में कंट्रोल सेंटर से तुरंत संबंधित सुरक्षाबलों को अलर्ट भेजा जा सकता है।

बीमारी के लिए सीधे आपके 'डीएनए' का होगा इलाज, 'रेडीमेड' दवाओं का दौर होगा खत्म

एक जैसी बीमारी पर हर मरीज को अलग दवा : प्रिसिजन मेडिसिन व जीन थेरेपी से टूटेगा खानदानी बीमारियों का चक्र

- **'जेनेटिक कोड' से बनेगी सिर्फ आपके शरीर की विशेष दवा, साइड-इफेक्ट्स होंगे शून्य**
- **'वन-साइज-फिट्स-ऑल' पर फुलस्टॉप : अब इंसानी जीन की कमियों को 'टू-द-पॉइंट' पकड़कर जड़ से मिटाएगा**

कृष्णमोहन सिंह

नई दिल्ली। मानव चिकित्सा के इतिहास में अब तक **'वन-साइज-फिट्स-ऑल'** (सबके लिए एक जैसी दवा) का नियम चलता आ रहा था। उदाहरण के लिए, यदि किसी गाँव या परिवार में 10 लोगों को वायरल बुखार, कैंसर या शुगर हो जाए, तो डॉक्टर दसों मरीजों को एक ही जैसी दवा या सुई (इंजेक्शन) थमा देते हैं। लेकिन अत्याधुनिक ग्लोबल रिसर्च और जून 2026 के ताजा वैज्ञानिक आंकड़ों ने एक चौंकाने वाला सच सामने रखा है—**वह एक जैसी दवा सभी 10 लोगों पर एक समान असर नहीं करती।** वह किसी को जल्दी ठीक करती है, किसी पर बिल्कुल बेअसर रहती है, तो किसी के शरीर (लीवर-किडनी) को भारी नुकसान पहुँचा देती है। ऐसा इसलिए होता है क्योंकि हर इंसान के भीतर का **'जेनेटिक कोड' (जीनोम)** और उसकी बीमारी का डीएनए (DNA) एक-दूसरे से बिल्कुल अलग होता है। इसीलिए, विज्ञान ने अब 'अंधेरे में तीर चलाना' बंद कर दिया है। **प्रिसिजन मेडिसिन (सटीक चिकित्सा)** और **जीन थेरेपी** के इस नए युग में अब बीमारी का नहीं, बल्कि सीधे मरीज के 'जेनेटिक कोड' के हिसाब से इलाज किया जा रहा है।

1. यह तकनीक काम कैसे करती है? (बीमारी की जड़ पर 'टू-द-पॉइंट' हमला)

हमारे शरीर के भीतर अरबों कोशिकाएं हैं और हर कोशिका के अंदर एक मास्टर निर्देश-पुस्तिका होती है, जिसे डीएनए कहते हैं। इसके छोटे-छोटे हिस्सों को जीन (Gene) कहा जाता है। जीन ही हमारे पूरे शरीर को चलाते हैं। जब किसी व्यक्ति को कोई गंभीर बीमारी लगती है, तो डॉक्टर सबसे पहले उसके खून या ट्यूमर की 'जीनोम सीक्वेंसिंग' (जेनेटिक जांच) करते हैं। इस जांच से यह 'टू-द-पॉइंट' (सटीक) पता चल जाता है कि:

1. मरीज के किस जीन के, किस हिस्से में, क्या खामी या गड़बड़ी आई है।
2. वह बीमारी किस वजह से लगी है।

इसके बाद दो तरीकों से उसका अचूक इलाज किया जाता है:

- **विशेष दवा (प्रिसिजन मेडिसिन):** जांच के बाद वैज्ञानिक केवल उसी एक मरीज के जीन की गड़बड़ी को शांत करने के लिए एक विशेष दवातैयार करते हैं। वह दवा दुनिया में सिर्फ उसी व्यक्ति के लिए होगी। अगर वही बीमारी उसके सगे भाई या किसी दूसरे व्यक्ति को हो, तो उसे वह दवा नहीं दी जाएगी, क्योंकि दूसरे व्यक्ति के जीन का ताला अलग होगा।
- **जीन की मरम्मत (जीन थेरेपी):** यदि जीन बहुत ज्यादा खराब है, तो डॉक्टर कोई बाहरी दवा नहीं देते। वे CRISPR (क्रिस्पर) नाम की एक 'आणविक कैंची' का उपयोग करते हैं। यह कैंची शरीर की कोशिकाओं के अंदर जाकर, खराब जीन के ठीक उसी गड़बड़ वाले हिस्से को काट देती है और उसकी जगह एक बिल्कुल स्वस्थ और नया जीन जोड़ देती है।
- **दर्जी व रेडीमेड कपड़े जैसा:** बाज़ार से खरीदा हुआ 'रेडीमेड' कपड़ा किसी को ढीला होता है तो किसी को छोटा (यह पारंपरिक दवा जैसा है)। लेकिन जब आप किसी कुशल दर्जी (Tailor) के पास जाते हैं, तो वह आपके शरीर का एक-एक इंच का नाप लेता है और ऐसा कपड़ा सीता है जो सिर्फ और सिर्फ आप पर फिट बैठता है। प्रिसिजन मेडिसिन आपके डीएनए का नाप लेकर बनी 'दर्जी वाली दवा' है।

2. इस तकनीक से आम आदमी को क्या और कितना लाभ होगा?

एक कम पढ़े-लिखे या गरीब व्यक्ति के लिए, जो अस्पतालों के नाम से ही डरता है, यह तकनीक किसी भगवान के वरदान जैसी है:

1. **गलत दवाओं व भटकाव से मुक्ति:** अक्सर गाँवों के लोग सही इलाज न मिलने के कारण सालों-साल डॉक्टरों और ओझा-गुनियों के चक्कर काटते रहते हैं। एक डॉक्टर दवा बदलता है, फायदा नहीं होता तो दूसरा डॉक्टर दूसरी दवा देता है (ट्रायल एंड एरर)। इस तकनीक से पहले ही दिन जेनेटिक कोड देखकर सही दवा तय हो जाएगी। कोई भटकाव नहीं, पैसा और समय दोनों की 100% बचत।
2. **असहनीय दर्द व साइड-इफेक्ट्स का अंत:** जैसे कैंसर की कीमोथेरेपी में दवा पूरे शरीर में फैल जाती है, जिससे मरीज के बाल झड़ जाते हैं, नाखून काले पड़ जाते हैं और भयंकर कमजोरी आती है। लेकिन जेनेटिक कोड आधारित दवा 'स्मार्ट बम' जैसी होती है—यह शरीर के अच्छे हिस्सों को छुए बिना, सिर्फ और सिर्फ बीमार कोशिका पर हमला करती है। मरीज को इलाज के दौरान कोई कष्ट नहीं होता।
3. **एक बार का इलाज, जीवनभर का सुख:** सिकल सेल एनीमिया, थैलेसीमिया, और कई तरह के ब्लड कैंसर में मरीजों को हर महीने अस्पताल जाकर खून चढ़वाना पड़ता है या जिंदगीभर महँगी दवाएं खानी पड़ती हैं। जीन थेरेपी से खराब जीन को एक ही बार में ठीक कर दिया जाता है, जिससे मरीज को बार-बार अस्पताल जाने की जरूरत नहीं पड़ती। यह 'एक बार का निवेश और जीवनभर की आजादी' है।
4. **खानदानी बीमारियों की चेन टूटना:** कई बीमारियां पीढ़ियों से चली आ रही होती हैं (जैसे दादा से पिता और पिता से बच्चे में आना)। जीन थेरेपी के माध्यम से इस खराब जीन को माता-पिता के स्तर पर ही सुधार दिया जाता है, जिससे उनके घर में पैदा होने वाला बच्चा इस भयंकर बीमारी से हमेशा के लिए मुक्त और स्वस्थ पैदा होता है।

3. सटीक चिकित्सा बनाम पारंपरिक चिकित्सा (एक नज़र में समझें)

तुलना का विंदु	पारंपरिक चिकित्सा (पुरानी पद्धति)	प्रिसिजन मेडिसिन व जीन थेरेपी (आधुनिक पद्धति)	आम आदमी को सीधा फायदा
इलाज की सोच	बीमारी के सामान्य लक्षण देखकर सबको एक ही सुई या दवा देना।	हर इंसान के अलग-अलग 'जेनेटिक कोड' के हिसाब से दवा बनाना।	पहली ही बार में अचूक और 100% सही इलाज।
मरीज पर असर	दवा किसी को फायदा करती है, किसी को नुकसान तो किसी पर बेअसर रहती है।	दवा सिर्फ और सिर्फ उसी मरीज के शरीर के लिए 100% सुरक्षित होती है।	दवा का कोई रिएक्शन या गलत असर होने का खतरा खत्म।
दवा के साइड-इफेक्ट्स	बहुत ज्यादा (बीमारी के साथ-साथ स्वस्थ शरीर भी कमजोर होता है)।	लगभग शून्य (दवा केवल खराब जीन को टारगेट करती है)।	बाल झड़ना, उल्टी आना और कमजोरी जैसी तकलीफों से मुक्ति।
अस्पताल के चक्कर	जिंदगीभर दवा खाना और बार-बार डॉक्टरों के चक्कर काटना।	शरीर के अंदर जाकर खराब जीन को हमेशा के लिए बदल देना।	बार-बार के खर्च और मानसिक तनाव से हमेशा के लिए परमानेंट छुट्टी।

4. भविष्य की उम्मीद व भारत की स्थिति

वर्तमान में यह तकनीक दुनिया में नई होने के कारण महंगी है, लेकिन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) व भारत के वैज्ञानिक (ICMR) भी काम कर रहे हैं। उम्मीद है इसकी लागत तेजी से गिरेगी । भारत में भी अब कैंसर के लिए स्वदेशी प्रिसिजन थेरेपी (CAR-T Cell) आ चुकी है। उम्मीद बनी है कि इससे इलाज का खर्च 10 गुना सस्ता हो जाएगा।चिकित्सा विज्ञान का यह नया सवेरा इस बात की गारंटी देता है कि आने वाले समय में एक आम आदमी भी बिना किसी डर के, बिना शरीर को कष्ट दिए, अपनी जेनेटिक बनावट के अनुसार दुनिया का सबसे बेहतरीन और सटीक इलाज पा सकेगा। यह विज्ञान की जीत नहीं, बल्कि हर एक इंसानी जीवन की जीत है।

केंद्रीय सचिवों के साथ पीएम मोदी की उच्च स्तरीय बैठक शुरू, समग्र सुधार पर जोर

एजेंसी । नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को 'सेवा तीर्थ' में केंद्र सरकार के सभी मंत्रालयों और विभागों के सचिवों के साथ एक उच्च-स्तरीय बैठक बुलाई। बैठक में सुधार एजेंडे पर व्यापक चर्चा पर ध्यान केंद्रित किया गया, क्योंकि सरकार अगली पीढ़ी के प्रशासनिक और आर्थिक सुधारों को आगे बढ़ा रही है। इस बैठक में मुख्य रूप से 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस', डिजिटल गवर्नेंस, नियमों में ढील और 'लास्ट-माइल डिलीवरी' (सेवाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने) जैसे विषयों पर ध्यान दिया जाएगा। कैबिनेट सचिव के अलावा, इस बैठक में प्रधानमंत्री के दो प्रधान सचिव, पी.के. मिश्रा और शक्तिकांत दास एवं सभी प्रमुख विभागों के सचिव भी शामिल हैं।

मौजूदा वित्त वर्ष में प्रधानमंत्री के साथ सचिव-स्तर की यह पहली बड़ी बैठकों में से एक है। इसे 2026 की दूसरी छमाही के लिए सरकार की मुख्य नीतिगत प्राथमिकताओं के साथ नौकरशाही को एक सीध में लाने के संकेत के तौर पर देखा जा रहा है।

राष्ट्रीय कार्य बल ने 30 संस्थानों में छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य का लिया जायजा

एजेंसी । नई दिल्ली

उच्च शिक्षा संस्थानों में छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य और आत्महत्या की रोकथाम को लेकर गठित राष्ट्रीय कार्य बल (एनटीएफ) ने मई 2025 से अब तक देश के 10 राज्यों के 30 उच्च शिक्षा संस्थानों का दौरा किया है। इस दौरान कार्य बल ने छात्रों, शिक्षकों, संस्थानों और अन्य हितधारकों के साथ व्यापक चर्चा कर मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े मुद्दों को समझने का प्रयास किया। शिक्षा मंत्रालय की ओर से जारी जानकारी के अनुसार, राष्ट्रीय कार्य बल ने एक अंतर-अनुशासनात्मक और समानता आधारित दृष्टिकोण विकसित करने के उद्देश्य से अब तक 25 परामर्श बैठकें आयोजित की हैं। इन बैठकों में उच्च शिक्षा संस्थानों में छात्रों के सामने आने वाली चुनौतियों, मानसिक दबाव, भेदभाव और सहायता व्यवस्था से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की गई। एनटीएफ ने जनवरी 2026 से अब तक कई महत्वपूर्ण विषयों पर विशेष परामर्श भी किए हैं। इनमें शारीरिक अक्षमता वाले छात्रों और संकाय सदस्यों की समस्याएं, उच्च शिक्षा में जातिगत भेदभाव, लिंग और मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े मुद्दे, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग के छात्रों की चुनौतियां शामिल हैं।

पाकिस्तान की भारत को धमकी, कहा

पानी रोका तो हाथ काट देंगे

एजेंसी । इस्लामाबाद

पाकिस्तान ने सिंधु जल संधि पर एक बार फिर भारत को धमकी दी है। पाकिस्तान के जलवायु परिवर्तन मंत्री मुसादिक मलिक ने कहा कि अगर किसी ने पाकिस्तान के हिस्से का पानी रोकने की कोशिश की तो हम उन हाथों को काट देंगे। उन्होंने दावा किया कि भारत पाकिस्तान के हिस्से के पानी को रोकना चाहता है। वहीं अताउल्लाह तरार ने कहा कि सिंधु जल संधि कानूनी रूप से अब भी लागू है। भारत इसे न तो एकतरफा स्थगित कर सकता है, न रद्द कर सकता है और न ही इसमें बदलाव कर सकता है।

पाकिस्तानी मंत्रियों ने बताया कि मंगलवार को इस्लामाबाद में सिंधु जल संधि पर पहला अंतरराष्ट्रीय सेमिनार किया जाएगा। इसमें कानूनी एक्सपर्ट, जल एक्सपर्ट्स और विदेशी प्रतिनिधि शामिल होंगे। सेमिनार में संधि के कानूनी और तकनीकी पहलुओं पर चर्चा होगी। डॉन के मुताबिक, तरार ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत पाकिस्तान के अधिकार सुरक्षित हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर पहले भी साफ कर चुके हैं कि पानी हमारी जीवनरेखा है और यह हमारी रेड लाइन भी है।

21 जून को पाक रक्षा मंत्री बोले थे- भारत के खिलाफ जंग छेड़ सकते हैं

पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने 21 जून को सिंधु जल संधि स्थगित रहने को लेकर भारत को धमकी दी थी। उन्होंने आरोप लगाया कि भारत पाकिस्तान के हिस्से के पानी के प्रवाह में दखल दे रहा है और रणनीतिक हथियार के तौर पर इसका इस्तेमाल कर रहा है। हालांकि उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि पिछले एक साल में इस मामले में क्या नए घटनाक्रम हुए हैं, इसकी उन्हें पूरी जानकारी नहीं है। अप्रैल 2025 में पहलगाम आतंकी हमले में 26 लोगों की मौत के बाद भारत ने 1960 की सिंधु जल संधि को निलंबित कर दिया था। भारत का कहना है कि जब तक पाकिस्तान सीमा पार आतंकवाद के खिलाफ ठोस कार्रवाई नहीं करता, तब तक संधि बहाल नहीं की जाएगी।

भारत-पाकिस्तान के बीच सिंधु जल समझौता क्या है?

1960 भारत के पीएम नेहरू और पाकिस्तान के राष्ट्रपति अयूब खान के बीच दस्तखत हुए थे।

जवाहरलाल नेहरू (पीएम, भारत) — **अयूब खान** (राष्ट्रपति, पाकिस्तान)

सिंधु नदी प्रणाली में कुल 6 नदियां हैं- सिंधु, झेलम, चिनाब, रावी, ब्यास और सतलुज। इनके किनारे का इलाका करीब 11.2 लाख वर्ग किलोमीटर में फैला हुआ है। इसमें 47% जमीन पाकिस्तान, 39% जमीन भारत, 8% जमीन चीन और 6% जमीन अफगानिस्तान में है। इन सभी देशों के करीब 30 करोड़ लोग इन इलाकों में रहते हैं। 1947 में भारत और पाकिस्तान के बंटवारे के पहले से ही भारत के पंजाब और पाकिस्तान के सिंध प्रांत के बीच नदियों के पानी के बंटवारे का झगड़ा शुरू हो गया था। 1947 में भारत और पाकिस्तान के इंजीनियरों के बीच 'स्टैंडस्टिल समझौता' हुआ। इसके तहत दो मुख्य नहरों से पाकिस्तान को पानी मिलता रहा। ये समझौता 31 मार्च 1948 तक चला। 1 अप्रैल 1948 को जब समझौता लागू नहीं रहा तो भारत ने दोनों नहरों का पानी रोक दिया। इससे पाकिस्तान के पंजाब प्रांत की 17 लाख एकड़ जमीन पर खेती बर्बाद हो गई। दोबारा हुए समझौते में भारत पानी देने को राजी हो गया।

सिंधु जल समझौता स्थगित करने का पाक पर असर

पाकिस्तान में खेती की 90% जमीन यानी 4.7 करोड़ एकड़ एरिया में सिंचाई के लिए पानी सिंधु नदी प्रणाली से मिलता है। पाकिस्तान की नेशनल इनकम में एग्रीकल्चर सेक्टर की हिस्सेदारी 23% है और इससे 68% ग्रामीण पाकिस्तानियों की जीविका चलती है। ऐसे में पाकिस्तान में आम लोगों के साथ-साथ वहां की बेहाल अर्थव्यवस्था और बदतर होने लगी है। पाकिस्तान के मंगल और तारबेला हाइड्रोपावर डैम को पानी नहीं मिल पा रहा है। इससे पाकिस्तान के बिजली उत्पादन में 30% से 50% तक की कमी आ सकती है। साथ ही औद्योगिक उत्पादन और रोजगार पर असर पड़ेगा।

तमिलनाडु गैस रिसाव हादसा : मुख्यमंत्री के निर्देश पर हुई त्वरित कार्रवाई

तमिलनाडु में फंसे श्रमिक झारखंड के लिए रवाना

नवीन मेल संवाददाता

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के निर्देश पर त्वरित कार्रवाई करते हुए श्रम विभाग एवं राज्य प्रवासी श्रमिक नियंत्रण कक्ष द्वारा तमिलनाडु गैस रिसाव हादसा में प्रभावित झारखंड के सभी 42 श्रमिकों की सुरक्षित झारखंड वापसी सुनिश्चित कर ली गई है। सभी श्रमिक ट्रेन से झारखंड के लिए रवाना हो चुके हैं। मालूम को कि तमिलनाडु के तिरुवल्लूर जिले में स्थित सेंट पीटर्स एंड पॉल सीफूड्स एक्सपोर्ट्स फैसिलिटी में 21 जून को हुई अमोनिया गैस रिसाव की दुर्घटना का संज्ञान लेते हुए मुख्यमंत्री ने कड़े निर्देश जारी किए थे। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों और राज्य प्रवासी श्रमिक नियंत्रण कक्ष को स्पष्ट आदेश दिया था कि प्रभावित झारखंड के सभी प्रवासी श्रमिकों की सुरक्षित और सकुशल गृह वापसी के लिए तत्काल हर संभव कदम उठाए जाएं। मुख्यमंत्री के आदेश का पालन करते हुए श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग के सचिव व श्रमायुक्त के मार्गदर्शन में नियंत्रण कक्ष ने तिरुवल्लूर जिला प्रशासन, तमिलनाडु श्रम विभाग, रेलवे बोर्ड, दक्षिण रेलवे तथा अस्पताल प्रशासन के साथ चौबीसों घंटे समन्वय स्थापित कर रेस्क्यू और राहत अभियान चलाया। इस औद्योगिक हादसे में झारखंड के कुल 42 प्रवासी श्रमिकों को सुरक्षित रेस्क्यू किया गया, जिन्होंने अपने गृह राज्य लौटने की इच्छा व्यक्त की। झारखंड सरकार के विशेष अनुरोध और सतत समन्वय के बाद, रेलवे प्रशासन द्वारा ट्रेन अलप्पुझा-धनबाद एक्सप्रेस में झारखंड के श्रमिकों के लिए एक विशेष स्लीपर कोच स्वीकृत किया गया। इसके बाद मंगलवार को सभी 42 श्रमिक चेन्नई सेंट्रल रेलवे स्टेशन से सकुशल झारखंड के लिए प्रस्थान कर चुके हैं। यात्रा के दौरान इन श्रमिकों के लिए पैंट्री कार के माध्यम से भोजन-पानी तथा सुरक्षा के दृष्टिकोण से पर्याप्त रेलवे सुरक्षा बल की व्यवस्था सुनिश्चित कराई गई है।

मृतका का पार्थिव शरीर हवाई मार्ग से लाया जा रहा है रांची

इस हादसे में धनबाद निवासी श्रमिक प्रीति देवी का उपचार के दौरान चेन्नई के राजीव गांधी सरकारी सामान्य अस्पताल में निधन हो गया था। झारखंड सरकार की पहल पर मृतका के परिजनों के तमिलनाडु आगमन, शव की पहचान, पोस्टमार्टम एवं अन्य वैधानिक औपचारिकताओं को शीघ्रता से पूर्ण कराया गया। तमिलनाडु सरकार के सहयोग से मृतका का पार्थिव शरीर मंगलवार देर रात हवाई मार्ग से बिरसा मुंडा हवाई अड्डा पहुंचेगा।

मुख्यमंत्री के निर्देश

श्रम विभाग एवं राज्य प्रवासी श्रमिक नियंत्रण कक्ष ने संभाला मोर्चा

झारखंड के श्रमिकों के लिए एक विशेष स्लीपर कोच स्वीकृत किया गया।

उचित मुआवजा दिलाने की कार्रवाई जारी

झारखंड सरकार पीड़ित परिवारों के साथ इस दु:ख की घड़ी में मजबूती से खड़ी है। राज्य प्रवासी श्रमिक नियंत्रण कक्ष द्वारा नियोक्ता और संबंधित अधिकारियों के साथ निरंतर समन्वय किया जा रहा है, ताकि मृतका के परिजनों को नियमानुसार देय उचित मुआवजा और अन्य सभी वैधानिक लाभ जल्द से जल्द उपलब्ध कराए जा सकें।

हूल दिवस...

हूल दिवस पर **सिदो-कान्हू** उद्यान परिसर में आयोजित रक्तदान शिविर में शामिल होकर रक्तदाताओं के बीच प्रशस्ति-पत्र वितरण करते हुए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन।

हूल दिवस पर सन्नी टोप्पो ने वीर शहीदों को किया नमन, कहा

संथाल विद्रोह स्वाभिमान का अमर प्रतीक

नवीन मेल संवाददाता

रांची। हूल दिवस पर भाजपा नेता सन्नी टोप्पो ने 30 जून 1855 से शुरू हुए ऐतिहासिक संथाल विद्रोह (हूल) के महानायक सिदो-कान्हू, चांद-भैरव तथा वीरांगनाओं फूलो-झानो को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि संथाल विद्रोह भारतीय स्वाधीनता संग्राम के इतिहास का स्वर्णिम और अटूट अध्याय है, जिसने ब्रिटिश शासन और शोषणकारी जमींदारी व्यवस्था की नींव हिलाकर रख दी थी।

सन्नी टोप्पो ने कहा कि पारंपरिक हथियार तीर-धनुष से लैस आदिवासी वीरों ने अंग्रेजों की आधुनिक सेना और बंदूकों का अदम्य साहस के साथ मुकाबला किया। उनका संघर्ष केवल अंग्रेजी शासन के खिलाफ नहीं था, बल्कि जल, जंगल, जमीन, संस्कृति और स्वाभिमान की रक्षा के लिए भी था। उन्होंने कहा कि "करो या मरो, अंग्रेजों हमारी माटी छोड़ो" का संदेश आज भी समाज को अपने अधिकारों, प्राकृतिक संसाधनों और सांस्कृतिक विरासत की रक्षा के लिए प्रेरित करता है। संथाल विद्रोह अन्याय, शोषण और दमन के खिलाफ स्वाभिमान की ऐसी हुंकार थी, जो आज भी हर पीढ़ी को अन्याय के विरुद्ध खड़े होने का साहस देती है।

सन्नी टोप्पो ने कहा कि सिदो-कान्हू, चांद-भैरव, फूलो-झानो सहित सभी जनजातीय नायकों का बलिदान देश की अमूल्य धरोहर है।

कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी 2 से 6 तक झारखंड दौरे पर

नवीन मेल संवाददाता

रांची।अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सीडब्ल्यूसी के स्थायी आमंत्रित सदस्य और झारखंड कांग्रेस के प्रभारी के. राजू आगामी 2 जुलाई से राज्य के पांच दिवसीय संगठनात्मक दौरे पर आ रहे हैं।

झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव सह मीडिया विभाग के संयोजक लाल किशोर नाथ शाहदेव ने उनके इस विस्तृत भ्रमण कार्यक्रम की आधिकारिक जानकारी साझा की है। अपने इस दौरे के दौरान के. राजू रांची, लातेहार, पलामू, रामगढ़ और हजारीबाग जिलों में कई महत्वपूर्ण समीक्षा बैठकें करेंगे और ग्रामीण इलाकों का दौरा कर जमीनी हकीकत टटोलेंगे। इसके बाद कि दोपहर 11:45 से 1:30 बजेः कांके प्रखंड की चुट्टू और नेवरी पंचायतों में जीपीसीसी सदस्यों के साथ लगातार दो बैठकें होंगी। दोपहर 03:00 बजे मदरा मुंडा चौक पर कांके प्रखंड कांग्रेस कमेटी के साथ बैठक होगी।

सिद्धू-कान्हू की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर दी गयी श्रद्धांजलि

हूल क्रांति अन्याय के खिलाफ संघर्ष का अमर प्रतीक : डॉ सूरज मंडल

नवीन मेल संवाददाता

रांची। हूल दिवस पर अखिल भारतीय संपूर्ण क्रांति राष्ट्रीय मंच के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष, पूर्व सांसद, पूर्व जैक उपाध्यक्ष एवं झारखंड मजदूर मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ सूरज मंडल ने राजधानी रांची स्थित सिद्धू-कान्हू पार्क में अमर क्रांतिकारी सिद्धू-कान्हू की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की।इस अवसर पर डॉ मंडल ने कहा कि 30 जून 1855 को संथाल परगना के भोगनाडीह से शुरू हुई संथाल हूल क्रांति भारतीय स्वतंत्रता संग्राम का स्वर्णिम अध्याय है। उन्होंने कहा कि हूल क्रांति सिखाती है कि अन्याय के सामने कभी झुकना नहीं चाहिए और लक्ष्य की प्राप्ति तक संघर्ष जारी रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि उस समय अंग्रेजी शासन, जमींदारों और महाजनों के अत्याचार से संथाल समाज अत्यंत पीड़ित था। झारखंड मजदूर मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष सुबोध कुमार लकड़ा ने कहा कि हूल क्रांति के 171 वर्ष बीत जाने के बावजूद ग्रामीण क्षेत्रों में इसकी स्मृतियां आज भी जीवंत हैं। उन्होंने कहा कि सिद्धू-कान्हू और अन्य वीर शहीदों का बलिदान आने वाली पीढ़ियों को अन्याय के खिलाफ आवाज उठाने की प्रेरणा देता रहेगा।

मरीजों की जांच, इलाज और परामर्श समय पर मिले : निदेशक

रांची। रिम्स में स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के उद्देश्य से अस्पताल प्रशासन ने मंगलवार को मेडिसिन विभाग का औचक निरीक्षण किया। रिम्स निदेशक प्रो. डॉ. डीके सिन्हा और चिकित्सा अधीक्षक प्रो. डॉ. हिरेन्द्र बिरुआ ने अधिकारियों के साथ विभाग की व्यवस्था का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान निदेशक ने विभाग में मरीजों के इलाज की प्रक्रिया, चिकित्सकीय सेवाओं, उपलब्ध संसाधनों और प्रशासनिक व्यवस्था की समीक्षा की।

पेज एक के शेष

29 जुलाई तक...

दूसरे दिन सभी जिलों के आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल, मीडिया संस्थानों और डिजिटल क्रिएटर्स ने 'हैशटैग झारखंड एसआइआर' के माध्यम से इस अभियान का व्यापक प्रचार-प्रसार किया, जिसे सोशल मीडिया पर व्यापक प्रतिक्रिया मिली।के रवि कुमार ने कहा कि मतदाताओं के विवरण का सत्यापन दो स्तरों पर किया जाएगा। पहले चरण में बीएलओ सुपरवाइजर और दूसरे चरण में निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी (ईआरओ) अथवा सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी (एईआरओ) इसकी जांच करेंगे, ताकि पूरी प्रक्रिया की पारदर्शिता और शुद्धता बनी रहे। उन्होंने कहा कि यह प्रक्रिया केवल पात्र भारतीय नागरिकों के लिए है और गैर-भारतीय नागरिकों को इसमें भाग नहीं लेना चाहिए। जो भी पात्र भारतीय नागरिक निर्धारित अवधि में इन्यूमरेशन फॉर्म जमा करेंगे, उनका नाम 5 अगस्त 2026 को प्रकाशित होने वाली मतदाता सूची के प्रारूप में शामिल किया जाएगा।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने स्पष्ट किया कि इन्यूमरेशन फॉर्म भरते समय मतदाताओं को किसी भी प्रकार का दस्तावेज जमा करने की आवश्यकता नहीं होगी। यदि किसी मतदाता की पूर्व विशेष गहन पुनरीक्षण के दौरान मैपिंग नहीं हो सकी है, तो वह बीएलओ को आवश्यक जानकारी देकर अपनी मैपिंग सुनिश्चित करा सकता है। जन्मतिथि के आधार पर स्वयं अथवा माता-पिता में से किसी एक या दोनों के विवरण साझा कर यह प्रक्रिया पूरी की जा सकती है।

रोजगार सृजन व...

उन्होंने कहा कि व्यापारी समाज को समाज और शासन दोनों स्तरों पर उचित सम्मान मिलना चाहिए तथा व्यवसाय से जुड़े लोगों के साथ अनावश्यक उत्पीड़न नहीं होना चाहिए। उन्होंने व्यापारी वर्ग से संगठित होकर अपने हितों एवं राष्ट्रहित में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। सनसिटी प्रोजेक्ट्स के चेयरमैन एवं ऋषिहुड यूनिवर्सिटी के संस्थापक लक्ष्मी नारायण गोयल ने एकल अभियान द्वारा शिक्षा, स्वास्थ्य, कौशल विकास, सीमावर्ती क्षेत्रों में सेवा कार्य तथा भारतीय संस्कृति एवं सनातन मूल्यों के संरक्षण के लिए किए जा रहे प्रयासों की जानकारी भी दी। साथ ही, झारखंड में उपलब्ध प्रचुर खनिज संपदा के बेहतर दोहन के लिए आधुनिक तकनीक, निवेश और वैश्विक सहयोग को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर बल दिया। बैठक के दौरान झारखंड चैंबर की कार्यशैली की सराहना करते हुए उद्यमियों ने संगठन की भूमिका को और अधिक प्रभावी बनाने के संबंध में अपने सुझाव दिए। उन्होंने चैंबर के दावोस दौरे के अनुभवों की भी जानकारी ली। बैठक में फेडरेशन ऑफ झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष आदित्य मल्होत्रा, उपाध्यक्ष राम बांगड़, कार्यकारिणी सदस्य मुकेश अग्रवाल, अमित शर्मा, अनीश बुधिया, पूर्व अध्यक्ष रंजीत गाड़ोदिया, दीपक कुमार मारु, धीरज तनेजा, सदस्य पूनम आनंद एवं एकल अभियान के अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

सीएम के प्रयास से झारखंड में निवेश की संभावनाएं बढ़ीं : आदित्य : फेडरेशन ऑफ झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष आदित्य मल्होत्रा ने कहा कि दावोस यात्रा के दौरान झारखंड को लेकर वैश्विक स्तर पर सकारात्मक धारणा बनी है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के प्रयासों से झारखंड में निवेश और औद्योगिक विकास की व्यापक संभावनाएं बनी हैं तथा क्रिटिकल मिनरल्स जैसे क्षेत्रों में झारखंड महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। उन्होंने कहा कि राज्य में उपलब्ध संसाधनों का बेहतर उपयोग कर औद्योगिक विकास और रोजगार के नए अवसर सृजित किए जा सकते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि देश के प्रख्यात उद्यमियों की उपस्थिति में आज की बैठक में चैंबर की भविष्य की भूमिका, उद्यमियों की राष्ट्र निर्माण में भागीदारी तथा झारखंड को औद्योगिक रूप से अधिक विकसित बनाने के विभिन्न पहलुओं पर सार्थक चर्चा हुई। उन्होंने विश्वास जताया कि ऐसे संवाद से राज्य में उद्यमिता को नई दिशा मिलेगी और उद्योगों के विकास को गति प्राप्त होगी।

अन्याय के खिलाफ....

उन्होंने कहा कि उस समय देश में शोषित और वंचित लोगों के पास अन्याय से मुक्ति का कोई रास्ता दिखाई नहीं दे रहा था। ऐसे कठिन दौर में अमर शहीद सिदो-कान्हू, चांद-भैरव तथा वीरांगना फूलो-झानो ने अपने प्राणों की परवाह किए बिना शोषण के विरुद्ध हूल क्रांति का बिगुल फूंका।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इन वीर सपूतों ने यह संदेश दिया कि अन्याय और अत्याचार के सामने कभी झुकना नहीं चाहिए। उन्होंने कहा कि आज भी समाज में जहां कहीं भी कमजोर और वंचित वर्गों का शोषण होता है, वहीं से संघर्ष और परिवर्तन की नई शुरुआत होती है। इसलिए हूल विद्रोह केवल इतिहास का अध्याय नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय और समानता के लिए सतत प्रेरणा का स्रोत है।

सीएम हेमंत सोरेन ने कहा कि झारखंड की पहचान वीरों और बलिदानियों की धरती के रूप में रही है। यहां समय-समय पर अनेक महापुरुषों ने समाज और देश के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया है। राज्य सरकार ऐसे सभी महापुरुषों के योगदान को सम्मानपूर्वक याद करती है और नई पीढ़ी को उनके आदर्शों से प्रेरणा लेने के लिए निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि क्रांति की आग कभी बुझती नहीं है। बुझाई भी नहीं जा सकती। क्रांति की चिंगारी सदैव जलती है। हमेशा समाज में जीवित रहती है और समय आने पर अन्याय के खिलाफ लोगों को एकजुट होने की प्रेरणा देती है।

मुख्यमंत्री ने उदाहरण देते हुए कहा कि देश के विभिन्न स्मारकों पर शहीदों की स्मृति में अखंड ज्योति निरंतर प्रज्वलित रहती है। दिल्ली के राजघाट और इंडिया गेट पर जलने वाली ज्योति इसी अमर बलिदान और राष्ट्रीय चेतना का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि वीरों की इस पावन भूमि का इतिहास स्वर्ण अक्षरों में अंकित रहेगा।

कार्यक्रम में जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी, विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे। सभी ने हूल विद्रोह के अमर शहीदों को श्रद्धासुमन अर्पित कर उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।

जमीन विवाद में...

मामले की गंभीरता को देखते हुए अन्य नामजद आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। पुलिस सभी पहलुओं की जांच कर रही है और साक्ष्यों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

मिली जानकारी के अनुसार, सब रजिस्ट्रार बालेश्वर पटेल ने अपने गांव में ही मई महीने में 11 डिसमिल जमीन खरीदी थी। यह जमीन उन्होंने महेश प्रसाद से रजिस्ट्री कराई थी। उस जमीन पर वह अपना घर बनाने के लिए बोरिंग करवा रहे थे। मंगलवार की सुबह जब वे उस जमीन पर गए थे, उसी दौरान उन पर जानलेवा हमला हुआ।

पत्नी ने कराई प्राथमिकी, 10 लोग हैं नामजद : गिरिडीह के सब रजिस्ट्रार बालेश्वर पटेल की हत्या के मामले में उनकी पत्नी रीता कुमारी ने मांडू थाने में प्राथमिकी दर्ज कराने के लिए आवेदन दिया है। उन्होंने गांव के 10 लोगों को नामजद आरोपी बनाया है। रबोध गांव निवासी रीता कुमारी ने अपनी लिखित शिकायत में कहा है कि उनके पति मंगलवार को मांडू थाना क्षेत्र के हुवाग स्थित सियारी टांड़ में अपनी जमीन पर लगे बोरिंग और सबमर्सिबल पंप देखने गए थे। इसी दौरान गांव के रामू साव उर्फ ज्ञानी साव, विष्णु कुमार, संतोष साव उर्फ पप्पम, पूजा देवी, रूबी देवी, शकुंतला देवी, विनय कुमार और डोली कुमारी सहित अन्य लोगों ने उन पर हमला कर दिया। शिकायत के अनुसार, आरोपियों ने डंडों और ईंटों से बेरहमी से मारपीट की, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। रीता कुमारी ने अपनी शिकायत में यह भी आरोप लगाया है कि इस पूरे घटनाक्रम की साजिश में हुवाग गांव के हेमंत पांडे और दिनेश्वर साव भी शामिल थे। उन्होंने पुलिस को बताया कि घटना गांव की रहने वाली बबीता देवी की मौजूदगी में हुई। शिकायत के अनुसार, हत्या के बाद आरोपी वहां मौजूद लोगों को धमकी देते हुए मौके से अपने-अपने घरों की ओर फरार हो गए।

प्रतिवादियों को सौंपी...

जब इससे संबंधित अपील की सुनवाई खंडपीठ में चल रही है, ऐसे में समानांतर रूप से सुनवाई नहीं की जा सकती है। इसलिए एकल पीठ की ओर से पारित आदेश पर रोक लगाई जाए।

ज्ञात हो कि डोरंडा स्थित पुराने उच्च न्यायालय बिल्डिंग में वन मैन फैक्ट फाइंडिंग कमीशन के अध्यक्ष जस्टिस गौतम कुमार चौधरी के कोर्ट में शिक्षक नियुक्ति से जुड़े (स्नातक प्रशिक्षित शिक्षक संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा 2016) मामले की सुनवाई चल रही है।

झारखंड में चार...

मौसम विभाग ने कहा है कि प्रतिकूल मौसम की स्थिति को देखते हुए नागरिक विशेष सावधानी बरतें। मौसम विभाग के अनुसार, 02 जुलाई और 06 जुलाई 2026 को राज्य के उत्तर-पूर्वी, दक्षिणी तथा मध्यवर्ती जिलों में कहीं-कहीं भारी बारिश होने का अनुमान है। इस दौरान पूरे राज्य में गर्जन के साथ वज्रपात होने की आशंका को देखते हुए 'येलो अलर्ट' भी जारी किया है। विभाग ने किसानों, खुले स्थानों पर काम करने वाले लोगों तथा ग्रामीण क्षेत्रों के निवासियों से विशेष सतर्कता बरतने की अपील की है। खराब मौसम के दौरान पेड़ों के नीचे खड़े होने, खुले मैदानों में रहने और बिजली के खंभों के पास जाने से बचने की सलाह दी गई है। पिछले 24 घंटे में राज्य में सबसे अधिक 64.5 मिलीमीटर वर्षा पश्चिमी सिंहभूम जिले के बहरागोड़ा में दर्ज की गई। मंगलवार को राजधानी रांची और आसपास के क्षेत्रों में सुबह से ही बादल छाए रहे। दोपहर बाद हल्की बारिश होने से मौसम सुहावना हो गया और लोगों को उमस भरी गर्मी से राहत मिली। दिनभर आसमान में बादलों की आवाजाही बनी रही, जिससे तापमान में भी गिरावट दर्ज की गई। मंगलवार को रांची में अधिकतम तापमान 33.9 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 22.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मेदिनीनगर (डालटनगंज) में अधिकतम 39.4 डिग्री और न्यूनतम 24.4 डिग्री, जमशेदपुर में अधिकतम 36.8 डिग्री और न्यूनतम 24.8 डिग्री, बोकारो में अधिकतम 33.1 डिग्री और न्यूनतम 24.6 डिग्री, जबकि चाईबासा में अधिकतम 36.4 डिग्री और न्यूनतम 24.2 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

मौसम विभाग ने अगले कुछ दिनों तक राज्य के अधिकांश हिस्सों में मानसूनी गतिविधियां जारी रहने का अनुमान जताया है। विभाग ने लोगों से मौसम संबंधी ताजा अपडेट पर नजर रखने और प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करने की अपील की है।

3 जुलाई को होगी...

, जबकि ई-नीलामी में भाग लेने के लिए 2,844 रुपये से 1.25 लाख रुपये तक की अर्नेस्ट मनी डिपॉजिट (ईएमडी) जमा करनी होगी। इच्छुक व्यक्ति, व्यापारी, संस्थान एवं निवेशक 2 जुलाई तक आवश्यक दस्तावेजों के साथ एमएसटीसी के ई-ऑक्शन पोर्टल पर पंजीकरण करा सकते हैं। नीलामी की विस्तृत शर्तें हिंदी एवं अंग्रेजी दोनों भाषाओं में उपलब्ध हैं। इसके प्रचार-प्रसार के लिए संबंधित स्थलों पर सूचना पट्ट लगाने और स्थानीय समाचार पत्रों में प्रकाशन के भी निर्देश दिए गए हैं।

दृष्टिपात

एचईसी में मजदूरों की समस्याओं पर वार्ता तेज,कल आमसभा

रांची। एचईसी के स्थाई एवं सप्लाई ठेका मजदूरों की विभिन्न समस्याओं को लेकर यूनियन और प्रबंधन के बीच वार्ता की गई। बैठक में मजदूरों के लंबित वेतन, प्लांट कमेटी एवं ग्रीवांस कमेटी के गठन, पीएफ लेजर उपलब्ध कराने, कम वेतन, प्रमोशन, ग्रेडेशन तथा सप्लाई ठेका मजदूरों के लिए केंद्रीय वेतनमान लागू करने जैसे मुद्दों पर चर्चा हुई। यूनियन नेताओं ने बताया कि मजदूरों का लंबित भुगतान 4 से 7 जुलाई के बीच कराने का आश्वासन मिला है, जबकि तकनीकी गड़बड़ी के कारण रुका पीएफ लेजर भी जल्द उपलब्ध कराया जाएगा। यूनियन ने सभी स्थायी और सप्लाई ठेका मजदूरों से 2 जुलाई को मुख्यालय के समीप आयोजित आमसभा में बड़ी संख्या में शामिल होने की अपील की है। सभा में प्रबंधन के साथ चल रही वार्ता की प्रगति से अवगत कराया जाएगा। बैठक में सीटू से संबद्ध हटिया मजदूर यूनियन के कार्यवाहक महामंत्री दिनेश बैठा, विमल मसली और चिराग वारला मौजूद थे।

भूअर्जन कार्यालय के समक्ष एयरपोर्ट विस्थापितों का प्रदर्शन सात को

रांची। विस्थापित मोर्चा की ओर से हूल दिवस पर खोखमा टोली, हिनू के जतरा स्थल पर संकल्प सभा का आयोजन किया गया। इस सभा में खोखमा टोली के साथ हुंडरू, पीपरटोली, हेथु, गड़हा टोली के ग्रामीणों ने सभा की। सभा की शुरुआत में संताल हूल के वीर शहीदों सिदो-कान्हू, चांद भैरव और फूलो-झानो के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस क्रम सभा में कुछ संकल्प लिया गया। इसमें मौजा हुंडरू, हेथू और हिनू में बिना अधिग्रहण रैयतों की जमीन पर सेना व ग्रामीणों के बीच जमीन विवाद के निपटारे के लिए लोकतांत्रिक व कानूनी लड़ाई तेज करने का संकल्प लिया गया। इस क्रम में सात जुलाई 2026 को रांची भू अर्जन कार्यालय के समक्ष प्रदर्शन करने का निर्णय लिया गया। सभा के दौरान ही खोखमा टोली, हिनू के एयरपोर्ट रोड के किनारे ग्रामीणों की चाय दुकानों को जबरन हटाए जाने की सूचना मिली। मौके पर उपस्थित सैकड़ों ग्रामीणों ने इसका विरोध किया। सूचना पर स्थानीय सेना छावनी के सीओ अपनी टीम के साथ पहुंचे। ग्रामीणों के उग्र विरोध को देखते हुए सीओ ने ग्रामीणों के ठेला व चाय दुकान नहीं हटाने की मांग मान ली और जमीन विवाद पर ग्रामीणों से आगे वार्ता करने पर सहमति जताई। इसमें पूर्व पार्षद अजीत उरांव, पुष्पा तिर्की, सुरेश गोप, प्रकाश टोप्पो, सुनील निकोलस एक्का, मुखिया विनोद गाड़ी, बिरसा उरांव, कमल किशोर झा, संतोष गोप, सन्नी साहू, कुलदीप साहू, संदीप तिर्की, सोम कुमार, चंदू कच्छप आदि शामिल हुए।

बर्खास्त सीसीएल कर्मी को राहत, सेवा समाप्ति और अपीलीय आदेश रद्द

रांची। झारखंड हाईकोर्ट ने सीसीएल के कर्मचारी अभय कुमार को बड़ी राहत देते हुए उनकी सेवा समाप्ति और अपीलीय प्राधिकार के आदेश को रद्द कर दिया है। जस्टिस दीपक रोशन की अदालत ने कहा कि विभागीय जांच में एक भी मौखिक गवाह का परीक्षण नहीं किया गया और बिना साक्ष्य के कर्मचारी को दोषी ठहराया गया, जो कानून सम्मत नहीं है। याचिकाकर्ता की ओर से अदालत को बताया गया कि विभागीय जांच के दौरान कुल 18 बैठकें हुईं, लेकिन प्रबंधन की ओर से एक भी गवाह पेश नहीं किया गया और न ही किसी दस्तावेज को विधिसम्मत तरीके से साबित किया गया। सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट के कई फैसलों का हवाला देते हुए कहा कि विभागीय जांच एक अर्ध-न्यायिक प्रक्रिया है और आरोप साबित करने के लिए मौखिक साक्ष्य आवश्यक है। केवल दस्तावेजों के आधार पर, बिना उन्हें प्रमाणित किए, किसी कर्मचारी को दोषी नहीं ठहराया जा सकता। अदालत ने बर्खास्तगी आदेश दिनांक 16/17 दिसंबर 2021 तथा अपीलीय आदेश 3 जून 2022 को रद्द करते हुए सीसीएल को निर्देश दिया कि याचिकाकर्ता को सभी बकाया वेतन, पेंशन, ग्रेच्युटी सहित अन्य सेवानिवृत्ति लाभ 12 सप्ताह के भीतर भुगतान किए जाएं।

छेड़खानी विवाद में हुई हत्या में दोषी अतुल मुंडा को उम्रकैद

रांची। छेड़खानी को लेकर हुए विवाद के बाद लालपुर की नगड़ा टोली निवासी महेश सुरीन की हत्या के चार साल पुराने मामले में दोषी करार अभियुक्त अतुल मुंडा को अपर न्यायायुक्त ओंकार नाथ चौधरी की अदालत ने मंगलवार को उम्रकैद की सजा सुनाई है। उस पर 50 हजार रुपए का जुर्माना लगाया है। मामला लालपुर थाना में कांड संख्या 25/2022 से जुड़ा है। घटना की शुरुआत 14 फरवरी 2022 की शाम करीब सात बजे एक युवती से छेड़खानी को लेकर हुए विवाद से हुई थी। आरोप है कि इस बात को लेकर अतुल मुंडा ने मारपीट की थी। इसके बाद 15 फरवरी 2022 की शाम करीब 7.30 बजे महेश सुरीन, अंकित मुंडा और नवीन मुंडा आपसी बातचीत के जरिए विवाद सुलझाने के उद्देश्य से अतुल मुंडा के घर पहुंचा था। प्राथमिकी के मुताबिक, उस समय अतुल मुंडा अपने घर की दूसरी मंजिल पर सो रहा था। तीनों उसे छत से नीचे लेकर आ रहे थे, तभी अतुल ने कथित रूप से हथौड़े से महेश सुरीन के सिर पर वार कर दिया। गंभीर रूप से घायल महेश को तत्काल रिम्स ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

पल्स पोलियो अभियान में रांची में लक्ष्य से अधिक बच्चों को पिलाई गई दवा

रांची। जिले में 28 जून से 30 जून तक चले पल्स पोलियो अभियान में स्वास्थ्य विभाग ने लक्ष्य से अधिक बच्चों को पोलियो की दवा पिलाई है। मंगलवार को तीसरे दिन जारी अंतिम रिपोर्ट के अनुसार जिले ने 102.01 प्रतिशत कवरेज हासिल किया। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार पूरे जिले में 5,05,524 बच्चों को पोलियो की दवा पिलाने का लक्ष्य रखा गया था। इसके मुकाबले 5,15,694 बच्चों को पोलियो ड्रॉप्स पिलाई गई। इस तरह जिला तय लक्ष्य से आगे निकल गया। अभियान के दौरान रांची के शहरी क्षेत्र में सबसे बेहतर प्रदर्शन रहा। यहां 2,07,381 बच्चों का लक्ष्य था, जबकि 2,21,104 बच्चों को पोलियो की दवा पिलाई गई। यह 106.62 प्रतिशत कवरेज है। वहीं, ग्रामीण क्षेत्रों में 2,98,143 बच्चों को दवा पिलाने का लक्ष्य था। इसके मुकाबले 2,94,590 बच्चों तक टीम पहुंची। ग्रामीण क्षेत्र में कुल 98.81 प्रतिशत कवरेज दर्ज किया गया। प्रखंड में सोनाहातू ने सबसे अच्छा प्रदर्शन किया। यहां 104.63 प्रतिशत कवरेज दर्ज हुआ।

सिदो-कान्हू का संघर्ष देता है प्रेरणा : आदित्य साहू

रांची। भारतीय जनता पार्टी रांची महानगर जिला कमेटी की ओर से मंगलवार को हूल क्रांति दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कांके रोड के हातमा इलाके में सिदो-कान्हू पार्क में हूल क्रांति के महानायक अमर शहीद सिदो–कान्हू को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस मौके पर प्रदेश भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और राज्यसभा सदस्य आदित्य साहू ने कहा कि 1855 की हूल क्रांति भारत के स्वतंत्रता संग्राम का वह ऐतिहासिक अध्याय है, जिसने अंग्रेजी हुकूमत की नींव हिला दी थी। सिदो-कान्हू, चांद-भैरव, फूलो-झानों ने जल, जंगल, जमीन और स्वाभिमान की रक्षा के लिए प्राणों का बलिदान कर राष्ट्रभक्ति की अमिट मिसाल स्थापित की। उनका संघर्ष आज भी हर भारतीय को अन्याय के विरुद्ध खड़े होने की प्रेरणा देता है।

बेल्जियम एक्सपोजर टूर के लिए भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम का ऐलान

नई दिल्ली। हॉकी इंडिया ने मंगलवार को बेल्जियम के आगामी एक्सपोजर टूर के लिए 22 सदस्यीय जूनियर पुरुष टीम की घोषणा कर दी। यह टूर 5 से 18 जुलाई के बीच खेला जाएगा, जो नव नियुक्त कोच फ्रेडरिक सोयेज के मार्गदर्शन में टीम का पहला असाइनमेंट होगा और इस साल के आखिर में होने वाले एफआईएच हॉकी पुरुष जूनियर एशिया कप से पहले तैयारी का एक अहम चरण साबित होगा। इस टूर के दौरान युवा भारतीय टीम यूरोप की मजबूत टीमों का सामना करेगी। भारतीय टीम ऑस्ट्रिया और बेल्जियम के खिलाफ दो-दो मैच, जबकि जर्मनी और नीदरलैंड के खिलाफ एक-एक मैच खेलेगी। उम्मीद है कि इस एक्सपोजर टूर से टीम को अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों का कीमती अनुभव मिलेगा। इसके साथ ही महाद्वीपीय टूर्नामेंट से पहले उन्हें अपने कॉम्बिनेशन और खेलने के तरीके को परखने में मदद मिलेगी। इस टूर के लिए डिफेंडर अनमोल एक्का को भारतीय टीम की कमान सौंपी गई है। गोलकीपिंग यूनिट में विवेक लाकरा और कुणाल तेवतिया शामिल हैं। डिफेंस लाइन में कप्तान अनमोल एक्का, रोहित कुल्लू, चिराग, रविंदर, प्रशांत बारला, संजीत तिर्की और वी. मणिमारन शामिल हैं।

मिडफील्ड की जिम्मेदारी अद्रोहित एक्का, हरपाल, जीतपाल, मुकेश टोप्पो, मन्नू मलिक और रितिक लाकरा संभालेंगे। फॉरवर्ड लाइन में अजीत यादव, प्रभदीप सिंह, अर्जुन हरगुडे, आर्यन जेस, लव नूर सिंह, कोनैन और गुरुसेवक सिंह शामिल हैं।

अनमोल एक्का, अद्रोहित एक्का, अजीत यादव और रोहित कुल्लू उस भारतीय टीम का हिस्सा रहे हैं, जिसने एफआईएच मेंस जूनियर वर्ल्ड कप तमिलनाडु 2025 में ब्रॉन्ज मेडल जीता था। भारत अपने अभियान की शुरुआत 7 और 8 जुलाई को ऑस्ट्रिया के खिलाफ करेगा। इसके बाद टीम 10 जुलाई को मेजबान बेल्जियम, 13 जुलाई को जर्मनी, 14 जुलाई को फिर से बेल्जियम और 17 जुलाई को नीदरलैंड के खिलाफ मैच खेलकर दौरे का समापन करेगी।

भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीमः

गोलकीपरः विवेक लाकरा, कुणाल तेवतिया।

डिफेंडरः अनमोल एक्का, रोहित कुल्लू, चिराग, रविंदर, प्रशांत बारला, संजीत तिर्की, वी. मणिमारन।

मिडफील्डरः एडरोहित एक्का, हरपाल, जीतपाल, मुकेश टोप्पो, मन्नू मलिक, रितिक लाकरा।

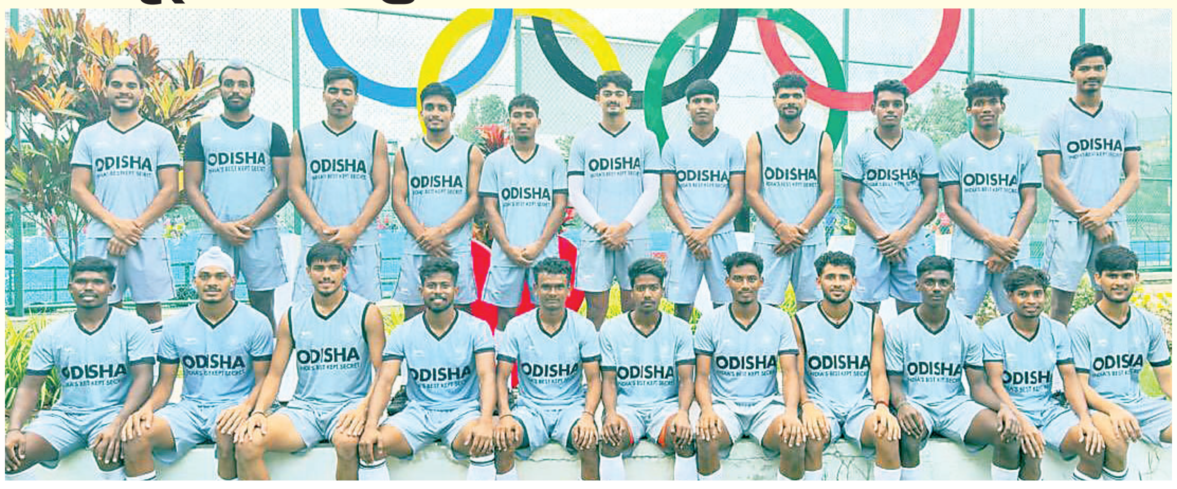

14वीं राष्ट्रीय पेंचक सिलाट प्रतियोगिता में झारखंड का रहा शानदार प्रदर्शन

9 पदक जीतकर बढ़ाया राज्य का मान

नवीन मेल संवाददाता

रांची। 25 से 28 जून 2026 तक महाराष्ट्र के नासिक स्थित इंडोर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, संत जनार्दन स्वामी आश्रम में आयोजित 14वीं पेंचक सिलाट सिंगा, मकान, प्री-टीन, प्री-जूनियर एवं जूनियर राष्ट्रीय प्रतियोगिता में झारखंड के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल 9 पदक अपने नाम किए। खिलाड़ियों की इस उपलब्धि से राज्य का गौरव राष्ट्रीय स्तर पर बढ़ा है। प्रतियोगिता में झारखंड के खिलाड़ियों ने 4 स्वर्ण, 2 रजत एवं 3 कांस्य पदक जीतकर अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

स्वर्ण पदक विजेताः इटाशा कपूर, अनाया खलखो, विशाखा थापा एवं पलक साहू।

रजत पदक विजेताः वायु तिर्की एवं अंजन राणा।

कांस्य पदक विजेताः कृपा राणा, जानवी आलिया एवं रीतिका बारा।

प्रतियोगिता में झारखंड पेंचक सिलाट संघ की सचिव मिस डौली सिंह ने रेफरी की भूमिका निभाई। वहीं सूरज चिक बड़ाइक एवं किरण सिंह ने कोच तथा जादूमीनी हेम्ब्रम ने टीम मैनेजर के रूप में अपनी जिम्मेदारियों का सफलतापूर्वक निर्वहन किया। इस शानदार उपलब्धि पर संघ के अध्यक्ष श्री किशोर मंत्री, चीफ कोच श्री बिजय कुमार लिम्बु, किशन कुमार, दीपा कुमारी, जेना हेंब्रम, प्रवीण सहित संघ के सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों और पूरी टीम को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने विश्वास जताया कि झारखंड के खिलाड़ी भविष्य में भी राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर राज्य का नाम रोशन करते रहेंगे।

अनिसिमोवा और प्लिस्कोवा की आसान जीत, दूसरे राउंड में जगह बनाई

लंदन। विंबलडन 2026 में मंगलवार को अमांडा अनिसिमोवा और कैरोलिना प्लिस्कोवा ने सीधे सेटों में जीत हासिल करके ऑल इंग्लैंड क्लब में दूसरे राउंड में जगह बनाई। छठी वरीयता प्राप्त अनिसिमोवा को नॉर्थ मैसेडोनिया की लीना ग्योर्चेस्का को 6-3, 6-2 से हराने में एक घंटे से थोड़ा अधिक समय लगा, जबकि प्लिस्कोवा ने वैलेंटोवा को एक घंटे 15 मिनट में 6-3, 6-4 से हराकर 2022 के बाद अपनी पहली विंबलडन मेन-ड्रॉ जीत हासिल की।

मोरक्को ने पेनल्टी शूटआउट में नीदरलैंड को हराया

अंतिम-16 में जगह बनायी

मॉन्टेरी। मोरक्को ने मंगलवार को यहां मॉन्टेरी स्टेडियम में नीदरलैंड पर पेनल्टी शूटआउट में जबरदस्त जीत के साथ फीफा विश्व कप 2026 के अंतिम-16 में जगह बना ली। निश्चित और अतिरिक्त अवधि (120 मिनट) मिलाकर भी इस मैच का फैसला नहीं हो सका। मैच 1-1 से बराबर था। इसके बाद पेनल्टी में मोरक्को ने 3-2 से जीत हासिल की। 72वें मिनट में कोडी गैकपो ने गोल करके नीदरलैंड को बढ़त दिलाई। क्राइसेंसियो समरविले के गोल के सामने एक शानदार रन और ऑफ-बैलेंस टचबैक ने गैकपो को गोल करने में मदद की। गैकपो अब वर्ल्ड कप में नीदरलैंड के लिए छह गोल के साथ संयुक्त रूप से दूसरे सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। वह सिर्फ जॉनी रेप से पीछे हैं, जिन्होंने 1974 (चार गोल) और 1978 (तीन गोल) के बीच सात गोल किए थे। मोरक्को ने 91वें मिनट में बराबरी का गोल करके वापसी की। सेंट्रल डिफेंडर इसा डियोप ने अतिरिक्त समय की शुरुआत में स्थानापन्न चेम्सडाइन टैल्बी के क्रॉस पर हेडर मारकर गोल कर दिया। मॉन्टेरी में 120 मिनट का रोमांचक मैच उतार-चढ़ाव वाला रहा और रेगुलर या एक्स्ट्रा टाइम में कोई विनर नहीं बन पाया।

ओलिवर कान ने लियोनेल मेसी-रोनाल्डो की प्रतिद्वंद्विता की तारीफ

नई दिल्ली। जर्मनी फुटबॉल टीम के पूर्व कप्तान ओलिवर कान का मानना है कि लियोनेल मेसी और क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने एक ऐसी फुटबॉल प्रतिद्वंद्विता बनाई, जो किसी और से अलग थी। दोनों ने लगभग दो दशकों तक एक-दूसरे को बेहतरीन बनने के लिए लगातार कोशिश करते हुए वो ऊंचाई देखी, जो अब तक कोई नहीं देख पाया।

जी5 पर फीफा विश्व कप 2026 पर बतौर विशेषज्ञ काम कर रहे ओलिवर कान ने कहा, "क्रिस्टियानो रोनाल्डो और लियोनेल मेसी ने लगभग दो दशकों तक एक-दूसरे को आगे बढ़ाया है। यह देखना वाकई कमाल का है कि वे किस स्तर का फुटबॉल खेलते रहते हैं। उनकी प्रतिद्वंद्विता प्रदर्शन के आधार पर आयी। हर सीजन में, उन्होंने एक-दूसरे को और भी बेहतर बनने के लिए प्रेरित किया। फुटबॉल में शायद उस स्तर की निरंतरता और प्रतिद्वंदिता फिर कभी न दिखे।"

कान ने कहा, "वर्ल्ड कप 2002 मेरे करियर के सबसे बड़े अनुभवों में से एक है। फाइनल हारना अभी भी दुख देता है क्योंकि, एक एथलीट के तौर पर, आप हमेशा जीतना चाहते हैं, खासकर वर्ल्ड कप। लेकिन समय के साथ, आप उस सफर, टीम भावना और टीम के साथ साझा किए गए अनुभवों की तारीफ करने लगते हैं। एक गोलकीपर के तौर पर गोल्डन बॉल जीतना बहुत बड़ा सम्मान था, जो खास था। मैं इसे फिर भी वर्ल्ड कप ट्रॉफी से बदल दूंगा।"

फुटबॉल के सबसे बड़े स्टेज पर मुकाबला कर रहे गोलकीपरों के लिए अपनी सलाह देते हुए कान ने युवा खिलाड़ियों से दबाव झेलने, सीखते रहने और टूर्नामेंट के हर पल पर फोकस रखने की अपील की।

व्यापार/लाइफ व साइंस

सैमसंग ने भारत में लॉन्च किया गैलेक्सी ए27 5जी

एजेंसी। नई दिल्ली

भारत – जून, 2026 – सैमसंग ने आज अपने नए स्मार्टफोन गैलेक्सी A27 5जी को लॉन्च करने की घोषणा की। यह स्मार्टफोन आधुनिक तकनीक को अधिक से अधिक लोगों तक पहुँचाने की सैमसंग की सोच को आगे बढ़ाता है। इसे खासतौर पर उन युवा उपभोक्ताओं के लिए तैयार किया गया है, जो स्टाइलिश डिज़ाइन, दमदार परफॉर्मेंस, लंबे समय तक सॉफ्टवेयर सपोर्ट, मजबूत सुरक्षा और सहज यूज़र अनुभव वाला भरोसेमंद स्मार्टफोन किफायती कीमत पर चाहते हैं।

बेहतरीन डिस्प्ले और शानदार विजुअल अनुभव

गैलेक्सी A27 5जी की सबसे बड़ी खूबियों में इसका 6.7-इंच का 120Hz सुपर एमोलेड डिस्प्ले शामिल है। यह डिस्प्ले जीवंत रंगों, बेहतरीन डिटेल और स्मूद विजुअल अनुभव के साथ तेज़ टच रिस्पॉन्स देता है। नए इंफिनिटी-O डिस्प्ले में छोटा-सा पंच-होल कैमरा डिज़ाइन दिया गया है, जिससे वीडियो देखने और गेम खेलने का अनुभव और भी शानदार हो जाता है। साथ ही, स्क्रीन की मजबूती के लिए इस पर कॉर्निंग® गोरिल्ला® ग्लास विक्टस®+ की सुरक्षा दी गई है।

गेमिंग और रोजमर्रा के इस्तेमाल के लिए दमदार परफॉर्मेंस गैलेक्सी ए27 5जी में 4एनएम स्नैपड्रैगन® 6 जैन 3 प्रोसेसर दिया गया है, जो शानदार परफॉर्मेंस के साथ बेहतर पावर एफिशिएंसी भी प्रदान करता है। इसके साथ यूएफएस3.1 स्टोरेज और LPDDR5X रैम हर तरह के काम को तेज़ और सहज बनाते हैं। बेहतर जीपीयूकी बदौलत गेमिंग के दौरान ग्राफिक्स पहले से अधिक स्मूद दिखाई देते हैं, जबकि हाई-स्पीड मेमोरी तेज़ डेटा ट्रांसफर और बेहतर ऊर्जा दक्षता सुनिश्चित करती है। मल्टीटास्किंग, वेब ब्राउज़िंग, वीडियो स्ट्रीमिंग, एआइ ऐप्स का इस्तेमाल या गेमिंग—हर स्थिति में यह स्मार्टफोन तेज़, भरोसेमंद और सहज परफॉर्मेंस देता है।

नो-शेक ट्रिपल कैमरा

गैलेक्सी जी27 5जी में 50एमपी का मेन कैमरा दिया गया है, जो OIS और 4के वीडियो रिकॉर्डिंग के साथ आता है। इसकी मदद से चलते-फिरते भी साफ और बिना हिले हुए वीडियो रिकॉर्ड किए जा सकते हैं। इसके अलावा, इसमें 115 फील्ड ऑफ व्यू वाला 5एमपी अल्ट्रावाइड कैमरा और 2MP मैक्रो कैमरा मिलता है, जिससे 6x4-इंच आकार में 300डीपीआइ क्वालिटी वाली बेहतरीन क्लोज़-अप तस्वीरें ली जा सकती हैं। फोन का 12एमपी एचडीआर फ्रंट कैमरा शानदार पोर्ट्रेट और उच्च गुणवत्ता वाली वीडियो कॉलिंग का अनुभव देता है।

दिल्ली की नई ईवी पॉलिसी से होगा वाहन मलिकों को लाभ

नई दिल्ली। नई नीति में इलेक्ट्रिक वाहनों की खरीद पर वित्तीय प्रोत्साहन, पात्र वाहनों के लिए रोड टैक्स और रजिस्ट्रेशन शुल्क में पूरी छूट, पुराने वाहनों को स्क्रैप करने पर प्रोत्साहन, चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर का बड़े पैमाने पर विस्तार और विभिन्न श्रेणी के वाहनों को चरणबद्ध तरीके से इलेक्ट्रिक बनाने की योजना शामिल है।

सरकार ने पॉलिसी की अवधि के दौरान ईवी इकोसिस्टम के विकास के लिए लगभग 15,000 करोड़ रुपए के निवेश का भी प्रस्ताव रखा है।

रिपोर्ट के अनुसार, यह नीति केवल इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने तक सीमित नहीं है, बल्कि इससे बैटरी निर्माण, चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर, नवीकरणीय ऊर्जा, बिजली वितरण, इलेक्ट्रॉनिक्स, ऑटोमोबाइल कंपोनेंट्स, सॉफ्टवेयर समाधान, फ्लीट मैनेजमेंट, फाइनेंसिंग, रीसाइक्लिंग और सर्कुलर इकोनॉमी जैसे कई क्षेत्रों में निवेश बढ़ने की संभावना है। दिल्ली ईवी पॉलिसी 2.0, जो वर्ष 2030 तक लागू रहेगी, में इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने के लिए कई बड़े प्रोत्साहन और सख्त प्रावधान शामिल किए गए हैं। इसके तहत 30 लाख रुपए (एक्स-शोरूम) तक की कीमत वाले इलेक्ट्रिक वाहनों पर रोड टैक्स और रजिस्ट्रेशन शुल्क में 100 प्रतिशत छूट मिलेगी।

इसके अलावा, इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों पर 30,000 रुपए तक, तीनपहिया वाहनों पर 50,000 रुपए तक और पुराने बीएस-IV या उससे पुराने वाहनों को स्क्रैप करने पर 1 लाख रुपए तक का प्रोत्साहन दिया जाएगा।

इस नीति के अनुसार, 31 मार्च 2028 के बाद दिल्ली में नए पेट्रोल से चलने वाले मोटरसाइकिल और स्कूटर का पंजीकरण नहीं किया जाएगा। वहीं, 2026 के अंत के बाद नए सीएनजी ऑटो-रिक्शा का रजिस्ट्रेशन भी बंद कर दिया जाएगा।

भारत का राजकोषीय घाटा अप्रैल-मई में पूरे वित्त वर्ष के लक्ष्य का 9.6 प्रतिशत रहाः केंद्र

एजेंसी। नई दिल्ली

भारत का राजकोषीय घाटा वित्त वर्ष 2026-27 के अप्रैल-मई में 1.624 लाख करोड़ रुपए रहा है, जो कि पूरे वित्त वर्ष के लक्ष्य का 9.6 प्रतिशत है। यह जानकारी कंट्रोलर जनरल ऑफ अकाउंट्स (सीजीए) की ओर से मंगलवार को जारी आंकड़ों में दी गई।

सरकार ने पूरे वित्त वर्ष 27 के लिए 16.96 लाख करोड़ रुपए का राजकोषीय घाटे का लक्ष्य निर्धारित किया है। इससे पता चलता है कि शुरुआती दो महीनों के आंकड़े देश की मजबूत वित्तीय स्थिति को दिखाते हैं और देश 2026-27 के बजट में तय किए गए लक्ष्य को हासिल करने की राह पर है। वित्त वर्ष 26 की इसी अवधि में राजकोषीय घाटा 13,163 करोड़ रुपए था, जो पूरे साल के लक्ष्य का 0.8 प्रतिशत है। भारत ने मई में 2 लाख करोड़ रुपए का राजकोषीय अधिशेष दर्ज किया, जबकि पिछले वर्ष मई में यह अधिशेष 1.73 लाख करोड़ रुपए था। अप्रैल में सरकार की कुल प्राप्तियां 2.13 लाख करोड़ रुपए रहीं और इस दौरान 5.75 लाख करोड़ रुपए का व्यय दर्ज किया, जिसके परिणामस्वरूप वित्तीय वर्ष के पहले महीने में लगभग 3.62 लाख करोड़ रुपए का राजकोषीय घाटा हुआ। गैर-कर राजस्व मई में 3.27 लाख करोड़ रुपए रहा, जबकि पिछले वर्ष इसी महीने में यह 2.90 लाख करोड़ रुपए था। मई के ये आंकड़े भारतीय रिजर्व बैंक के केंद्रीय बोर्ड द्वारा वित्त वर्ष 2026 के लिए केंद्र सरकार को 2.87 लाख करोड़ रुपए के अधिशेष हस्तांतरण को मंजूरी देने के बाद आए हैं।

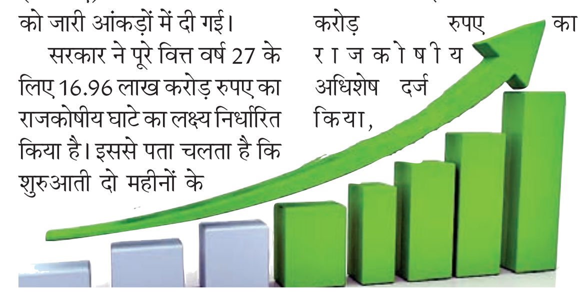

भारतीय शेयर बाजार लाल निशान में बंद, सेंसेक्स 249 अंक फिसला

मुंबई। भारतीय शेयर बाजार मंगलवार के कारोबारी सत्र में लाल निशान में बंद हुआ। दिन के अंत में सेंसेक्स 249.70 अंक या 0.33 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 76,478.67 और निफ्टी 80.50 अंक या 0.34 प्रतिशत की गिरावट के साथ 23,865.75 पर था। एकतरफ लार्जकैप में बिकवाली देखी गई। वहीं, दूसरी तरफ मिडकैप और स्मॉलकैप में खरीदारी देखने को मिली। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 230.40 अंक या 0.37 प्रतिशत की तेजी के साथ 61,797.70 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 190 अंक या 1.02 प्रतिशत की बढ़त के साथ 18,863.10 पर था। सूचकांकों में निफ्टी इंडिया डिफेंस 1.37 प्रतिशत और निफ्टी रियल्टी 1.31 प्रतिशत के साथ टॉप गेनर थे। इसके अलावा, निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स,निफ्टी फार्मा, निफ्टी मैन्युफैक्चरिंग, निफ्टी ऑटो, निफ्टी ऑयल एंड गैस और निफ्टी हेल्थकेयर हरे निशान में बंद हुआ।